शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 84 | गुवाहाटी | गुरुवार, 19 अक्तूबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मणिपुर में अलग-अलग अभियानों में भारी मात्रा में अवैध हथियार जब्त पेज 3

प्रधानमंत्री शुक्रवार को देश की पहली रैपिडएक्स रेल की देंगे सौगात पेज 4

डेंगू पीड़ित हर मरीज को समय पर मिले इलाज : मुख्यमंत्री पेज 5

दिल्ली में हुई कांग्रेस सीईसी की बैठक, राजस्थान की निर्विवाद सीटों पर... पेज 8

दुर्गा पूजा में शराब-बिक्री पर रोक नहीं : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की है कि राज्य में चल रहे दुर्गा पूजा समारोह के दौरान शराब की बिक्री पर प्रतिबंध नहीं होगा। पूजा के दौरान असम में संभावित ड्राई डे के बारे में पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि शराब की बिक्री को प्रतिबंधित करने का मतलब है काला बाजारी में वृद्धि। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि अगर हम शराब की बिक्री पर किसी प्रतिबंध की घोषणा करते हैं, तो कालाबाजारी करने वाले तुरंत जमाखोरी शुरू कर देंगे और पूजा के दौरान इसे बेचेंगे। परिणामस्वरूप मीडिया आउटलेट सरकार पर दोषारोपण करते हुए इसकी रिपोर्ट करेंगे। हालांकि, उन्होंने कहा कि सरकार आवश्यकता और स्थिति के आधार पर ड्राई डे पर विचार कर सकती है। उन्होंने कहा कि असम में भी कुछ जनजातियों के ऐसे त्योहार हैं, जिसमें शराब पीने की अपनी परंपरा है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि कामाख्या मंदिर में कुछ अनुष्ठानों में शराब की भी आवश्यकता होती है। असम के सीएम ने कहा कि पूजा के दौरान एक दिन को ड्राई डे घोषित करने के संबंध में अंतिम निर्णय दुर्घटना के दृष्टिकोण से आकलन करके लिया जा सकता है। -शेष पृष्ठ दो पर

हाईकोर्ट के लिए 17 जज नियुक्त, 16 का स्थानांतरण

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 8 हाईकोर्ट के लिए 17 जजों की नियुक्ति की है। बुधवार को जारी अधिसूचना में आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के लिए चार, बांबे हाईकोर्ट के लिए तीन, केरल हाईकोर्ट के लिए तीन, दिल्ली हाईकोर्ट के लिए दो, गुजरात हाईकोर्ट के लिए एक, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के लिए एक, कर्नाटक हाईकोर्ट के लिए एक और त्रिपुरा हाईकोर्ट के लिए दो जजों की नियुक्ति की घोषणा की गई है। इसी के साथ राष्ट्रपति ने हाईकोर्ट के 16 जजों का ट्रांसफर कर दिया है। राष्ट्रपति ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के लिए हरिनाथ नुनेपल्ली, किरणमयी मंडावा ऊर्फ किरणमयी कनापार्थी, सुमति जगदम और न्यापति विजय की नियुक्ति की है। बांबे हाईकोर्ट के लिए अभय जैनारायंजी मंत्री, श्याम छगनलाल चंडोक और नीरज प्रदीप धोटे को नियुक्त किया गया है। केरल हाईकोर्ट के लिए जॉनसन जॉन, गोपीनाथ यू गिरीश और सी प्रदीप कुमार की नियुक्ति की गई है। दिल्ली हाईकोर्ट के लिए जिन जजों की नियुक्ति की गई है उनमें शलिंदर कौर और रविंद्र जुडेजा शामिल हैं। रविंद्र कुमार अग्रवाल को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का जज नियुक्त किया गया है। केवी अरविंद को कर्नाटक हाईकोर्ट का जज नियुक्त किया गया है। त्रिपुरा हाईकोर्ट के लिए जिन दो जजों की नियुक्ति की गई है उनमें विश्वजीत पालित और सब्यसाची दत्त पुरकायस्थ शामिल हैं। राष्ट्रपति ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस एसपी केसरवानी को कलकत्ता हाईकोर्ट, पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के जज जस्टिस राज मोहन सिंह को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट, कर्नाटक हाईकोर्ट के जज जस्टिस नरेंद्र जी को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट, पटना हाईकोर्ट के जज जस्टिस सुधीर सिंह को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट, मणिपुर हाईकोर्ट के जज जस्टिस एमवी मुरलीधरन को कलकत्ता हाईकोर्ट, पटना हाईकोर्ट के जज जस्टिस मधुरेश प्रसाद को कलकत्ता हाईकोर्ट, पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के जज जस्टिस अरविंद सिंह सांगवान को इलाहाबाद हाईकोर्ट, पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के जज जस्टिस अवनीश झींगन को राजस्थान हाईकोर्ट, पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के जज जस्टिस अरुण मोंगा को राजस्थान हाईकोर्ट, इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस राजेंद्र कुमार चतुर्थ को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट स्थानांतरित किया गया है। इसी तरह गौहाटी हाईकोर्ट के -शेष पृष्ठ दो पर

बाल विवाह के विरुद्ध 20 जिलों में अभियान

गुवाहाटी। असम को बाल विवाह से मुक्त करने के लिए राज्य के 20 जिलों में सोमवार को एक अभियान चलाया गया। अभियान में हजारों की संख्या में पुरुषों और महिलाओं ने बाल विवाह प्रथा को खत्म करने का संकल्प लिया। राज्य में सोमवार से शुरू हुआ यह राष्ट्रव्यापी अभियान *बाल विवाह मुक्त भारत* का एक हिस्सा है। 2030 तक इस प्रथा को खत्म करने के लिए 300 से अधिक जिलों में महिला कार्यकर्ताओं -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल अनपढ़ बच्चा : हिमंत

गुवाहाटी। वंशवाद की राजनीति को लेकर देश में वार-पलटवार का दौर चलता रहता है। इन सब के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मिजोरम में भाजपा के भीतर वंशवाद को लेकर गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर निशाना साधा था। इसी को लेकर अब असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राहुल गांधी पर पलटवार किया है। राहुल गांधी की आलोचना की हुए हिमंत ने उन्हें अनपढ़ बच्चा बता दिया जिसे राजनीति के बारे में कोई ज्ञान नहीं है। हिमंत ने कहा कि अमित शाह का बेटा कैसे आया सामने? वह भाजपा में नहीं हैं, लेकिन राहुल का पूरा परिवार राजनीति में है। राहुल को लगता है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) भाजपा का एक अंग है। भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि मुझसे उसके बारे में ज्यादा मत पूछो, वह एक अनपढ़ बच्चा है। इसके साथ ही उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

आतंकियों के साथ खड़े हैं राहुल : डॉ. शर्मा

कबीरधाम। बुधवार को छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में भाजपा की ओर से कवर्धा व पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के दोनों प्रत्याशियों ने नामांकन जमा करने से पहले आमसभा का आयोजन किया। इस आमसभा में असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा शामिल हुए। उन्होंने आमसभा को संबोधित किया। इजरायल-फिलिस्तीन विवाद पर असम के सीएम ने कहा कि राहुल गांधी ने आतंकवादी संगठन हमास का समर्थन किया है, जबकि केंद्र सरकार इजरायल के साथ खड़ी है। इस देश में जब भी कांग्रेस की सरकार रही है, तब कई आतंकवादी हमला हो चुके है। -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम : भाजपा की पहली सूची में 12 उम्मीदवार

एजल (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को 40 सदस्यीय मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए 12 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में आज पार्टी के अखिल भारतीय महासचिव अरुण सिंह ने पहली सूची जारी की। घोषित 12 उम्मीदवारों में वे दो विधायक भी हैं, जो हाल ही में सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) से भाजपा में -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय में स्ट्रीट वेंडरों के लिए नया नियम लागू

शिलांग (हि.स.)। मेघालय सरकार ने बुधवार को मेघालय स्ट्रीट वेंडर्स (आजीविका का संरक्षण और स्ट्रीट वेंडिंग का विनियमन) योजना 2023 को मंजूरी दे दी। ताकि वैध और अवैध विक्रेताओं के बीच पहचान की जा सके। आज मुख्यमंत्री कोनराड संगमा की कैबिनेट ने इस पर मोहर लगा दी। मीडिया को जानकारी देते हुए, सरकार के प्रवक्ता पॉल लिंगदोह ने बताया कि विशिष्ट मानदंडों के आधार पर वैध फेरीवालों की पहचान की जाएगी। सबसे पहले विक्रेताओं के पास भारत के चुनाव आयोग द्वारा जारी ईपीआईसी और मेघालय में कम से कम 3 साल के निवास को साबित करने वाला प्रमाण पत्र होना चाहिए। दूसरा, उसका कम से कम 6 महीने के लिए एक स्थान पर वेंडिंग होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, शिलांग नगरपालिका बोर्ड के नियंत्रण -शेष पृष्ठ दो पर

रक्षामंत्री ने रक्षा और सुरक्षा दृष्टिकोण को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए सेना की सराहना की

नई दिल्ली (हि.स.)। मानेकशा सेंटर में चल रहे सेना कमांडरों के सम्मेलन में तीसरे दिन बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मौजूदा सुरक्षा परिदृश्यों, सीमाओं पर स्थिति और वर्तमान सुरक्षा तंत्र के सामने आने वाली चुनौतियों के कई पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। भारतीय सेना के शीर्ष नेतृत्व ने मौजूदा सुरक्षा परिदृश्यों, सीमाओं और भीतरी इलाकों की स्थिति और चुनौतियों के सभी पहलुओं पर व्यापक विचार-विमर्श किया। सेना और वायु सेना प्रमुखों ने हथियारों के स्वदेशीकरण और भविष्य के युद्धों में तीनों सेनाओं के बीच बेहतर एकीकरण की जरूरत पर जोर दिया। नई दिल्ली में 16 अक्तूबर को सेना कमांडरों का सम्मेलन हाइब्रिड प्रारूप में शुरू हुआ। दूसरे दिन सेना के कमांडरों ने मौजूदा सुरक्षा परिदृश्यों, सीमाओं पर स्थिति और वर्तमान सुरक्षा तंत्र के सामने आने वाली चुनौतियों के कई पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। इस दौरान भारतीय सेना के शीर्ष नेतृत्व ने मौजूदा सुरक्षा परिदृश्यों, सीमाओं और भीतरी इलाकों की स्थिति और चुनौतियों के सभी पहलुओं पर व्यापक विचार-विमर्श किया। वर्तमान सुरक्षा तंत्र के अलावा सम्मेलन में संगठनात्मक पुनर्गठन, रसद, प्रशासन और मानव संसाधन -शेष पृष्ठ दो पर

पुष्पा की तर्ज पर अवैध शराब की तस्करी

बेगलुरु। कर्नाटक के बेलगावी में अवैध शराब तस्करी के एक हाईटेक नेटवर्क का भंडाफोड़ किया गया है। आबकारी विभाग की कार्रवाई में यहां भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त की गई है। पूरा ऑपरेशन आबकारी विभाग के अतिरिक्त आयुक्त डॉ. मंजूनाथ के नेतृत्व में चलाया गया। विभाग के अधिकारियों ने बताया है कि बेलगावी स्थित उत्पाद शुल्क विभाग के कार्यालय में जब ट्रांसफार्मर खोला गया तो लोग चकित रह गए। इस तरह भी तस्करी की जा सकती है, किसी ने कभी सोचा भी नहीं था। बेलगावी आबकारी विभाग का कहना -शेष पृष्ठ दो पर

सूरत : चार दिन के शिशु के अंगदान से छह बच्चों को नवजीवन

सूरत (हि.स.)। सूरत में सबसे कम उम्र के शिशु का अंगदान कराया गया है। महज साढ़े 4 दिन का शिशु दुनिया में आने के महज 111 घंटे में ही ब्रेन डेड घोषित हो गया। इसके बाद दुनिया छोड़कर जाते-जाते वह 6 लोगों को नवजीवन देकर सबसे बड़ा दाता बन गया है। जानकारी के अनुसार सूरत के वालक पाटिया के समीप गीतांजलि रॉ हाउस में रहने वाले और मूल अमरेली जिले के मालिया निवासी हर्षभाई और -शेष पृष्ठ दो पर

बाइडेन के तेल अवीव पहुंचते ही मुस्लिम देशों में मचा हड़कंप

तेल अबीब। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने तेल अवीव का दौरा किया। उन्होंने सीधे-सीधे ये बता भी दिया कि वो इजरायल के समर्थन में कोई कोर कसर नहीं छोड़ने वाले हैं। अमेरिका के इस कदम के बाद मुस्लिम देशों में भी हरकत देखने को मिली है। सऊदी अरब के जेद्दा शहर में ओआईसी की एक इमरजेंसी बैठक बुलाई गई। ओआईसी देशों से ईरान ने इजरायल पर तेल प्रतिबंध लगाने की मांग की है। सऊदी अरब में मुस्लिम देशों के संगठन ओआईसी ने बैठक बुलाई है। जिसमें ईरान ने ओआईसी से इराजयली राजदूतों को हटाने की भी मांग की -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

फ्रांस को धमकी पर छह एयारपोर्ट खाली करवाए गए

पेरिस। फ्रांस में बम धमाकों की धमकी मिलने के बाद खलबली मच गई और आनन-फानन में देश के 6 मुख्य एयरपोर्ट खाली करवा लिए गए। पुलिस ने बताया कि फ्रांस के ल्योन, टूलूज और लिली शहरों में सुरक्षा कारणों से बुधवार को 6 हवाई अड्डों को खाली करा लिया गया। इन हवाई अड्डों पर हमलों की ईमेल के जरिये सूचना मिली थी। -शेष पृष्ठ दो पर

गाजा के अस्पताल पर हमला, सैकड़ों लोगों की मौत

यरुशलम/तेल अवीव/वाशिंगटन (हि.स.)। फिलिस्तीन के कुख्यात आतंकवादी संगठन हमास के इस महीने की सात तारीख को इजरायल पर किए गए बर्बर आक्रमण के बाद छिड़ी जंग से मध्य पूर्व में तनाव बढ़ गया है। गाजा के अल-अहली अरब अस्पताल पर मंगलवार रात हुए हमले से सारी दुनिया सकते में है। इस हमले में सैकड़ों निर्दोष लोगों की जान गई है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख ने इसकी कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि यह अस्वीकार्य है। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन इजरायल के लिए रवाना हो चुके हैं। इजरायल और हमास के बीच छिड़े इस युद्ध में अब तक 4300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार गाजा के अस्पताल पर हमले के बाद समूचे मध्य पूर्व में तनाव बढ़ गया है। इस हमले ने इजरायल को अपनी रक्षा के अधिकार के लिए समर्थन जुटाने के अमेरिका के राजनयिक प्रयास को पटरी से उतार दिया है। जॉर्डन के अम्मान में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ अरब नेताओं के शिखर सम्मेलन को रद्द कर दिया गया है। जॉर्डन के विदेशमंत्री अयमान सफादी ने यह घोषणा की है। बावजूद इसके बाइडन इजरायल के प्रति समर्थन और एकजुटता जताने के लिए आज तेल अवीव पहुंच रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में -शेष पृष्ठ दो पर

भगवा झंडा लगी दुकानों पर ही जाएं भक्त : वीएचपी

बेंगलुरु। कर्नाटक के मंगलौर में मंगला देवी मंदिर परिसर में सभी हिंदू व्यापारियों की दुकानों में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के सदस्यों ने भगवा झंडे लगा दिए हैं। वीएचपी के दक्षिण कन्नड़ जिला अध्यक्ष एच के पुरुषोत्तम दत्तनगर का कहना है कि त्योहारों के मौके पर जिले के सभी मंदिरों को केवल हिंदू व्यापारियों को ही व्यापार करने की इजाजत देना चाहिए। ए एचके पुरुषोत्तम ने कहा कि इन दिनों त्योहारों का मौसम चल रहा है। ऐसे में मंगला देवी मंदिर की प्रबंधन समिति को धन्यवाद देते हैं, जिन्होंने त्योहार के दौरान हिंदू व्यापारियों को व्यापार करने का अवसर प्रदान किया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा गैर हिंदू लोगों को स्टॉल सौंपना -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांञ्चल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

यही दुनिया है! यदि तुम किसी का उपकार करो, तो लोग उसे कोई महत्व नहीं देंगे, किंतु ज्यों ही तुम उस कार्य को बंद कर दो, वे तुरंत (ईश्वर न करे) तुम्हें बदमाश प्रमाणित करने में नहीं हिचकिचाएंगे।

- स्वामी विवेकानंद

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

पीएम मोदी ने अल अहली अस्पताल पर हमले को बताया दुखद

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने गाजा के अल अहली अस्पताल पर हुए हमले को लेकर शोक व्यक्त किया है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया कि गाजा के अल अहली अस्पताल में लोगों के मारे जाने की दुखद घटना से गहरा सदमा लगा। पीड़ितों के परिवारों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदना है, हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करते हैं। पीएम मोदी ने आगे लिखा इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष में भारी संख्या में आम लोगों की मौत चिंता का विषय है। इसमें शामिल लोगों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। दरअसल, दोनों के देशों के बीच जारी जंग में अब तक हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। साथ ही बड़ी तादाद में लोग घायल हैं और उन्हें विस्थापित होना पड़ा है। इस बीच मंगलवार को गाजा के अल अहली अस्पताल पर हुए हवाई हमले ने विरोध के स्वर बुलंद कर दिए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति से लेकर संयुक्त राष्ट्र तक इस हमले की निंदा कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक अस्पताल पर हुए हमले में 500 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। इस घटना ने इजरायल की छवि को भी नुकसान पहुंचाया है। एक तरफ जहां फलस्तीन हमले के लिए इजरायल को दोषी ठहरा रहा है, वहीं इजरायल ने दावा किया है कि यह हमला फलस्तीन में संचालित आतंकि संगठन इसलामिक जिहाद द्वारा किया गया है।

भाजपा अध्यक्ष कलिता ने राज्यवासियों को दी काति बिहू की शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) असम प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता ने असम के लोगों को काति बिहू की हार्दिक शुभकामनाएं दीं हैं। भवेश कलिता ने एक बयान में कहा कि असम के समाज को प्रिय काति बिहू के आकाश की रोशनी से जगमगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि, मैं आप सभी को काति बिहू की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। कलिता ने कहा है कि इस तथ्य को ध्यान में रखना जरूरी है कि देश की अर्थव्यवस्था तेजी से विकास कर रही है। काति बिहू सभी अमंगल का नाश कर जीवन में खुशहाली लाएगा।

केंद्रीय कर्मियों व पेंशनभोगियों के डीए, डीआर में वृद्धि

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनभोगियों के महंगाई राहत (डीआर) में एक जुलाई से चार प्रतिशत का इजाफा किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को डीए और डीआर की अतिरिक्त किस्त जारी किए जाने को मंजूरी दी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पत्रकारों को मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इससे केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को मूल वेतन या पेंशन पर मिलने वाला महंगाई भत्ता या महंगाई राहत 42 प्रतिशत से बढ़कर 46 प्रतिशत हो गई है। यह बढ़ोतरी 7वें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर स्वीकृत फॉर्मूले के अनुरूप है। महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में इजाफे से सरकारी खजाने पर प्रतिवर्ष 12,857 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। इससे करीब 48.67 लाख कर्मचारियों और 67.95 लाख पेंशनभोगियों को फायदा होगा। उधर केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों का मंहगाई भत्ता और महंगाई राहत 4 प्रतिशत बढ़ाने का फैसला किया है। इसके अलावा रेलवे के अराजपत्रित कर्मचारियों को 78 दिनों का बोनस मिलेगा। मंत्रिमंडल ने आज रबी सीजन की छह फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में भी वृद्धि की है। तिलहन, सरसों पर 200 रुपए, गेंहू पर 150 रुपए और चने पर 105 रुपए की वृद्धि की गई है। केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों की केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने जानकारी दी।

गुवाहाटी के जू-रोड पर बनकर तैयार श्रद्धांजलि फ्लाईओवर

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के जू-रोड पर निर्धारित समय से 11 महीने पहले श्रद्धांजलि फ्लाईओवर बनकर तैयार हो चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए बुधवार को बताया कि कुल 316 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित यह फ्लाईओवर गुवाहाटी में यातायात प्रवाह को बढ़ाएगा। सोशल मीडिया के जरिए राज्य के शहरी विकास आदि मामलों के मंत्री अशोक सिंघल ने बताया कि महापंचमी के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा गुवाहाटी में जू-रोड पर नवनिर्मित श्रद्धांजलि फ्लाईओवर का उद्घाटन करेंगे। गुवाहाटी के दूसरे सबसे लंबे 2.3 किलोमीटर के इस फ्लाईओवर के उद्घाटन के लिए इसे दुल्हन की तरह सजा दिया गया है। फ्लाईओवर के ऊपर तथा नीचे विभिन्न प्रकार की लाइटें लगा दी गई हैं। फ्लाईओवर के दोनों तरफ ऊपर और फ्लाईओवर के नीचे खंभों, रेलिंग आदि पर विभिन्न प्रकार के पेंटिंग किए गए हैं, जिससे यह फ्लाईओवर काफी आकर्षक दिख रहा है।

लंबे अंतराल के बाद मणिपुर कैबिनेट की बैठक आयोजित

इंफाल (हिंस)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने उखरुल मिनी सचिवालय के कांफ्रेंस हॉल में आज कैबिनेट बैठक में भाग लिया। कुकी ज़ो समुदाय के दो मंत्रियों को छोड़कर सभी मंत्री बैठक में मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि राज्य में चल रही हिंसा के दौरान पहाड़ी जिले में यह पहली कैबिनेट बैठक आयोजित हुई। आज की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

एक हजार याबा टैबलेट के साथ गाड़ी जब्त

हैलाकांदी (हिंस)। हैलाकांदी थाना के ओसी ने बंदुकमारा चौकी के आईसी और कर्मचारियों के साथ मिलकर सूत्रों की सूचना के आधार पर रंगौटी में एक अभियान चलाया। अभियान के दौरान, एक वाहन (एएस-11टी-1123) की तलाशी ली गई। वाहन मादक पदार्थ तस्कर हफीजुर रहमान लश्कर के घर में खड़ी थी।

सिलचर व अगरतला तक बढ़ेंगी दो ट्रेनें और दो नई ट्रेनें भी होंगी शुरू

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर राज्यों की रेल कनेक्टिविटी में बढ़ोतरी के लिए दो ट्रेन सेवाओं को सिलचर और अगरतला तक बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा दो नई ट्रेन सेवाएं भी शुरू की जाएंगी। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची दे ने बुधवार को बताया है कि असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा त्रिपुरा के मुख्यमंत्री प्रो. (डॉ.) माणिक साहा अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ क्रमशः गुवाहाटी और अगरतला रेलवे स्टेशनों पर उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम में रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव भी ऑनलाइन जुड़ेंगे। स्थानीय सांसद/विधायक और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी सिलचर और दुल्लभछोड़ा में उपस्थित रहेंगे। दे ने बताया है कि 19 अक्तूबर को ट्रेन संख्या 15617/15618 गुवाहाटी- दुल्लभछोड़ा- गुवाहाटी त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस को गुवाहाटी से और सिलचर तक ट्रेन संख्या 12514/12513 गुवाहाटी- सिकंदराबाद- गुवाहाटी की विस्तारित सेवा को सिलचर से हरी झंडी दिखाई जाएगी। इसी दिन ट्रेन संख्या 07688/07687 अगरतला- सबरूम- अगरतला डेमू और अगरतला तक ट्रेन संख्या 12520/12519 कामाख्या- लोकमान्य तिलक (टी)- कामाख्या की विस्तारित सेवा को अगरतला से हरी झंडी दिखाई जाएगी। उन्होंने बताया कि 21 अक्तूबर से ट्रेन संख्या 12513/12514 एक्सप्रेस की विस्तारित सेवा सिकंदराबाद से शनिवार, 16:35 बजे अपनी नियमित यात्रा शुरू करेगी और सोमवार को सिलचर 23:20 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में यह ट्रेन बुधवार को सिलचर से 19:50 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को सिकंदराबाद 03:35 बजे पहुंचेगी। 22 अक्तूबर से ट्रेन संख्या 12519/12520 एक्सप्रेस की विस्तारित सेवा लोकमान्य तिलक (टी) से रविवार, 07:50 बजे अपनी नियमित यात्रा शुरू करेगी और मंगलवार को अगरतला 17:50 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में यह ट्रेन गुरुवार को अगरतला से 07:20 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को लोकमान्य तिलक (टी) 16:15 बजे पहुंचेगी। 20 अक्तूबर से ट्रेन संख्या 07688/07687 दैनिक डेमू स्पेशल की शुरू होने वाली नियमित सेवा अगरतला से 13.40 बजे प्रस्थान कर सबरूम 15:55 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में यह ट्रेन सबरूम से 16:20 बजे प्रस्थान कर अगरतला 18:50 बजे पहुंचेगी। 21 अक्तूबर से शुरू होने वाली ट्रेन संख्या 15617/15618 एक्सप्रेस सप्ताह में तीन दिन- सोमवार, बुधवार और शनिवार को गुवाहाटी से 22:00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन दुल्लभछड़ा 09:45 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में यह ट्रेन मंगलवार, गुरुवार और रविवार को दुल्लभछड़ा से 11:10 बजे प्रस्थान कर उसी दिन गुवाहाटी 23:15 बजे पहुंचेगी। हालांकि, स्पेशल ट्रेन संख्या 02514 (सिलचर- गुवाहाटी) सिलचर से 15:50 बजे प्रस्थान कर अगले दिन गुवाहाटी 01:40 बजे पहुंचेगी; ट्रेन संख्या 02520 (अगरतला- गुवाहाटी) अगरतला से 15:50 बजे प्रस्थान कर अगले दिन गुवाहाटी 05:20 बजे पहुंचेगी; ट्रेन संख्या 07686 (अगरतला- सबरूम) डेमू अगरतला से 15:50 बजे प्रस्थान कर उसी दिन सबरूम 18:10 बजे पहुंचेगी और ट्रेन संख्या 05617 (गुवाहाटी-दुल्लभछोड़ा) गुवाहाटी से 15:50 बजे प्रस्थान कर अगले दिन दुल्लभछड़ा 03:00 बजे पहुंचेगी।

पृष्ठ एक का शेष

दुर्गा पूजा में ...

हालांकि, उन्होंने सटीक तौर पर यह नहीं बताया कि यह कौन सा दिन होगा। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही कुछ संगठनों ने दुर्गापूजा के दौरान राज्य में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी और ज्ञापन सौंपा था।

हाईकोर्ट के लिए 17...

जज जस्टिस नानी तागिया को पटना हाईकोर्ट, आंध प्रदेश हाईकोर्ट के जज जस्टिस सी मानवेंद्रनाथ राय को गुजरात हाईकोर्ट, तेलंगाना हाईकोर्ट के जज जस्टिस मुन्नुरी लक्ष्मण को राजस्थान हाईकोर्ट, तेलंगाना हाईकोर्ट के जज जस्टिस जी अनुपमा चक्रवर्ती को पटना हाईकोर्ट, कलकत्ता हाईकोर्ट के जज जस्टिस लापिता बनर्जी को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के जज जस्टिस दुपाला वेंकट रमना को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ट्रांसफर किया गया है।

बाल विवाह के ...

और 160 नागरिक समाज संगठनों के नेतृत्व में अभियान चलाया जा रहा है। असम सरकार द्वारा बाल विवाह के खिलाफ इस साल दो चरणों में कार्रवाई शुरू की गई। फरवरी में पहले चरण में 3483 लोगों को गिरफ्तार किया गया था और दूसरे चरण में अब तक 915 अन्य लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि इस साल जनवरी में सीएम हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में बाल विवाह के आरोपितों पर पाक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई का फैसला लिया गया था।

राहुल अनपढ़ बच्चा...

कहा कि क्या राजनाथ सिंह के बेटे, जो अभी यूपी में विधायक हैं, की तुलना (कांग्रेस महासचिव) प्रियंका गांधी से की जा सकती है? क्या वह भाजपा को नियंत्रित करते हैं? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को नए लोगों को मौका देना चाहिए और फिर वंशवाद की राजनीति पर बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल को राजनीति के बारे में कोई ज्ञान नहीं है और उन्हें इस बात का एहसास नहीं है कि वह वंशवाद की राजनीति के मूल में हैं। एक परिवार - मां, पिता, दादा, बहन, भाई - हर कोई राजनीति में है और पार्टी को नियंत्रित कर रहा है। लेकिन, वह भाजपा में उसका समानांतर कैसे देख सकते हैं? बेचारा अनपढ़ आदमी वह और क्या कह सकता था। उन्हें लगता था कि बीसीसीआई भाजपा की एक शाखा है। भाजपा के परिवारवाद के आरोप पर राहुल ने कहा था कि अमित शाह का बेटा वास्तव में क्या कर रहा है? राजनाथ सिंह का बेटा क्या करता है?...पिछली बार मैंने सुना, अमित शाह का बेटा भारतीय क्रिकेट चला रहा है। उन्होंने कहा कि उनमें से कई अनुराग ठाकुर जैसे बच्चे वंशवादी हैं। आपको बता दें कि मिजोरम में चुनाव होने हैं और राहुल गांधी राज्य के दौरे पर थे। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि दोनों पार्टियां जेडपीएम (जोरम पीपुल्स मूवमेंट) और एमएनएफ (मिजो नेशनल फ्रंट) भाजपा और आरएसएस के लिए राज्य (मिजोरम) में प्रवेश करने के साधन हैं। कांग्रेस पार्टी कभी भी (राज्य में) प्रवेश का साधन नहीं बन सकती क्योंकि हम वैचारिक रूप से पूरी तरह से भाजपा के खिलाफ हैं।

आतंकियों के साथ...

इसके अलावा उन्होंने कहा कि केंद्र की सरकार ने जो वादा लोगों के साथ किया, उसे हमेशा पूरा किया है। असम के सीएम ने आगे कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर निर्माण का वादा किया था राम मंदिर जनवरी माह में पूरी तरह से बनकर तैयार हो जाएगा। कांग्रेस की सरकार ने कभी भी राम मंदिर निर्माण को लेकर ध्यान नहीं दिया है। उल्टे बाबर, हुमायूं, औरंगजेब, अकबर को बढ़ावा दिया है। इस मौके पर भाजपा के कवर्धा विधानसभा प्रत्याशी विजय शर्मा व पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी भावना बोहरा ने संबोधित किया। कार्यक्रम के बाद दोनों प्रत्याशी समेत भाजपा के दिग्गज नेताओं ने रैली निकालकर कलेक्ट्रेट में नामांकन फार्म जमा किया। आमसभा में असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने भूपेश सरकार के खिलाफ जमकर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की भूपेश सरकार ने पूरे प्रदेश में शराब बंदी का वादा किया था। आज छत्तीसगढ़ में एक भी शराब दुकान को बंद नहीं किया गया है। यह सरकार शराब को और प्रमोट कर रहीं है। युवाओं को रोजगार न देकर उल्टे बेरोजगारी भत्ता बांट रही है, जबकि भाजपा की सरकार युवाओं को रोजगार देने की काम करती है। छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार ने केंद्र सरकार की योजनाओं को लोगों तक नहीं पहुंचाया है। केंद्र सरकार ने करीब 16 लाख पीएम आवास की स्वीकृति दी थी, जिसे राज्य सरकार ने रोक लगाकर रखा है। इसी प्रकार चावल की खरीदी केंद्र सरकार करती है, जिसे कांग्रेस की सरकार किसानों को गुमराह कर रही है। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने छत्तीसगढ़ व असम के बीच संबंध को लेकर कहा कि दोनों राज्य आपस में एक अच्छे दोस्त है। क्योंकि, असम के चाय बगान में छत्तीसगढ़ के लगभग 10 लाख श्रमिक काम करते है। असम में छत्तीसगढ़ के लोगों का पूरा ख्याल रखा जाता है। कवर्धा राजघराना की रानी का मायका असम ही है।

मेघालय में स्ट्रीट ...

क्षेत्रों के बाहर विक्रेताओं को एक वैध व्यापार लाइसेंस की आवश्यकता होगी। लिंगदोह ने कहा कि मेघालय स्ट्रीट वेंडर्स (आजीविका का संरक्षण और स्ट्रीट वेंडिंग का विनियमन) योजना 2023 कानून प्रवर्तन का उद्देश्य भीड़भाड़ कम करने जैसी महत्वपूर्ण चिंताओं के साथ स्ट्रीट वेंडर्स की आजीविका को सुनिश्चित करना है।

रक्षामंत्री ने रक्षा और ...

प्रबंधन से संबंधित मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। सम्मेलन के तीसरे दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय सेना के वरिष्ठ नेतृत्व को संबोधित किया। उन्होंने देश के सबसे भरोसेमंद संगठनों में से एक भारतीय सेना के प्रति पूरे देश का विश्वास दोहराया। उन्होंने हर जरूरत के समय नागरिक प्रशासन को सहायता देने के अलावा हमारी सीमाओं की रक्षा करने और आतंकवाद से लड़ने में सेना की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने सेना कमांडरों के सम्मेलन में उपस्थित होने पर खुशी जताते हुए *रक्षा और सुरक्षा* दृष्टिकोण को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए सेना नेतृत्व की सराहना की। रक्षा मंत्री ने कहा कि सेना के उच्च नेतृत्व का यह सम्मेलन न केवल सशस्त्र बलों के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए फायदेमंद है। रक्षा मंत्री ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में हो रहे हालिया संघर्षों पर चिंता जताते हुए कहा कि वर्तमान जटिल और अस्पष्ट विश्व स्थिति सभी को प्रभावित करती है। सशस्त्र बलों को रणनीति और योजना बनाते समय इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखना चाहिए। उत्तरी सीमाओं पर मौजूदा स्थिति पर टिप्पणी करते हुए रक्षा मंत्री ने किसी भी आकस्मिक स्थिति के लिए सेना पर पूरा भरोसा व्यक्त किया। पश्चिमी सीमाओं पर स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सीमा पार से छद्म युद्ध जारी है, लेकिन आतंकवाद के खिलाफ भारतीय सेना की प्रतिक्रिया को सराहा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्षा कूटनीति, स्वदेशीकरण, सूचना युद्ध, रक्षा बुनियादी ढांचे और बल आधुनिकीकरण से संबंधित मुद्दों पर हमेशा ऐसे मंच पर विचार किया जाना चाहिए। हमें किसी भी समय सामने आने वाली अनिश्चितताओं के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। हमें हमेशा अपने युद्ध कौशल और हथियार प्रौद्योगिकियों को मजबूत करना चाहिए, ताकि जरूरत पड़ने पर प्रभावी ढंग से कार्य किया जा सके। रक्षा मंत्री ने कहा कि *आत्मनिर्भरता* के माध्यम से प्रत्येक सैनिक के लिए हथियारों का आधुनिकीकरण सरकार का मुख्य फोकस है और सरकार पूरी तरह से सशस्त्र बलों के साथ है। जनरल मनोज पांडे ने नई दिल्ली में आर्मी कमांडर्स कांफ्रेंस के दौरान भारतीय सेना के आर्मी कमांडरों और वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाने पर जोर दिया और स्वदेशीकरण के माध्यम से क्षमता विकास, संयुक्त कौशल, एकीकरण और परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित किया। एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने भविष्य के युद्धों की गतिशीलता और युद्ध शक्ति के समन्वित अनुप्रयोग की आवश्यकता पर बात की। उन्होंने तीनों सेनाओं के बीच बेहतर एकीकरण की जरूरत पर भी बात की।

पुष्पा की तर्ज पर ...

है यहां *पुष्पा* फिल्म की तर्ज पर अवैध शराब तस्करी नेटवर्क चलाया जा रहा था। जानकारी के मुताबिक शराब से भरी लॉरी को गोवा से तेलंगाना ले जाया जा रहा था। बताया जा रहा है कि जब्त की गई शराब को तेलंगाना विधानसभा चुनाव में इस्तेमाल किया जाना था। बेलगावी तालुक में हिरेबगेवाड़ी टोल के पास इसे जब्त किया गया है। तेलंगाना में चुनाव प्रचार इन दिनों जोरों पर है। आबकारी विभाग के अधिकारियों को इस बाबत पहले से भनक थी। जब्त की गई शराब को ट्रांसफार्मर-टाइप कंटेनरों में ले जाया जा रहा था। जानकारी के मुताबिक लॉरी में रखे पावर ट्रांसफार्मर के दो बड़े बक्सों में करीब 10 लाख रुपए की शराब रखी गई थी। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने कार्रवाई करके जिस लॉरी ड्राइवर को गिरफ्तार किया है, उसका नाम श्रीराम परेड है, वह मुंबई का निवासी है। पूछताछ करने पर उसने बताया है कि बिजली ट्रांसफार्मर का इस्तेमाल करने के पीछे की खास वजह थी। उसका कहना है कि ट्रांसफार्मर देखकर किसी को शक नहीं होता और कोई चेक नहीं करता। चौंकाने वाली बात ये है कि पूरे मामले में हाईटेक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा था। तस्करी का मास्टरमाइंड तेलंगाना में बैठकर जीपीएस और ऐप के जरिए लॉरी को कंट्रोल कर रहा था। जैसे ही लॉरी को कब्जे में लिया गया, आरोपियों ने जीपीएस को ब्लॉक कर दिया। लेकिन आबकारी विभाग की कार्रवाई से बच नहीं सका।

सूरत : चार दिन ...

चेतनाबेन संघाणी के यहां 13 अक्तूबर को डॉ संजय पीपलवा के कलरव हॉस्पिटल में एक बालक का जन्म हुआ था। जन्म के बाद बालक में हलचल नहीं थी, वह रोया भी नहीं। जांच के बाद उसके विशेष इलाज के लिए डॉ. अतुल शेलडिया के केयर चिल्ड्रन हॉस्पिटल में दाखिल किया गया। यहां शिशु को वेंटिलेटर पर रखकर ठीक होने की राह देखी गई। विशेष इलाज कर रहे डॉ हिमांशु पानसुरिया (न्यूरो), डॉ रितेश शाह (न्यूरो), डॉ अतुल शेलडिया पीडियाट्रिशन ने बाद में शिशु को ब्रेनडेड घोषित कर दिया। बाद में पारिवारिक मित्र हितेष करकर ने डॉ. निलेश काछडिया से सम्पर्क होने के बाद शिशु के अंगदान के विषय में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद जीवनदीप ऑर्गन डोनेशन फाउंडेशन के पी एम गोंडलिया और विपुल तलाविया ने शिशु के पिता हर्षभाई और माता चेतनाबेन, चाचा व्रजभाई, दादा अतुलभाई, दादी रश्मीबेन सभी से विमर्श कर शिशु के अंगदान के महत्व को समझाया। बाद में सभी ने शिशु के अंगदान कर निर्णय किया। पीपी सवाणी हॉस्पिटल में शिशु का आईकेडीआरसी की मदद से दो किडनी, दोनों आंखें, तिल्ली और लीवर का दान किया गया। शिशु के सभी अंग छोटे बालकों में ट्रांसप्लांट किए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। दोनों किडनी और तिल्ली आईकेडीआरसी अहमदाबाद, लीवर दिल्ली आईएलडीएस हॉस्पिटल और आंख लोकदृष्टि चक्षुबैंक, सूरत को दिया गया है। जीवनदीप ऑर्गन डोनेशन के विपुल तलाविया ने बताया कि संघाणी परिवार और डॉक्टरों की मदद से बहुत बड़ा काम हुआ है। सरकारी विभाग भी इस काम में लगातार मददगार साबित हुआ है। अंगदान के क्षेत्र में लगातार इमानदारीपूर्वक प्रयास के कारण ही महज साढ़े 4 दिन के शिशु के अंगों का दान करवाना संभव हो पाया है।

बाइडेन के तेल अवीव ...

है। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का इजरायल के पूर्ण समर्थन वाला बयान आया। जिसके बाद अरब देशों में भी हलचल तेज हो गई। हालांकि इस बात का अंदाजा पहले से ही लगाया जा रहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की तरफ से इजरायल जाकर उसे सपोर्ट करते हैं और हमास पर अमेरिका आक्रमक नजर आता है। फिर इस तरह की चीजें होंगी। इससे पहले हमास के चीफ की तरफ से भी सारे इस्लामिक देशों से अपील की गई है कि आप एक साथ आए और इसकी निंदा करें। इजरायल के खिलाफ ईरान ने मोर्चा संभाला हुआ है। हालांकि ईरान के खुद के हालात बेहद अच्छे नहीं हैं। हिजाब को लेकर वहां बड़ा प्रदर्शन देखने को मिला था। देश की इकोनॉमी रसातल पर है। फिर भी उसकी तरफ से तीखे तेवर दिखाए जा रहे हैं। हालांकि ओआईसी में बाकी देशों का स्टैंड भी देखने वाला होगा। सऊदी और यूएई जैसे देश इसे इस्लाम बनाम बाकी की जंग नहीं बनाना चाहते। दिलचस्प बात ये है कि ओआईसी वो प्लेटफॉर्म है जिसकी बुनियाद ही फिलिस्तीन के मुद्दे पर है।

गाजा के अस्पताल...

कहा गया है कि गाजा के अल-अहली अरब अस्पताल पर हुए हमले के लिए हमास और इजरायल ने एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, मिस्र, जॉर्डन और तुर्किये ने भी इजरायल पर बमबारी करने का आरोप लगाया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस हमले के लिए हमास के बर्बर आतंकवादियों को कसूरवार ठहराया है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि अस्पताल में विस्फोट के फौरन बाद हमास ने इजरायली पर आरोप जड़ा। उसने इसके लिए इजरायल की सेना को जिम्मेदार ठहराया। इसके बाद इजरायल की सेना ने बयान जारी कर इन आरोपों का खंडन किया और कहा कि इस्लामिक जिहाद समूह के गलत रॉकेट लॉन्च के कारण विस्फोट हुआ। हमास नेता इस्माइल हनिया ने नाटकीय बयान में इस हमले के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया। हनिया ने कहा कि अस्पताल में हुआ नरसंहार दुश्मन की क्रूरता और उसकी हार के डर की पुष्टि करता है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर टर्क ने बयान में कहा कि उनके पास इस घटना के लिए शब्द नहीं है। अस्पताल पवित्र जगह है और उन्हें हर कीमत पर संरक्षित किया जाना चाहिए। हम अभी तक इस नरसंहार के पूरे फलक को नहीं जानते हैं, लेकिन यह स्पष्ट है कि हिंसा और हत्याएं तुरंत बंद होनी चाहिए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गाजा में हमास नियंत्रित स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुरू में कहा था कि कम से कम 500 लोग मारे गए। यह आंकड़ा बाद में संशोधित होकर 200 और 300 के बीच बताया गया। बताया गया है कि लेबनानी प्रदर्शनकारियों ने बेरूत में संयुक्त राष्ट्र भवन में तोड़फोड़ की है। भारतीय मूल की दो इजरायली महिला सैनिक शहीद: मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इस युद्ध में अब तक सेना के 286 जवान और 51 पुलिस अधिकारी मारे गए हैं। हमले में भारतीय मूल की दो इजरायली महिला सैनिक शहीद हुई हैं। इनके नाम 22 वर्षीय लेफ्टिनेंट ऑर मोसेस और बॉर्डर पुलिस इंस्पेक्टर किम डोकरकर है। दोनों महिला अधिकारियों की शहादत गाजा से आए हमास के आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ के दौरान हुई।

भगवा झंडा लगी...

सही नहीं था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थान पर हमारा अधिकार हैं जहां दूसरे समुदाय के लोगों के लिए रथ बीड़ी पर व्यवसाय करने का कोई प्रावधान नहीं है। उधर शुक्रवार को दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिला उत्सव व्यापारी समन्वय समिति ने मुस्लिम व्यापारियों के समर्थन में विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान उत्सव व्यापारी समन्वय समिति ने मुस्लिम व्यापारियों के लिए स्टॉल की मांग की थी। जिसके बाद कुछ मुस्लिम व्यापारियों को स्टॉल के लिए जगह की नीलामी में भाग लेने की इजाजत मिली थी। प्रशासन के इस फैसले पर एच के पुरुषोत्तम ने सवाल उठाते हुए कहा कि हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्त अधिनियम 1997 के तहत गैर-हिंदुओं को रथ बीड़ी पर व्यापार करने की अनुमति देने का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी हिंदू व्यापारी केवल त्योहारों के दौरान होने वाले व्यापार पर ही निर्भर हैं जो उनकी आजीविका का मुख्य साधन है। ऐसे में सभी भक्तों को उन्हीं दुकानों पर जाना चाहिए जिन पर भगवा झंडे लगे हैं। डीवाईएफआई ने विश्व हिंदू परिषद के इस कदम की निंदा की है। डीवाईएफआई का कहना है कि विश्व हिंदू परिषद गरीब हिंदू और मुस्लिम व्यापारियों के बीच दरार पैदा कर रही है। डीवाईएफआई के जिला अध्यक्ष बीके इम्तियाज ने जिला प्रशासन से मंगला देवी मंदिर के साथ ही अन्य मंदिरों में सभी व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

फ्रांस को धमकी ...

पुलिस ने बताया कि हालांकि यह सूचना फर्जी पाई गई और जनता को याद दिलाया गया कि झूठी सूचना देने पर जेल और भारी जुर्माना हो सकता है। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने कहा कि लावारिस सामान मिलने के कारण नीस के रिवेरा शहर में हवाई अड्डे पर परिचालन कुछ देर के लिए बाधित हो गया। पुलिस ने बताया कि ऐसी ही सूचना मिलने पर लौवरे संग्रहालय और वर्साय पैलेस को शनिवार को खाली करा लिया गया था और शाही महल को मंगलवार को फिर से खाली कराया गया था। पिछले सप्ताह एरास में एक संदिग्ध इस्लामिक चरमपंथी द्वारा एक स्कूली अध्यापक पर हमला किए जाने के बाद देश में सरकार ने सतर्कता बढ़ा दी है।

मिजोरम : भाजपा की ...

शामिल हुए हैं। इनमें एक विधानसभा अध्यक्ष भी हैं। मिजोरम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वनलालहामुका ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि भाजपा ने चुनाव पूर्व कोई गठबंधन नहीं किया है। चुनाव परिणाम आने के बाद केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार गठबंधन को लेकर निर्णय लिया जायेगा।

राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए कई अहम निर्णय

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल ने आज राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। राज्य मंत्रिमंडल ने अरुणाचल प्रदेश राज्य औद्योगिक और निवेश नीति 2020 में संशोधन को मंजूरी दे दी। संशोधन नीति में अरुणाचल प्रदेश को निवेश के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाना, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे द्वारा संचालित, नवीनतम तकनीक का कौशल प्रदान करना और उत्पादन के लिए अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करना शामिल है। इस नीति में बड़े पैमाने के उद्योगों के लिए संशोधित बिजली सब्सिडी के रूप में विशेष प्रोत्साहन भी शामिल है और राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और बड़ी संख्या में रोजगार पैदा करने के अवसर प्रदान करने के लिए निवेशकों को आकर्षित किया गया है। मंत्रिमंडल ने जनरल ड्यूटी मेडिकल अधिकारियों और विशेषज्ञों के स्थानांतरण और पोस्टिंग नीति को मंजूरी दी। मंत्रिमंडल ने अरुणाचल प्रदेश होम गार्ड नियम 2023 तैयार करने को मंजूरी दी। अरुणाचल प्रदेश के लोगों की प्रशासनिक सुविधा के लिए जिला प्रशासन को मजबूत करते हुए, मंत्रिपरिषद ने अरुणाचल प्रदेश में विभिन्न प्रशासनिक इकाइयों के लिए 414 आकस्मिक पदों के निर्माण को मंजूरी दी। साथ ही अरुणाचल प्रदेश में विभिन्न प्रशासनिक केंद्रों के लिए 293 समूह *सी* और *एमटीएस* पदों के सृजन और विभिन्न प्रशासनिक केंद्रों के लिए 60 पदों के सृजन को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने राज्य में ठोस अपशिष्ट के समुचित प्रबंधन के लिए तीन महत्वपूर्ण उपनियमों को मंजूरी दी। अरुणाचल प्रदेश रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) नियम 2020 को कैबिनेट से सकारात्मक मंजूरी मिल गई। कैबिनेट ने ग्रामीण और शहरी जल आपूर्ति प्रणाली के लिए संचालन और रखरखाव नीति को भी मंजूरी दे दी, जिसका उद्देश्य राज्य भर में जल आपूर्ति प्रणाली का स्थायी प्रबंधन सुनिश्चित करना है।

मणिपुर में अलग-अलग अभियानों में भारी मात्रा में अवैध हथियार जब्त

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में अवैध हथियारों के खिलाफ सुरक्षाबलों का अभियान जारी है। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के पूर्वी इंफाल, काकचिंग, बिष्णुपुर, चुराचांदपुर, थौबल और पश्चिम इंफाल जिलों के विभिन्न इलाकों में छापेमारी की और बड़ी संख्या में हथियार जब्त किए। अभियान के दौरान पूर्वी इंफाल जिले से 1 असॉल्ट राइफल, 3 एसएमजी कार्बाइन, 1 स्टेन गन, 2 नाइन एमएम पिस्टल, 62 एक्टिव गोलियां, 18 विस्फोटक, 1 कंत्री निर्मित बम लांचर, 2 वारलेस सेट, 2 ट्यूब लांचर, 1 ट्रक लांचर सहित कुल 8 हथियार जब्त किए गए। इसी तरह चुराचांदपुर जिले में छापेमारी में सुरक्षाबलों ने मैगजीन समेत दो नौ एमएम पिस्टल, स्थानीय रूप से बनी 1 सिंगल बैरल, 12 एमएम बोर की गोलियां, भारी कैलिबर मशीन गन की 21 सक्रिय गोलियां, 1 भारी मोर्टार, देश में बना 1 इम्प्रोवाइज्ड बम और 1 रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड जब्त किया। मणिपुर पुलिस के अनुसार, पांच जिलों में कुल 750 घरों पर छापे मारे गए, जबकि 16 सौ व्यक्तियों का सत्यापन किया गया।

सरूपेटा में व्यापारी का शव बरामद

बजाली (हिंस)। बजाली के सरूपेटा में व्यापारी का शव घायल अवस्था में बरामदगी को लेकर सनसनी फैल गई है। पुलिस ने आज बताया कि परिजनों ने मृतक की हत्या की आशंका जताई है। मृतक की पहचान दिनेश बानिक्य के रूप में की गई है। बानिक्य का शव सोमवार की रात में सरूपेटा के बटुआ में घायल अवस्था में मिला था। सूचना मिलने पर परिजन आनन-फानन में युवक को अस्पताल ले गए। लेकिन, डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। व्यक्ति के सिर के साथ-साथ शरीर के कई हिस्सों पर हथियार के चोट के स्पष्ट चिह्न थे। पुलिस ने मौके से उसकी बाइक बरामद कर ली है। बाइक के लिए हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटना के संबंध में बटुआ के रफीकुल अली को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। घटना की जांच की जा रही है।

सम्मेलन की महिला शाखा ने कामाख्याधाम में किया कन्या पूजन

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा ने नवरात्रा के उपलक्ष्य में कामाख्या धाम मंदिर में कन्या पूजन कर समाज के लिए सुख और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजिका बबीता सरावगी, निकिता सांखला और सीमा सोनी ने संयुक्त रूप से बताया कि हमारी शाखा मातृ शक्ति सदस्योंओ की शाखा है। नवरात्र में कन्या पूजन का विशेष महत्व रहता है अत: हमने कन्या पूजन कर मां कामाख्या से समाज में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की है। इस अवसर पर कन्याओं को मिष्ठान भोजन करवा कर उन्हें उपहार स्वरूप टिफिन बॉक्स,फल और अन्य सामग्री प्रदान की। इस कार्यक्रम में सम्मेलन महिला शाखा की उपाध्यक्ष मंजूलता शर्मा, सहसचिव शोभना लड्ढा, जनसंपर्क सचिव संतोष काबरा के अलावा रश्मि जैन, संतोष धानुका, वृंदा गग्गड, संगीता बैद, और सुनीता अग्रवाल उपस्थित थी।

मालीगांव के पद्मावती माता मंदिर में नवरात्रा का आयोजन

गुवाहाटी। मालीगांव स्थित श्री पद्मावती माता मंदिर में नवरात्रा पूजन का आयोजन विभिन्न कार्यक्रमों के साथ किया जा रहा है। इस अवसर पर श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय(मालीगावं) मे पद्मावती माता का भव्य दरबार बैठाया गया। जिसमें फूलों से अलौकिक सिंगार किया गया है। इस मौके पर पंडित नरेंद्र कुमार शास्त्री के सानिध्य में रोजाना जिनेंद्र भगवान की पूजन के पश्चात माता का अभिषेक, विधान, शांतिधारा, जाप, माता का सिंगार आदि के पश्चात माता की गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आज(बुधवार)को माता की गोद भराई करने का सौभाग्य सुरेंद्र कुमार- सुनीता देवी सेठी परिवार को प्राप्त हुआ। इससे पूर्व कार्यक्रम के प्रथम दिन माता की गोद भराई करने का सौभाग्य चैनरूप-शारदा देवी बगड़ा परिवार को प्राप्त हुआ। इस मौके पर स्थानीय महिला गायक कलाकारों ने अपने-अपने भजनों से उपस्थित श्रद्धालुओ को भाव- विभोर कर दिया। कार्यक्रम में चैनरूप बगड़ा, शारदा बगड़ा, आकाश बगड़ा, सोनाक्षी बगड़ा, रेखा जैन, नीलम

सबलावत, कनक जैन, सरिता जैन, सुनील कुमार सेठी, देवेंद्र बाकलीवाल, भरत बड़जात्या, मनोज जैन, धर्मेंद्र जैन, किशोर जैन, महेश जैन, विनीत जैन, कविता जैन (नलबाड़ी) ममता जैन(डिमापुर) सुशील जैन, सरिता जैन, पूजा जैन(कोलकाता)आदि लोगों के अलावा काफी संख्या में श्रद्धालू उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन माता की महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। यह जानकारी मंदिर के प्रमुख चैनरूप आकाश कुमार बगड़ा द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी गई है। ।

मैं भारत हूं फाउंडेशन की गुवाहाटी में सभा आयोजित

गुवाहाटी। मैं भारत हूं फाउंडेशन की एक सभा गुवाहाटी में मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के सभागार में फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार जैन (मुंबई) की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें कैलाश काबरा को पूर्वोत्तर का प्रभारी नियुक्त कर दायित्व सौंपा गया। सभा में रमेश चांडक ने सभा के उद्देश्य व्याख्या करते हुए मैं भारत हूं फाउंडेशन का परिचय दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय जैन ने बताया कि मैं भारत हूं फाउंडेशन की स्थापना आज से 3 साल पहले मुंबई में की गई थी। जिसका मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति की ओर लोगों को अग्रसर करना एवं भारत को केवल भारत ही बोला जाए इंडिया नहीं इस बात का अधिक से अधिक प्रचार करना। श्री जैन ने कहा कि विश्व के 193 देशो के साथ भारत का नाम विश्व मानचित्र में इंडिया लिखा हुआ है। फाउंडेशन कि यह कोशिश है कि विश्व मानचित्र मे इंडिया की जगह भारत लिखा हुआ हो। हम रोज भारत माता की जय बोलते हैं ना कि इंडिया माता की जय। अब विश्व पटल पर

भारत को सम्मान दिलाना हमारा कर्तव्य बन जाता है। मैं भारत हूं फाउंडेशन पूर्वोत्तर के सभी राज्य असम, मणिपुर, नगालैंड, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा, अरुणाचल के अलावा सिक्किम में भारत को केवल भारत ही बोला जाए इस अभियान का प्रचार प्रसार हर शहर गांव में हो और हर जगह इसकी समितियां बने ओर युवाओं को प्रेरित किया जाए कि जब किसी इंसान के नाम दो नहीं होते तो हमारे देश को दो नाम से क्यों पुकारा जाता है। हिंदुस्तान नाम हमारे संविधान में भी नहीं है। संविधान में भारत नाम का ही उल्लेख है। हिंदुस्तान नाम मुगलों का दिया हुआ नाम है। फाउंडेशन की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा ने कहा कि हमारा मुद्दा एक देश एक नाम है। मैं भारत हूं फाउंडेशन ने तो एक चिंगारी लगाई हैं। इसे मशाल बनाना आप सभी के हाथों में है। बिना मशाल के जन जागरण नहीं हो सकता। सभा में पूर्वोत्तर के प्रभारी कैलाश काबरा ने कहा कि एक देश का नाम एक ही होता है दो नहीं। इसी संदर्भ में भारत को केवल भारत ही बोला जाना चाहिए। इस विषय को लेकर पूर्वोत्तर में भी जन जागरण अभियान गांव-गांव, शहर में चलाया जाएगा। सभा में लिये गये निर्णय के अनुसार पूर्वोत्तर का हर शहर में, नगर में सदस्यों का चयन हो। हर महीने भारत मां के प्रचार प्रसार के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता रहना चाहिए। हमें आपस में मिलते समय अभिवादन के रूप में जय भारत शब्द का उच्चारण करना चाहिए यहां तक की मोबाइल फोन में हेलो की जगह जय भारत का उच्चारण हो। आज की सभा में विनोद लोहिया, संपत मिश्र, अशोक अग्रवाल, सरला काबरा, सीता झंवर, पुष्पा सोनी, मीना पोद्दार, सुशील सराफ, संतोष बैद, मोतीलाल जैन के अलावा अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय ग्रामीण महिला दिवस पर 18000 महिलाओं के सशक्तिकरण का जश्न मनाया गया

गुवाहाटी। सीमेंट और चीनी में कारोबार करने वाला भारत का अग्रणी समूह, डालमिया भारत समूह ने अंतर्राष्ट्रीय ग्रामीण महिला दिवस पर 18000 महिलाओं के सफल सशक्तिकरण की घोषणा की। स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की स्थापना के माध्यम से, इन महिलाओं को आवश्यक कौशल प्रशिक्षण और सतत आजीविका विकास के लिए महत्वपूर्ण संसाधनों तक पहुंच प्रदान की जाती है। एनआरएलएम, नाबार्ड आदि जैसे विभिन्न संगठनों के सहयोग से डालमिया भारत कृषि और गैर-कृषि दोनों क्षेत्रों में सूक्ष्म-उद्यम विकास, हस्तशिल्प उत्पादन और अन्य जैसे विभिन्न प्रशिक्षण पहलों का आयोजन करता है। ये सभी गतिविधियां भारत के 12 राज्यों में उनके संचालन के क्षेत्रों के आसपास बसे समुदायों में आयोजित की जाती हैं। इन पहलों का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने, उनके आय स्रोतों में विविधता लाने और औपचारिक

ऋण प्रणालियों तक पहुंच प्रदान करने के लिए उन्हें आगे बढ़ाना है। असम और मेघालय राज्यों में, डालमिया भारत पशुधन पालन, मशरूम की खेती, कृषि-पोषक उद्यान, सिलाई, सौंदर्य सेवाओं और कई अन्य में कौशल विकास और उद्यम प्रशिक्षण आयोजित करता है। उन्होंने क्षेत्र की 1200 से अधिक महिलाओं को 4000 रुपये से 10000 रुपये तक की मासिक आय अर्जित करके आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनने में सक्षम बनाया है, जिससे उनकी व्यक्तिगत भलाई और उनके परिवारों का समर्थन करने की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय ग्रामीण महिला दिवस पर कंपनी की पहल पर टिप्पणी करते हुए डालमिया भारत फाउंडेशन के सीईओ श्री अशोक कुमार गुप्ता ने कहा कि विकासशील देशों में ग्रामीण महिलाएं खाद्य सुरक्षा और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, लेकिन उन्हें गंभीर हाशिए का सामना करना पड़ता है, जिसमें सीमित भूमि स्वामित्व, उच्च निरक्षरता दर और पुरुषों की तुलना में असमान कमाई शामिल है। डालमिया भारत समग्र कार्यक्रमों के माध्यम से हाशिए पर ग्रामीण महिलाओं के उत्थान के लिए समर्पित है जो घरेलू जिम्मेदारियों का प्रबंधन करते हुए उनकी आय को बढ़ाते हैं। हमारी प्रतिबद्धता संयुक्त राष्ट्र के सतत लक्ष्यों के साथ अनुरूप है, एक समावेशी और टिकाऊ भारत के लिए आत्मनिर्भरता और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना, जहां सशक्त महिलाएं समुदाय और राष्ट्रीय विकास को संचालित करती हैं। क्षेत्र में प्रमुख पहलों में से एक डालमिया भारत नाबार्ड के सहयोग से सूक्ष्म उद्यम विकास के लिए बकरी पालन कौशल के साथ एसएचजी महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। इसके अतिरिक्त, उषा इंटरनेशनल के साथ साझेदारी में सिलाई स्कूल; कार्यक्रम सिलाई के माध्यम से आय सृजन को प्रोत्साहित करके असम और मेघालय में महिलाओं का समर्थन करता है। एग्री न्यूट्री गार्डन; कार्यशाला के साथ पोषण, स्वास्थ्य और उद्यमिता विकल्पों में प्रशिक्षण महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण में छोटे पैमाने पर व्यवसाय स्थापित करने, स्थानीय रूप से उपलब्ध उपज से अचार, जैम, जेली और स्क्वैश जैसे उत्पाद बनाने के ज्ञान से लैस करता है। 15 अक्तूबर को प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला राष्ट्रीय ग्रामीण महिला दिवस, कृषि, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण विकास में ग्रामीण महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका का जश्न मनाता है। यह उन्हें सशक्त बनाने, असमानताओं को दूर करने और लैंगिक समानता और सतत विकास के लिए वैश्विक लक्ष्यों के साथ संरेखित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

भ्रष्टाचार के आरोप में निलंबित बीडीओ मंजूश्री घोष

बंगाईगांव (हिंस)। भ्रष्टाचार के आरोप में एक खंड विकास अधिकारी मंजूश्री घोष को निलंबित कर दिया गया है। वह बंगाईगांव में माणिकपुर के खंड विकास अधिकारी के रूप में कार्यरत थीं। उन पर प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास आवंटन में हेराफेरी करने का आरोप है। मकानों के आवंटन में भ्रष्टाचार करने के आरोप की जांच के दौरान मानिकपुर ग्राम पंचायत में अनियमितताएं पाई गईं। यह कार्रवाई एक स्थानीय युवक की शिकायत के आधार पर की गई।

सोनाराम फील्ड में रोटरी स्मार्ट सिटी का डांडिया आज से

गरबा उत्सव में कई बॉलीवुड सितारे करेंगे शिरकत

गुवाहाटी (विभास)। नवरात्र के मौके पर महानगरवासियों को गुजरात के पारंपरिक गरबा व बॉलीवुड गीतों पर थिरकाने के लिए 6 दिवसीय गरबा उत्सव का भव्य आयोजन बृहस्पतिवार से किया जा रहा है। कार्यक्रम के अध्यक्ष विनय डीडवानिया ने बताया कि बृहस्पतिवार को नवरात्र डांडिया रास कार्यक्रम का उद्घाटन रोटरी क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर निलेश अग्रवाल विधिवत करेंगे। इस दौरान एजी सतीश कसेरा, अनुराग जैन सहित समाज के कई गणमान्य लोग भी उपस्थित रहेंगे। रोटरी क्लब गुवाहाटी स्मार्ट सिटी के तत्वाधान में माहेश्वरी युवा संगठन, रोटरेक्ट क्लब ऑफ रोंगली गुवाहाटी व औरा एंटरटेनमेंट के सहयोग से 6 दिवसीय नवरात्रि डांडिया रास का आयोजन 19 से 24 अक्तूबर तक किया जाएगा, जिसमें बॉलीवुड वह छोटे पर्दे के कलाकार गुवाहाटी वासियों के साथ जमकर गरबा व डांडिया नृत्य करेंगे। कार्यक्रम को लेकर आयोजन समिति से जुड़े सभी संगठनों की एक सभा आयोजित की गई, जिसमें सभी ने अपने-अपने सुझाव दिए। कार्यक्रम संयोजक रवि अग्रवाल ने बताया कि इस मौके पर जाने माने कलाकार गुरमीत चौधरी, देबीना बनर्जी, सुधांशु पांडे, मंडलसा शर्मा, गौरव खन्ना, प्रिया भट्टाचार्य व सहज घोषाल के अलावा शुभाआरम नमक बैंड अपनी प्रस्तुति देंगे। यह सभी कलाकार आयोजन के दौरान अलग-अलग दी सोनाराम खेल मैदान उपस्थित रहेंगे। महानगर वासियों को डांडिया नृत्य पर थिरकाने के लिए डीजे कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहेंगे। सहसंयोजक मानस मजूमदार ने बताया कि बताया कि इस आयोजन से आय होने वाली संपूर्ण राशि को रोटरी क्लब अपने विभिन्न सामाजिक गतिविधियों एवं शिक्षा के क्षेत्र में व्यय करेगी।

भाजपा की सांगठनिक बैठक में मंत्री पीयूष ने लिया हिस्सा

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के सूचना एवं प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने आज भारतीय जनता पार्टी की मुदोईबारी मंडल समिति द्वारा आयोजित एक विशेष संगठनात्मक बैठक में भाग लिया। बैठक के बाद मंत्री ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि इस बैठक में सांसद दिलीप सैकिया, विधायक जीतू गोस्वामी और दिगंत कलिता, जिला अध्यक्ष सुनील बसुमतारी के साथ-साथ जिला, मंडल और बूथ स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हेलीकॉप्टर खराब : बाल-बाल बचे मंत्री जयंतमल्ल बरुवा

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के मंत्री जयंतमल्ल बरुवा का हेलीकॉप्टर आज अचानक खराब हो गया। मंत्री की जान बाल-बाल बच गई। उनके हेलीकॉप्टर के इंजन में उस समय खराबी आ गई जब हेलीकॉप्टर हवा में उड़ रहा था। उनका हेलीकॉप्टर मानकचार से गुवाहाटी जा रहा था। गुवाहाटी हवाई अड्डे पर हेलीकॉप्टर की आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। खराबी की जांच की जा रही है।

शिलांग से निकली केरिपु बल की महिला बाइकर्स का लखनऊ में नागरिक अभिनंदन

शिलांग/लखनऊ। केरिपु बल की महिला बाइकर्स यशस्विनी टीम शिलांग से लखनऊ पहुंची, जिनका 1090 चौराहा गोमतीनगर, लखनऊ में मुख्य अतिथि माननीय श्री ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार के समक्ष नागरिक अभिनंदन किया गया। विश्व के सबसे बड़े अर्द्धसैनिक बल, सीआरपीएफ की महिला बाइकर्स दल जो तीन टीमों में विभाजित होकर उत्तर में श्रीनगर दक्षिण में कन्या कुमारी, तथा पूर्वोत्तर में शिलांग से चल कर एकता नगर गुजरात जा रही है। दिनांक 05/10/2023 को शिलांग मेघालय से चला दल लगभग 40 जिलों से गुजरते हुए दिनांक 13/10/2023 को उ.प्र. के चंदौली, प्रयागराज होकर दिनांक 16/10/2023 को लखनऊ पहुंची, लगभग 3291 किलोमीटर का सफर तय करते हुए 31 अक्तूबर को एकतानगर गुजरात पहुचेंगीं। मुख्य अतिथि श्री ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री, उ.प्र. सरकार नें अपने संबोधन में केरिपुबल की इन विरांगनाओं जो देश के प्रत्येक कोने का भ्रमण कर नारी शक्ति के विकास पथ को आगे बढाने का काम किया उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए शुभकामनाएं अर्पित की। इस पावन अवसर पर रोटरी क्लब के सदस्य व रंगमंचीय कार्मियों ने कला एवं सांस्कृति का भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथिगणों

में श्रीमति सुषमा खरकवाल, मेयर, लखनऊ, सतपाल रावत, महानिरीक्षक, मध्य सेक्टर, भुपेन्द्र कुमार, उप महानिरीक्षक, रेंज लखनऊ, शशि प्रकाश सिंह, उप महानिरीक्षक ग्रुप केंद्र लखनऊ, सुनील कुमार, उप महानिरीक्षक, मध्य सेक्टर, लखनऊ समिलित हुए। रोटरी क्लब की तरफ से सुनील बंसल, गवर्नर रोटरी, केके श्रीवास्तव, पूर्व गवर्नर, श्रीमती भारती, श्रीमती मीरा तथा सभी क्लब के अध्यक्ष व सम्मानित सदस्य, व्यापार मंडल अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र, व्यापार मंडल सेक्रेटरी अमित वर्मा अन्य सदस्य, अधिकारीगण, पत्रकार बंधु, वीर जवान व प्यारे दर्शकगण भी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री शुक्रवार को देश की पहली रैपिडएक्स रेल की देंगे सौगात

गाजियाबाद, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में शुक्रवार (20 अक्टूबर) को देश की पहली क्षेत्रीय रेल रैपिडएक्स का उद्घाटन करेंगे। प्रथम चरण में यह सेवा 17 किलोमीटर लंबी होगी, जिसमें पांच स्टेशन होंगे। इन पांच स्टेशनों में साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई और दुहाई-डिपो शामिल है। इसकी सेवाएं हर 15 मिनट पर उपलब्ध होंगी और यह 160 किलोमीटर प्रतिघंटा की चाल से चलेगी। सरकारी प्रवक्ता के मुताबिक रेलगाड़ी में एक डिब्बा महिलाओं के लिए आरक्षित होगा। दोनों ओर से पहली रेलगाड़ी छह बजे और अंतिम सेवा रात 11 बजे उपलब्ध रहेगी। आम नागरिकों के लिए सेवाएं शनिवार से चालू की जाएंगी। उद्घाटन से पहले एनसीआरटीसी ने बुधवार को मीडिया ट्रेन का ट्रायल रन कराया। इसमें मीडिया प्रतिनिधियों ने भाग लिया और रैपिडएक्स ट्रेन की एक तरह से प्रीमियर शो का आनंद लिया। रैपिडएक्स का ट्रायल साहिबाबाद आरआरटीएस स्टेशन से लेकर दुहाई स्टेशन तक चला। इस दौरान ट्रेन में 157 किलोमीटर प्रति घंटा के हिसाब से भी दौड़ लगाई और चंद मिनट में अपने गंतव्य तक पहुंच गई। इस दौरान एनसीईआरटी के प्रवक्ता पुनीत वत्स व अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने ट्रेन की खूबियों के बारे में विस्तार से बताया। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की आगमन की तैयारी में प्रशासन पिछले कई दिनों से दिन-रात जुटा हुआ है। साथ एसपीजी भी डेरा डाल चुकी है। मौके पर कड़े सुरक्षा बंदोबस्त किए जा रहे हैं।

पुलिस प्रशासन के उच्चाधिकारी लगातार जायजा ले रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत अनेक अतिथि इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। रीजनल रैपिड ट्रांसिट सिस्टम (आरआरटीएस) एक हाई-स्पीड, हाई-फ्रीक्वेंसी परिवहन प्रणाली है, जो 160 किमी प्रति घंटा की परिचालन गति से एनसीआर के निवासियों को क्षेत्र में निर्बाध रूप से यात्रा करने की सुविधा प्रदान करेगा। इसका 82 किमी लंबा प्रथम कॉरिडोर दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ के बीच निमार्णाधीन है। प्रत्येक रैपिडएक्स ट्रेन में 6 डिब्बे हैं जिनमें लगभग 1700 यात्री एक साथ यात्रा कर सकते हैं। हर स्टैंडर्ड कोच में 72 सीटें और प्रीमियम कोच में 62 सीटें उपलब्ध हैं। प्रत्येक रैपिडएक्स ट्रेन में एक कोच महिलाओं के लिए आरक्षित है, यह प्रीमियम कोच के बाद दूसरा कोच होगा। ट्रेन के अन्य कोचों में भी महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित हैं। साथ ही, प्रत्येक कोच में विकलांग यात्रियों/वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी सीटें आरक्षित हैं। प्रत्येक रैपिडएक्स ट्रेन में एक प्रीमियम कोच भी है जिसमें रिक्लाइनिंग सीटें, कोट हुक, मैगजीन होल्डर और फुटरेस्ट जैसी कई अतिरिक्त यात्री-केंद्रित सुविधाएं होंगी। दिल्ली से मेरठ की ओर जाने वाला पहला कोच और मेरठ से दिल्ली की ओर जाने वाला अंतिम कोच प्रीमियम कोच होगा। प्रत्येक रैपिडएक्स ट्रेन में एक प्रीमियम कोच होगा, जिसमें रिक्लाइनिंग सीटें, कोट हुक, मैगजीन होल्डर और फुटरेस्ट जैसी कई अतिरिक्त यात्री-केंद्रित सुविधाएं होंगी। दिल्ली से मेरठ की ओर जाने वाला पहला कोच और मेरठ से दिल्ली की ओर जाने वाला अंतिम कोच प्रीमियम कोच होगा।

दिल्ली में हुई कांग्रेस सीईसी की बैठक, राजस्थान की निर्विवाद सीटों पर उम्मीदवारों के नाम लगभग तय

जयपुर, (हि.स.)। कांग्रेस की केन्द्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बुधवार सुबह दिल्ली में हुई बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान में उम्मीदवारों को लेकर सिटिंग-गेटिंग का फामूर्ला दिया है। इन सबके बीच कुछ ऐसे निर्विवाद नाम हैं, जिन पर फैसला लगभग तय हो गया है, जबकि कुछ नामों पर मंथन का दौर जारी है। अब तक कांग्रेस पार्टी में लगातार यह दावे किए जा रहे थे कि पार्टी इस बार राजस्थान में बड़ी संख्या में वर्तमान मंत्रियों और विधायकों के टिकट काटेगी, लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सिटिंग-गेटिंग का फामूर्ला मजबूती के साथ रख दिया है। ऐसे में अब तक जहां कहा जा रहा था कि राजस्थान में करीब 50 फीसदी टिकट वर्तमान विधायकों के काटे जा सकते हैं, वह फामूर्ला अब सिटिंग-गेटिंग यानी ज्यादातर वर्तमान विधायकों को फिर से टिकट देने में तब्दील हो सकता है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत वर्तमान विधायकों के टिकट नहीं काटने के पक्ष में हैं, जिन्हें डोटासरा और रंधावा का भी समर्थन है। अगर यही फामूर्ला चलता है तो सचिन पायलट कैंप के ज्यादातर विधायकों को टिकट मिल जाएगा। संभावना है ऐसे में पायलट भी इसमें ज्यादा विरोध नहीं करेंगे। हालांकि, जिन 80 सीटों पर कांग्रेस या कांग्रेस के समर्थित निर्दलीय विधायक नहीं है वहां पर 50 फीसदी से ज्यादा टिकट बदले जाने की पूरी संभावना है। इससे पूर्व मंगलवार देर रात तक चली स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में करीब 60 नामों पर सिंगल कैंडिडेट लगभग तय हो चुका है। शेष 140 सीटों पर कांग्रेस इलेक्शन कमेटी में मंथन चल रहा है। पार्टी शुरूआत में पहली सूची में अगर गैर विवादित सीटों पर प्रत्याशी उतारती है तो ऐसे में इन सीटों पर सिंगल नाम तय माना जा रहा है। केन्द्रीय चुनाव समिति की राजस्थान को लेकर हो रही बैठक में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद डोटासरा, प्रभारी सुखजिंदर रंधावा, गौरव गोगोई, केसी वेणुगोपाल, अजय माकन, सलमान खुर्शीद, अमृता धवन, काजी निजामुद्दीन और केएल पूनिया मौजूद हैं।

घर बैठे देख सकेंगे प्लॉट योजना की लाटरी 60 दिन में करना होगा कुल कीमत का भुगतान

नई दिल्ली (ईएमएस)। यमुना प्राधिकरण की आवासीय भूखंड योजना की लाटरी प्रक्रिया को आवेदक घर बैठे देख सकेंगे। प्राधिकरण ने यूट्यूब चैनल, फेसबुक पर इसके सजीव प्रसारण की व्यवस्था की है। प्राधिकरण की ओर से जारी विज्ञापन व वेबसाइट पर अपलोड क्यूआर कोड को स्कैन कर आवेदक सीधे लाटरी प्रक्रिया से जुड़ सकेंगे। लाटरी प्रक्रिया सुबह दस बजे से ग्रेटर नोएडा के सेक्टर पी थ्री स्थित सामुदायिक भवन में शुरू होगी। आवासीय भूखंड योजना में 1.30 लाख से अधिक आवेदक हैं। जो आवेदक लाटरी स्थल पर नहीं पहुंच सकेंगे। उनके लिए सजीव प्रसारण की व्यवस्था की गई है। इससे लाटरी स्थल पर आवेदकों की संख्या नियंत्रित भी हो सकेगी। आवेदकों को 120 वर्गमीटर से लेकर दो हजार वर्गमीटर के भूखंडों का आवंटन होगा। प्रत्येक श्रेणी में लाटरी की शुरूआत आरक्षित वर्ग के आवेदकों की लाटरी निकालकर होगी। इसके बाद सामान्य श्रेणी के आवेदकों की पर्ची निकाली जाएंगी। सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि लाटरी प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सेवानिवृत न्यायाधीश, आइएएस अधिकारी की समिति गठित की गई है। इसके अलावा प्रक्रिया की वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी कराई जाएगी। सफल आवंटियों को साठ दिन में भूखंड की कुल कीमत की 90 प्रतिशत राशि का भुगतान करना होगा। असफल आवंटियों को एक सप्ताह में पंजीकरण राशि वापस कर दी जाएगी।

भारत-फ्रांस सैन्य उप-समिति की 21वीं बैठक में हुई सैन्य सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत-फ्रांस सैन्य उप समिति (एमएससी) की 21वीं बैठक 16-17 अक्टूबर को नई दिल्ली के वायु सेना स्टेशन में आयोजित की गई। भारत की ओर से आईडीएस मुख्यालय में एकीकृत स्टाफ (सैन्य सहयोग) के सहायक प्रमुख एयर वाइस मार्शल आशीष वोहरा और फ्रांस की ओर से संयुक्त स्टाफ के अंतरराष्ट्रीय सैन्य संबंध के जनरल ऑफिसर मेजर जनरल एरिक पेल्टियर ने बैठक की सह-अध्यक्षता की। भारत-फ्रांस एमएससी मुख्यालय, एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय और फ्रांसीसी सशस्त्र बलों के संयुक्त स्टाफ मुख्यालय के बीच रणनीतिक और परिचालन स्तरों पर नियमित बातचीत और उसके जरिए दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग के विकास के लिए स्थापित एक मंच है। यह बैठक मैत्रीपूर्ण, गर्मजोशी से भरपूर और सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई। बैठक में मौजूदा द्विपक्षीय रक्षा सहयोग तंत्र के दायरे में नई पहलों की तलाश और पहले से जारी रक्षा गतिविधियों को सुदृढ़ बनाने पर चर्चा हुई।

चतुर्थ केदार रुद्रनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए हुए बंद

-बुधवार को रुद्रनाथ की उत्सव डोली मोली खर्क में करेगी रात्रि विश्राम

गोपेश्वर, (हि.स.)। उत्तराखंड के चमोली जिले में मध्य हिमालय की 11 हजार सात सौ फीट की ऊंचाई पर स्थित चतुर्थ केदार भगवान रुद्रनाथ मंदिर के कपाट बुधवार को शीतकाल के लिये विधि विधान के साथ ब्रह्म मुहूर्त में बंद कर दिये गये। अब शीतकाल में चतुर्थ केदार श्री रुद्रनाथ की पूजा-अर्चना और दर्शन शीतकालीन गद्दी स्थल गोपेश्वर गोपीनाथ मंदिर में श्रद्धालु कर सकेंगे। बुधवार को उत्सव डोली रुद्रनाथ से चलकर मोली खर्क में रात्रि विश्राम करेगी। बुधवार को परंपरा के अनुसार मंदिर के मुख्य पुजारी जर्नादन प्रसाद भट्ट ने भगवान रुद्रनाथ को स्नान कराया गया। इसके बाद महाअभिषेक, रुद्राभिषेक पूजाएं संपन्न कराई गईं। मुख्य पुजारी की ओर से भगवान रुद्रनाथ के विग्रह का हिमालयी पुष्पों, जड़ी बूटियों व वनस्पतियों से मंत्रोच्चार के साथ ढका गया।

इसके बाद कपाट शीतकाल के लिये बंद कर दिये गये। कपाट बंद होने के बाद भगवान रुद्रनाथ जी की उत्सव डोली आज रात्रि विश्राम मोली खर्क में करेगी। 19 अक्टूबर को मोली खर्क से सगर गांव में दिन का भोग लगाने के बाद रात्रि विश्राम के लिए गंगोलगांव पहुंचेगी। 20 अक्टूबर को गंगोलगांव से भगवान रुद्रनाथ की उत्सव शीतकालीन गद्दी स्थल गोपीनाथ मंदिर में पहुंचेगी। जहां शीतकाल में तीर्थयात्री भगवान रुद्रनाथ के दर्शन और पूजा अर्चना की जाएगी।

भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना, कहा- पार्टी भ्रष्टाचार का पर्याय है

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उसे भ्रष्टाचार का पर्याय बताया है। बुधवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि कर्नाटक के मंत्री जनता की गाढ़ी कमाई लूट कर हैदराबाद ले जाते हैं। वहां कांग्रेस पार्टी कर्नाटक को एटीएम की तरह इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के मंत्रियों से पूछा जाना चाहिए कि वे वहां क्या कर रहे हैं? गौरव भाटिया ने कहा कि राजस्थान में भी जनता कांग्रेस को सबक सिखाएगी। जनता का अपमान अब राजस्थान नहीं सहेगा। किसान की पगड़ी को ठोकर मारने की घटना पर वार करते हुए गौरव भाटिया ने कहा कि जब जनता लात मारेगी तो अशोक गहलोत हो या कोई विधायक उन्हें बहुत दर्द होगा। वोट की चोट का दर्द सदियों तक रहता है। जनता भी इंतजार कर रही है, किसी गुरूर में नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह पूछा जाना चाहिए कि क्या कांग्रेस के अध्यक्ष खड़गे जी इस तरह के ओछे -घटिया आचरण के साथ इत्तेफाक रखते हैं? उन्होंने राहुल गांधी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वे भ्रष्टाचार के आरोप में जमानत पर बाहर हैं। सोनिया गांधी भी जमानत पर बाहर हैं। गांधी परिवार का भ्रष्टाचारी डीएनए हर कांग्रेस के नेता के अंदर उबाल मार रहा है। यह केवल लूट खसोट कर सकते हैं, जनता का अपमान कर सकते हैं, इनके चरित्र में ही यह सब बसा है।

एनसीएलएटी के सदस्य राकेश कुमार और आलोक श्रीवास्तव को कोर्ट का अवमानना नोटिस

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने कोर्ट के आदेश का पालन नहीं करने पर नेशनल कंपनी लॉ अपीलीय ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) के न्यायिक सदस्य राकेश कुमार और तकनीकी सदस्य आलोक श्रीवास्तव को अवमानना नोटिस जारी किया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने दोनों को 30 अक्टूबर को कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश जारी किया। कोर्ट ने दोनों को ये बताने का निर्देश दिया है कि उनके खिलाफ क्यों न अवमानना की कार्रवाई शुरू की जाए। कोर्ट ने एनसीएलएटी के 13 अक्टूबर को दिए गए आदेश को निरस्त करते हुए एनसीएलएटी के चेयरपर्सन जस्टिस अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली बेंच को नए सिरे से विचार करने का निर्देश दिया। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 13 अक्टूबर को फिनोलेक्स केबल्स की एजीएम और कंपनी के प्रबंधन के नियंत्रण से जुड़े विवाद में यथास्थिति बनाये रखने का आदेश दिया था। उसी दिन एनसीएलएटी ने सुप्रीम कोर्ट के यथास्थिति के आदेश के बावजूद आदेश जारी कर दिया। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट में दोबारा पहुंच गया।

अडानी समूह ने कोयला आयात में बिल बढ़ाकर बताया, हड़पे 12,000 करोड़ : राहुल गांधी

मोदी सरकार अडाणी समूह के खिलाफ जांच क्यों नहीं कर रही

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी ने फिर गौतम अडानी मामले पर केंद्र की मोदी सरकार पर हमला किया है। राहुल गांधी ने मीडिया रिपोर्ट का हवाला देकर अडाणी समूह पर कोयला आयात में बढ़ा चढ़ाकर बिल दिखाने और लोगों से 12,000 करोड़ रुपये हड़पने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अडानी द्वारा कोयला आयात को महंगा दिखाए जाने के कारण आम लोगों को बिजली की अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। राहुल गांधी ने पूछा आखिर मोदी सरकार अडाणी समूह के खिलाफ जांच क्यों नहीं कर रही है। दरअसल कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक ब्रिटिश अखबार की खबर का हवाला देकर दावा भी किया कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस संदर्भ में मदद करना चाहते हैं कि प्रधानमंत्री अडाणी समूह के मामले की जांच कराएं और अपनी विश्वसनीयता बचाएं। राहुल गांधी ने कहा, अडानी इंडोनेशिया में कोयला खरीदते हैं और जब तक वहां कोयला भारत आता है, इसकी कीमत दोगुनी हो जाती है। हमारी बिजली की कीमतें बढ़ रही हैं। वह (अडानी) सबसे गरीब लोगों से पैसा लेते हैं। अडानी मुद्दे पर कांग्रेस नेता का कहना है कि, इस बार चोरी जनता की जेब से हो रही है...जब आप स्विच का बटन दबाते हैं, तब अडानी की जेब में पैसा जाता है। राहुल गांधी ने कहा लोग सवाल पूछ रहे हैं...अलग-अलग देशों में पूछताछ हो रही है लेकिन भारत में कुछ नहीं हो रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि आखिरकार प्रधानमंत्री जी अडाणी समूह के खिलाफ जांच क्यों नहीं कराते? राहुल गांधी ने दावा किया कि अडाणी समूह से जुड़े मामले के कारण पीएम मोदी की विश्वसनीयता पर असर हो रहा है। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री की मदद करना चाहता हूं। वह मामले की जांच कराएं और अपनी विश्वसनीयता बचाएं। राहुल गांधी के आरोपों पर फिलहाल अडाणी समूह की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह पूछने पर कि अडानी मुद्दे पर भारत गठबंधन एकजुट होने के बावजूद एनसीपी प्रमुख शरद पवार की अडानी से मुलाकात पर सवाल क्यों नहीं उठा रहे हैं, इस पर कांग्रेस नेता ने कहा कि, मैंने शरद पवार से नहीं पूछा, वह भारत के प्रधानमंत्री नहीं हैं। मैं शरद पवार का बचाव नहीं कर रहा हूं। अडानी, मिस्टर मोदी हैं और इसीलिए मैंने मिस्टर मोदी से यह सवाल पूछा। अगर पवार भारत के पीएम के रूप में बैठे होते और अडानी की रक्षा कर रहे होते, तब मैं शरद पवार से यह सवाल पूछ रहा होता।

किसान सरकार के खिलाफ आंदोलन करने को तैयार, 23 अक्टूबर से होगी शुरूवात

जब तक समाधान नहीं होता, आंदोलन चलेगा

मुजफ्फरनगर (ईएमएस)। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) नेता राकेश टिकैत ने कहा है कि किसान 23 अक्टूबर को आंदोलन के लिए तैयार रहें। मुण्डभर गांव में सभा को संबोधित कर बीकेयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि बिजली विभाग की मनमानी के खिलाफ किसान नेताओं ने मोर्चा खोल दिया है। वर्तमान में कलम व कैमरे पर बंदूक का पहरा है, इसकारण भारतीय मीडिया की बजाय विदेशी मीडिया में किसान आंदोलन को सही बताया है। बीकेयू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने विभागीय अधिकारियों पर किसानों के शोषण का आरोप लगाया है। टिकैत ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं होता तब तक धरना जारी रहेगा। राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार ने किसानों के खिलाफ वादाखिलाफी की है। सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली और गन्ने के लिए उच्च एसएपी सहित उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं। इन्हीं मांगों को लेकर किसान सरकार के खिलाफ अपना आंदोलन तेज करने के लिए मजबूर हुए हैं। किसान अपनी उपज का पर्याप्त मुआवजा न मिलने से योगी सरकार से बेहद नाखुश हैं। गन्ना उत्पादकों को समय पर उनका बकाया नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बीकेयू आने वाले दिनों में हर जिले में विरोध-प्रदर्शन करेगा। बीकेयू नेता ने गरीब किसानों की कीमत पर कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए कदम उठाने के लिए भी केंद्र की आलोचना की। टिकैत ने कहा कि भाजपा सरकार राजनीतिक लाभ के लिए सरकारी एजेंसियों की शक्तियों का दुरुपयोग कर रही है। कोई भी राजनीतिक दल इस समस्या का समाधान नहीं करना चाहता। टिकैत ने कहा कि भाजपा अपने चुनावी घोषणापत्रों में किसानों से किए गए वादों से चूक गई है, चाहे वह लोकसभा का चुनाव का घोषणापत्र हो या विधानसभा चुनाव का। किसान नेता ने बताया कि 23 अक्टूबर को मुजफ्फरनगर में बड़े आंदोलन की शुरूआत की जाएगी। सबसे पहले वहां मीटर जमा होगा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय का दरवाजा नहीं खुलेगा, तब ट्रैक्टर से दरवाजा तोड़ दिया जाएगा। उन्होंने किसानों से अपील की कि कोई भी बुढ़ाना मिल का किसान गन्ना केंद्र पर ना डाले। मुजफ्फरनगर डीएम कार्यालय पर गन्ना लेकर आए, वही गन्ना डाला जाएगा। उन्होंने कहा कि देश को अब गांव बचाएंगे, खाप पंचायत बचाएंगी। राकेश टिकैत ने कहा कि हरियाणा के किसानों की भी आंदोलन में मदद ली जाएगी। इस आंदोलन की शुरूआत 23 अक्टूबर को मुजफ्फरनगर से की जाएगी, मगर वापसी की तारीख कोई तय नहीं की गई है। जब तक किसानों की समस्या का समाधान नहीं होगा, तब तक किसान घर वापस नहीं आने वाले हैं।

सामान्य से एक डिग्री ऊपर पहुंचा दिल्ली में न्यूनतम तापमान

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली में आज का न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री ऊपर पहुंच गया है। जबकि वायु सूचकांक की गुणवत्ता मध्यम श्रेणी की दर्ज की गई है। आईएमडी से जारी बुलेटिन के अनुसार देश की राजधानी दिल्ली में बुधवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री ऊपर, 17.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि शहर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह नौ बजे मध्यम श्रेणी में था। हालांकि शहर में रविवार और सोमवार को वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में थी। वायु गुणवत्ता में सोमवार रात शहर के हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश होने से काफी सुधार हुआ है। वायु गुणवत्ता और मौसम पूवार्नुमान तथा अनुसंधान प्रणाली (सफर) के अनुसार, समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक बुधवार को 130 दर्ज किया गया। बता दें कि भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दिन में आसमान पूरी तरह से साफ रहने का अनुमान जताया है।

यहां पर सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आद्रता 82 प्रतिशत दर्ज की गई। गौरतलब है कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है। जानकारों की मानें तो एक्यूआई के 500 से अधिक होने पर इसे अत्यंत गंभीर माना जाता है।

गोपाल राय का खत आपराधिक संवेदनहीनता का सबूत

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली में सर्दियों के आहट के बीच वायु प्रदूषण के खतरे को नियंत्रित करने में केंद्र और पड़ोसी राज्यों का सहयोग पाने के लिए केजरीवाल सरकारमें पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने एक चिट्ठी लिखी है। गोपाल राय ये चिट्ठी केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को लिखी है। अपने पत्र में उन्होंने कहा है कि एक रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में सिर्फ 31 प्रतिशत प्रदूषण स्थानीय कारकों की वजह होता है। शेष 69 प्रतिशत वायु प्रदूषण हरियाणा, यूपी, पंजाब और राजस्थान की वजह से होता है। अब दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने उनके इस खत पर पलटवार किया है। उन्होंने गोपाल राय के खत को सीएम अरविंद केजरीवाल सरकार की संवेदनहीनता का प्रमाण करार दिया है। उन्होंने अपने पोस्ट एक्स में लिखा है कि दिल्ली में प्रदूषण का मामला लंबे समय से है। अभी तक दिल्ली सरकार ने इस मसले पर ध्यान नहीं दिया। बैठक लंबे समय से लंबित रहने के बाद दिल्ली सरकार द्वारा आज दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की बैठक बुलाई गई है। वह भी बीजेपी के विरोध के बाद। वायु प्रदूषण जैसे गंभीर मसले पर केजरीवाल सरकार का लचर रवैया आपराधिक लापरवाही का एक और सबूत है। अरविंद केजरीवाल सरकार में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को लिखे खत में कहा है कि दिल्ली के अंदर ठंड के मौसम में प्रदूषण की समस्या काफी बढ़ जाती है। सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने इस बार 15 फोकस बिंदुओं पर आधारित विंटर एक्शन प्लान बनाया है। एक्शन प्लान पर अमल कराया जा रहा है। दिल्ली सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की वजह से वायु प्रदूषण के स्तर में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। पिछले 8 सालों में प्रदूषण के स्तर में 30 प्रतिशत की कमी आई है।

उप्र के सुदूर गांवों में होगी 'डिजिटल डॉक्टर क्लिनिक' की शुरूआत

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए योगी सरकार एक नई पहल करने जा रही है। इस पहल के तहत प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में 'डिजिटल डॉक्टर क्लिनिक' की स्थापना की जाएगी। 'डिजिटल डॉक्टर क्लिनिक' एक तरह से प्राइमरी हेल्थ सेंटर की तरह काम करेंगे, जहां न केवल ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से डॉक्टर्स का परामर्श मिलेगा, बल्कि हेल्थ केयर असिस्टेंस के साथ ही लैबोरेटरी की भी सुविधा मिलेगी। यह डिजिटल डॉक्टर क्लिनिक पायलट प्रोजेक्ट के तहत लखनऊ और बुलंदशहर के कुल 20 सेंटर्स में जल्द खोले जाएंगे, जिसके बाद इसे पूरे प्रदेश में शुरू किया जाएगा। योगी सरकार यह पहल निजी निवेश के माध्यम से करने जा रही है। इसका उद्देश्य गांवों और सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारना है, ताकि रियायती दरों पर लोगों को गंभीर से गंभीर बीमारियों में चिकित्सीय परामर्श के साथ ही दवाइयां और पैथोलॉजी टेस्ट की सुविधा दी जा सके।

चिकित्सकों की टीम की जा रही नियुक्त - डिजिटल डॉक्टर क्लिनिक के लिए योगी सरकार ने ओबदु ग्रुप के साथ 350 करोड़ रुपए का एमओयू किया है। ओबदु ग्रुप इस पूरे प्रोजेक्ट को ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी से पहले ही धरातल पर उतारने जा रहा है। ग्रुप के फाउंडर और सीईओ संजय कुमार के अनुसार, प्रदेश सरकार की मदद से जल्द ही लखनऊ और बुलंदशहर के 20 सेंटर्स के माध्यम से इस स्टार्ट-अप की शुरूआत हो जाएगी और धीरे-धीरे अन्य जनपदों के ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल डॉक्टर्स क्लिनिक स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए अभी 5 डॉक्टर्स को नियुक्त कर दिया गया है, जबकि 10 अन्य डॉक्टर्स को लाइन-अप किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्टार्ट-अप को लेकर कुछ अन्य इन्वेस्टर्स से भी बातचीत हो रही है और हमारा इरादा इस एमओयू के साइज को एक हजार करोड़ रुपए तक ले जाने का है।

डेंगू पीड़ित हर मरीज को समय पर मिले इलाज : मुख्यमंत्री

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य विभाग को डेंगू के मरीजों को समय पर इलाज उपलब्ध कराने और सतर्कता बरतने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने डेंगू मरीजों के लिए अस्पतालों में आवश्यकतानुसार अतिरिक्त बेड की व्यवस्था कराने को भी कहा है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को अपने सरकारी आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन, निमार्णाधीन मेडिकल कॉलेजों की स्थिति और डेंगू की रोकथाम के लिए किए ना रहे प्रयासों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में डेंगू के मामलों में वृद्धि देखी गई है। विगत कुछ दिनों में मुरादाबाद, कानपुर नगर, लखनऊ और गौतमबुद्ध नगर में डेंगू का प्रकोप बढ़ा है। यह सुनिश्चित किया जाए कि कहीं भी हॉटस्पॉट की स्थिति न बनने पाए। अस्पतालों में आवश्यकतानुसार अतिरिक्त बेड की व्यवस्था कराई जाए। गांव हो या कि शहर कहीं भी एक भी संक्रमित मरीज इलाज के अभाव में परेशान न हो। सभी सरकारी व निजी अस्पतालों/मेडिकल कॉलेजों में नए रोगियों की नियमित रिपोर्टिंग जरूर हो। योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया कि नगर विकास, ग्राम विकास एवं पंचायती राज विभाग मच्छरों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु फॉगिंग करायें। सुबह सैनीटाइजेशन व शाम को फॉगिंग का कार्य निरंतरता के साथ कराएं। जल भराव का निस्तारण कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री जन अयोग्य योजना के लिए पात्र हर परिवार का आयुष्मान कार्ड जरूर बनाया जाए। इस संबंध में वर्तमान में संचालित अभियान के तहत उत्तर प्रदेश में अच्छा कार्य हो रहा है। अब तक 191.9 लाख परिवार इन योजनाओं से आच्छादित होकर 5 लाख वार्षिक के मुफ्त स्वास्थ्य बीमा सुविधा से लाभान्वित हो रहे हैं। योजना के बारे में आमजन के बीच जागरूकता भी बढ़ाई जाए। असेवित जिलों में मेडिकल कॉलेज स्थापना के लिए राज्य सरकार ने पीपीपी मोड की नीति अपनाई है। इसके तहत शामली, मऊ, महराजगंज और संभल में कार्य प्रारंभ हो चुका है। जबकि बागपत, मैनपुरी, कासगंज, महोबा, हमीरपुर और हाथरस के लिए वायबिलिटी गैप फंडिंग के तहत भारत सरकार से अनुमोदन प्राप्त हो चुका है। सभी जगह शीघ्र ही कार्य प्रारंभ किए जाएं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों में चयनित 293 शिक्षकों और 1950 से अधिक स्टाफ नर्सों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर यथोचित तैनाती सुनिश्चित करें। राजकीय मेडिकल कॉलेजों में आचार्य, सह आचार्य और सहायक आचार्य के रिक्त पदों पर यथाशीघ्र योग्य चिकित्सकों की नियुक्ति की जाए। इसके अलावा फेज-3 के अंतर्गत निमार्णाधीन बुलंदशहर, लखीमपुर खीरी, गोंडा, औरैया, ललितपुर, सोनभद्र, कानपुर देहात, पीलीभीत, बिजनौर, चंदौली, कौशाम्बी, कुशीनगर, सुल्तानपुर व अमेठी मेडिकल कॉलेजों के निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए।

पीईटी परीक्षा 28-29 अक्टूबर को, मुख्य सचिव ने की तैयारियों की समीक्षा

लखनऊ, (हि.स.)। अधीनस्थ चयन सेवा आयोग उत्तर प्रदेश की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) 28 और 29 अक्टूबर को होगी। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने परीक्षा को शांतिपूर्ण और पारदर्शिता के साथ नकलविहीन संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से अधीनस्थ चयन सेवा आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा के संबंध में प्रदेश के सभी मण्डलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि कहा कि परीक्षा को शांतिपूर्ण और पारदर्शिता के साथ नकलविहीन संपन्न कराया जाए। जिला एवं पुलिस प्रशासन सक्रिय रहे, ताकि नकल माफिया अपने मंसूबे में कामयाब न हो सकें।

डमी अभ्यर्थियों के विरुद्ध दर्ज होगी एफआईआर - उन्होंने कहा कि परीक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से फेस रिकॉग्निजिशन की व्यवस्था की जाए और एआई के माध्यम से पकड़ में आने वाले डमी अभ्यर्थियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई जाए। प्रश्न पत्र समय से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने, प्रश्न पत्रों और ओएमआर शीट्स के सुरक्षित रखरखाव, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, सुरक्षा व्यवस्था आदि सभी आवश्यक तैयारियां व प्रबंध समय से पूरे कर लिए जाएं। आयोग द्वारा निर्गत निदेशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि परीक्षा में देशभर से परीक्षार्थी आते हैं। अभ्यर्थी समय से परीक्षा केंद्र पहुंच सकें और उन्हें आवागमन में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए रेलवे व ट्रांसपोर्ट के अधिकारियों के साथ बैठक कर समुचित प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। परीक्षा में महिला अभ्यर्थी भी शामिल होंगी, उनकी सुरक्षा के लिये विशेष प्रबंध किये जायें। उन्होंने कहा कि परीक्षा के लिए स्टैटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र अधीक्षक, कक्ष निरीक्षकों की ड्यूटी लगाते हुए उनकी विधिवत ट्रेनिंग और ब्रीफिंग समय से करा दी जाए। रिजर्व में भी पर्याप्त कर्मियों को रखते हुए उनकी भी ट्रेनिंग करायी जाए। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा जारी दिशा निदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए।

मेरठ में बसपा में चल रही उठापटक, शाहजहां सैफी मंडल प्रभारी

मेरठ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी के मेरठ संगठन में लगातार उठापटक चल रही है। बसपा ने शाहजहां सैफी को मेरठ मंडल का प्रभारी नियुक्त कर दिया है। मुस्लिम वोटरों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए बसपा ने यह कदम उठाया है। बसपा में पार्टी नेताओं के निष्कासन और बदले जाने का क्रम जारी है। निकाय चुनाव के दौरान बसपा में फिर से शामिल होने वाले प्रशांत गौतम को दो दिन पहले पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। अपने निष्कासन पर प्रशांत गौतम ने जिलाध्यक्ष रहे मोहित आनंद पर अंगुली उठाई थी। मंगलवार को बसपा ने बड़ा कदम उठाते हुए मेरठ के जिलाध्यक्ष मोहित आनंद को ही पद से हटा दिया और उन्हें बागपत जनपद का प्रभारी नियुक्त कर दिया। बसपा ने पाल समाज के जयपाल सिंह को मेरठ का नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है, जबकि राजकुमार गौतम को मेरठ मंडल प्रभारी पद से हटा दिया गया। अब बुधवार को बसपा ने मुस्लिम कार्ड खेलते हुए शाहजहां सैफी को मेरठ मंडल का प्रभारी नियुक्त किया है। बसपा के इस फैसले से सपा, कांग्रेस और रालोद में बेचैनी है। बसपा ने मेरठ मंडल प्रभारी पद से हटाए गए राजकुमार गौतम को मेरठ मंडल का कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया है। गौरतलब है कि 2004 के लोकसभा चुनावों में मेरठ संसदीय क्षेत्र से जीत हासिल करने वाली बसपा इसके बाद से ही खाली हाथ है। पार्टी का मकसद मेरठ समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कई सीटों पर फिर से परचम लहराना है।

गोरखपुर में जल्द शुरू होगा पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद गोरखपुर में प्रस्तावित पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को महाविद्यालय स्थापना के संबंध में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का अवलोकन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर में स्थापित होने जा रहा यह महाविद्यालय, पं.दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान, मथुरा से सम्बद्ध होगा । यह पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बिहार और पड़ोसी राष्ट्र नेपाल के पशुपालकों के लिए सर्वथा उपयोगी होगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पशु चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। प्राचीन काल में शालिहोत्र रचित 'शालिहोत्र संहिता' में उल्लिखित 12000 से अधिक श्लोक पशु चिकित्सा में हमारा बेहतर मार्गदर्शन करते हैं। आधुनिक युग में इस क्षेत्र में बहुत प्रगति हुई है। बड़ी संख्या में युवा इस क्षेत्र में शोध-अध्ययन-अध्यापन से जुड़ने को उत्सुक हैं। महाविद्यालय के स्वरूप पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन चरणों में विकसित होने वाले इस महाविद्यालय के लिए 80 एकड़ भूमि चिन्हित की जा चुकी है। विशाल परिसर में हॉस्पिटल ब्लॉक, एकेडमिक ब्लॉक, स्टाफ क्वार्टर, छात्रावास जैसी मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ पशु चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी विभिन्न विधाओं के शोध अध्ययन केंद्रों की स्थापना की जानी चाहिए। बड़े पशुओं के लिए भूतल और छोटे के लिए सुविधानुसार प्रथम तल पर चिकित्सा व्यवस्था होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने पोल्ट्री साइंस, डेयरी सेक्टर के अलावा पशु नस्ल सुधार के लिए शोध आदि के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने महाविद्यालय परिसर को 'नेट जीरो एनर्जी' के कंसेप्ट पर बनाने के लिए बल दिया। साथ ही, स्थापत्य में आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए हरित परिसर के विकास पर जोर दिया। मुख्यमंत्री के निदेशों के अनुरूप प्रारंभिक चरण में यहां स्नातक स्तर पर 100 छात्रों के प्रवेश की व्यवस्था होगी।

झारखंड का इकलौता माता सोनमेर मंदिर जहां संस्कृत नहीं मुंडारी भाषा में होता है मंत्रोच्चार

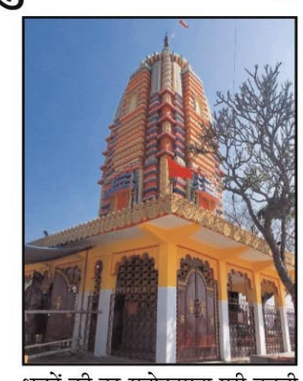

खूंटी, (हि.स.)। आमतौर पर देवी-देवताओं की पूजा वैदिक भाषा संस्कृत में मंत्रोच्चार के साथ की जाती है, लेकिन झारखंड के खूंटी जिले में एक ऐसा मंदिर है, जहां संस्कृत में नहीं बल्कि आदिवासियों में प्रचलित मुंडारी भाषा में वैदिक मंत्रोच्चार होता है। जगत जननी देवी दुर्गा की पूजा की जाती है। यह प्रसिद्ध मंदिर खूंटी जिला अंतर्गत कर्रा प्रखंड के सोनमेर में है। खूंटी जिला जनजातीय बहुल होने के बावजूद यहां प्राचीन काल से शक्ति की आराधना होती आ रही है। यहां के हिंदू ही नहीं, आदिवासी समाज के लोग भी आदि शक्ति की आराधना पूरे भक्तिभाव से करते हैं। आम तौर पपर मंदिरों में माता दुर्गा की आरधना संस्कृत के श्लोकों के साथ होती है, पर कर्रा प्रखंड का ऐतिहासिक सोनमेर माता मंदिर संभवतः एकलौता मंदिर है, जहां माता दशभुजी की आराधना और पूजा-अर्चना संस्कृत में नहीं, बल्कि मुंडारी भाषा में की जाती है। मान्यता है कि सोनमेर माता भक्तों की हर मनोकामना पूरी करती हैं। वैसे तो सालों भर माता के दरबार में भक्तों का तांता लगा रहता है, लेकिन मंगलवार को यहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। कहा जाता है कि मंगलवार को दशभुजी माता की पूजा-अर्चना से माता से विशेष आशीर्वाद की प्राप्ति होती है। मंगलवार को बड़ी संख्या में भक्त माता की दर्शन के लिए सोनमेर मंदिर पहुंचते हैं। नवरात्रि में सोनमेर मंदिर की पूजा का विशेष महत्व है। नवरात्रि समाप्ति के पांच दिनों के बाद अश्विन पूर्णिमा में मंदिर परिसर में बहुत बड़ा मेला लगता है, जिसमें राज्य के बाहर से व्यापारी अपने सामानों की बिक्री के लिए पहुंचते हैं। पूर्व में नवरात्रि की पूजा बड़े धूमधाम से आयोजित होती थी। मान्यता है कि जरियागढ़ के राजा के आदेश के बाद नवरात्रि के पांच दिन बाद मेला लगा कर माता की पूजा होने लगी। मेले के बाद भैंसे की बलि दी जाती है। सोनमेर में माता की पिंडी लगभग 200 साल पुरानी है। 1981 में धल परिवार के सौजन्य से वर्तमान मंदिर की आधारशिला रखी गई। वर्तमान में ओडिशा के कारीगरों द्वारा भव्य 51 फीट ऊंचा गुंबज तैयार किया गया है। मंदिर में पाहन द्वारा मुंडारी भाषा में पूजा-अर्चना कराई जाती है। मंदिर समिति के अध्यक्ष किशोर बड़ाईक ने बताया कि झारखंड, ओडिशा, बंगाल, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश से बड़ी संख्या में भक्त माता से मनोकामना मांगने और मनोकामना की पूर्ति होने पर आभार जताने माता के दरबार में आते हैं।

रांची से बेड़ो जाने के लिए कार-जीप के लिए 30 रुपये और मिनी बसों से 50 रुपये लिया जायेगा

रांची, (हि.स.)। राजधानी रांची से पलमा के बीच एनएच-23 पर कल से चलने के लिए टोल लिया जायेगा। एनएचएआइ टोल प्लाजा को 19 अक्टूबर से चालू करेगा। टोल प्लाजा के 20 किमी दायरे में रहने वालों से एक निश्वित रकम लेकर टोल पास दिया जायेगा। एनएचएआइ ने विभिन्न श्रेणी के वाहनों के लिए टोल दर भी निर्धारित कर दी है। कार, जीप, वैन या लाइट मोटर व्हीकल से 30 रुपये व उसी दिन लौटने पर 45 रुपये, एक माह में 50 बार सिंगल यात्रा करने पर 1040 रुपये लिये जायेंगे। हल्के वाणिज्यिक वाहन, हल्के गुड्स वाहन, मिनी बस से सिंगल यात्रा पर 50 रुपये व उसी दिन वापसी पर 75 रुपये और एक महीना में 50 सिंगल जर्नी करने पर 1650 रुपये देने होंगे। बस और ट्रक से 105 रुपये व उसी दिन वापसी के लिए 160 रुपये तथा एक महीने में 50 सिंगल जर्नी के लिए 3525 रुपये का पास बनाया जायेगा। श्री एक्सेल वाणिज्यिक वाहन से सिंगल जर्नी के लिए 115 रुपये व उसी दिन वापसी के लिए 175 रुपये और एक महीने में 50 सिंगल जर्नी पर 3845 रुपये लिये जायेंगे। एनएचएआइ ने पिस्का मोड़ से पलमा तक फोरलेन सड़क का निर्माण तीन साल पहले कर दिया था। इसमें अभी तक टोल प्लाजा चालू नहीं हो सका था। जमीन की समस्या थी, अब टोल प्लाजा बनने के बाद इसकी वसूली चालू होगी।

रांची एयरपोर्ट पर इंडिगो पायलट की सूझबूझ से बड़ा हादसा टला

रांची, (हि.स.)। रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर बुधवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे पायलट की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट के इंजन में अचानक खराबी आ गयी, जिसके बाद पायलट ने ऐनवक्त पर उड़ान रोक दी। इसके बाद एयरपोर्ट अथॉरिटी और रिपेयरिंग टीम को तकनीकी खराबी की जानकारी दी। सूचना के बाद रिपेयरिंग टीम और इंजीनियर मौके पर पहुंचे और विमान में आयी तकनीकी खराबी की जांच शुरू की। इंडिगो की विमान संख्या 6ई 7562 उड़ान भरने ही वाला था कि उसके इंजन में तकनीकी खराबी आ गयी, जिसकी जानकारी पायलट ने तुरंत एयरपोर्ट अथॉरिटी को दी। सूचना मिलते ही यात्रियों को विमान से बाहर निकाला गया और रिपेयरिंग टीम को तकनीकी खराबी की जांच में लगा दिया गया। इंडिगो की विमान रांची से कोलकाता के लिए उड़ान भरने वाली थी। फ्लाइट में करीब डेढ़ सौ यात्री बैठे थे। लेकिन पायलट की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। एयरपोर्ट निदेशक अनिल कुमार ने बताया कि उड़ान भरने से पहले ही

इंडिगो की विमान संख्या 6ई 7562 के इंजन में तकनीकी खराबी आ गई, जिसकी जानकारी एयरपोर्ट अथॉरिटी को मिलते ही यात्रियों को विमान से बाहर निकाल दिया गया और विमान में आई तकनीकी खराबी की जांच में रिपेयरिंग टीम को लगा दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह विमान रांची से कोलकाता के लिए उड़ान भरती है। लगभग डेढ़ सौ यात्री इस में बैठे हुए थे और कोलकाता के लिए उड़ान भरने वाले थे लेकिन सही समय पर पायलट ने तकनीकी खराबी की जानकारी एयरपोर्ट अथॉरिटी को दी, जिसके बाद सुरक्षा के मद्देनजर यात्रियों को विमान से बाहर निकाल दिया गया और उन्हें विमान में आई तकनीकी खराबी की जानकारी दी गई। जानकारी मिलने के बाद कई यात्रियों ने अपना टिकट कैंसिल करा लिया। कई यात्री अब भी इस इंतजार में बैठे हैं कि शायद एयरपोर्ट अथॉरिटी की तरफ से वैकल्पिक विमान का इंतजाम कराया जाएगा। कुछ यात्रियों ने विरोध जताते हुए कहा कि जब एक विमान में तकनीकी खराबी आई है तो विमान कंपनी को दूसरे विमान का इंतजाम करवाना चाहिए। क्योंकि, कई ऐसे यात्री हैं, जिन्हें बहुत जरूरी काम से कोलकाता जाना था।

बिहार में चौथे कृषि रोड मैप का राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने किया शुभारंभ

पटना, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने बुधवार को पटना के बापू सभागार मे चौथे कृषि रोड मैप 2023 की दीप प्रज्जवलित कर इसका शुभारंभ किया। इस मौके पर बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अरलेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अलावे,कृषि,सहकारिता, उद्योग, वन एवं पर्यावरण समेत इससे जुड़े 12 विभागों के मंत्री,अफसर मौजूद रहें। इसके अलावे बड़ी संख्या में किसान,कृषि वैज्ञानिक भी इस कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं। बिहार के लगभग 93.60 लाख हेक्टेयर भूमि में 79.46 लाख हेक्टेयर कृषि योग्य है। राज्य में आज भी 74 प्रतिशत लोग आजीविका के लिए कृषि पर ही निर्भर है। राज्य के जीडीपी में कृषि का करीब 20 प्रतिशत योगदान। पशुधन का करीब 6 प्रतिशत योगदान है। सबको देखते हुए नीतीश ने कृषि रोड मैप लाने का फैसला लिया। नीतीश सरकार ने पहले कृषि रोड मैप में बीज उत्पादन के साथ किसानों की उत्पादकता बढ़ाने की कोशिश की उसके बाद चावल के उत्पादन में बिहार को काफी सफलता मिली। पहले कृषि रोड मैप में बीज उत्पादन के साथ किसानों की उत्पादकता बढ़ाने की कोशिश हुई थी। चावल के उत्पादन में बिहार को काफी सफलता मिली।

पहला कृषि रोडमैप का बजट आकार बेहद छोटा था।दूसरा कृषि रोड मैप 2012 में लागू किया गया। उसके लिए 2011 में नीतीश सरकार ने 18 विभागों को शामिल कर कृषि कैबिनेट का गठन किया था। बिहार को दूसरे किसी रोड मैप में कई पुरस्कार भी मिले। 2012 में चावल उत्पादन के लिए कृषि कर्मण पुरस्कार मिला। 2013 में गेहूं उत्पादन के क्षेत्र में कृषि कर्मण पुरस्कार मिला। 2016 में मक्का के उत्पादन के क्षेत्र में कृषि कर्मण पुरस्कार। तीसरा कृषि रोडमैप 2017 में लागू किया गया। कोरोना काल के कारण रोडमैप को एक साल बढ़ाया गया। तीसरे कृषि रोड मैप में ऑर्गेनिक खाद पर जोर दिया गया। किसानों को खेतों तक बिजली पहुंचाने में सरकार सफल रही। इसमें बिहार में हरित पट्टी बढ़ाने पर जोर दिया गया। राज्य में फिलहाल 15 प्रतिशत हरित पट्टी है।

स्नातकोत्तर में सीट कम करना लनामिवि छात्र विरोध कार्य : अभाविप

बेगूसराय, (हि.स.)। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा स्नातकोत्तर में 2576 सीट कम करने को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जीडी कॉलेज इकाई द्वारा कुलपति के विरोध में आज जीडी कॉलेज में आक्रोश मार्च निकाल कर प्रदर्शन किया गया। मौके पर उपस्थित पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य अजीत चौधरी ने कहा कि ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के पीजी प्रथम सेमेस्टर सत्र 23-25 में कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय से जुड़े 14 विषयों में पिछले वर्ष की तुलना में 2576 कम सीटो पर नामांकन के लिए अधिसूचना जारी किया गया है। हजारों छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाला विश्वविद्यालय प्रशासन जल्द से जल्द 2576 सीटों पर राजभवन को आश्वस्त करके पुनः नामांकन ले। अन्यथा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। आंदोलन की सभी जवाबदेही विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी। विभाग संयोजक

सोनू कुमार एवं जिला संयोजक पुरषोत्तम कुमार ने कहा कि इंटर और स्नातक में छात्र-छात्राओं के नामांकन बढ़ने से स्नातकोत्तर में भी नामांकन बढ़ाने के बजाय विश्वविद्यालय और राजभवन के द्वारा नामांकन कम करना छात्र विरोधी कार्य है। विद्यार्थी परिषद सरकार से मांग करती है कि इंटर और स्नातक के नामांकन के अनुपात में स्नातकोत्तर की सीट को और बढ़ाए। मौके पर उपस्थित प्रदेश कार्यकारणी सदस्य निशांत झा एवं कॉलेज अध्यक्ष प्रहलाद कुमार ने कहा कि नव गठित कॉलेज इकाई के द्वारा इस समस्या को लेकर राज्यभवन को पत्र लिख द्वारा प्रधानाचार्य को सौंपा गया है। मौके पर रौशन, सत्यम, आलोक, मनीष, राजा, साकेत, बाबूलाल, अंकित, आकाश गौतम, गुलशन एवं हर्ष सहित अन्य छात्र-छात्रा उपस्थित थे।

राष्ट्रीय महिला आयोग के निरीक्षण में बिहार के नंबर-वन अस्पताल में मिली बड़ी गड़बड़ी

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार के नंबर वन अस्पताल सदर अस्पताल बेगूसराय कागज पर भले ही कितना भी दुरुस्त हो, लेकिन यहां व्यवस्थाओं में बड़ी गड़बड़ी है। बुधवार को राष्ट्रीय महिला आयोग के औचक निरीक्षण में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी मिली है। राष्ट्रीय महिला आयोग के सदस्य ममता कुमारी ने बुधवार को जब बेगूसराय सदर अस्पताल का निरीक्षण किया तो गड़बड़ी देखकर चौंक गई। उन्होंने बताया कि सदर अस्पताल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महिलाओं के लिए दी जा रही योजनाओं के क्रियान्वयन की जांच किया, जिसमें बड़ी गड़बड़ी मिली है। उन्होंने बताया कि प्रसव वार्ड और प्रसव के बाद प्रसूति महिलाओं के रहने वाले वार्ड में साफ, सफाई, बेड, बिछावन कुछ भी ठीक नहीं है। सरकार द्वारा इतनी सुविधा मुहैया कराए जाने और राशि आवंटित किए जाने के बावजूद अधूरापन चिंताजनक है। इस संबंध में रिपोर्ट केन्द्र सरकार को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना के तहत प्रत्येक माह के नौ तारीख

को होने वाले जांच एवं दी जाने वाले सुविधाओं की जानकारी के संबंध में किसी महिला ने नहीं बताया। किसी महिला ने सुविधा नहीं मिलने की बात कही है। इन लोगों के पास इस संबंध में जानकारी भी नहीं है। दवा एवं गाइडलाइन की जानकारी नहीं है। जागरूकता और सुविधा उपलब्ध नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने बताया कि इससे पहले जेल का निरीक्षण कर महिलाओं के रहने, खाने, रखरखाव की सुविधा और असुविधा की जानकारी लिया है। अभी हेल्थ सदर अस्पताल का निरीक्षण कर रहे हैं। वन स्टॉप सेंटर, रिमांड होम, कॉलेज के छात्राओं एवं रैन बसेरा सहित सभी का फीडबैक आयोग के माध्यम से केंद्र सरकार को सौंपेंगे। ममता कुमारी ने कहा कि सदर अस्पताल सेवा और सुविधाओं में बड़ी गड़बड़ी के साथ जिले के अन्य मुद्दों पर एसपी सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। राष्ट्रीय महिला आयोग को बेगूसराय से बड़े पैमाने पर आवेदन मिले हैं। 2022 से अब तक 50 से अधिक आवेदन मिले, लेकिन 2022 का भी आवेदन पेंडिंग रखना दुर्भाग्यपूर्ण है।

संपादकीय

ओलंपिक मेजबानी का सपना

भारत के लिए ओलंपिक सपना ही है। हालांकि हम बहुत पहले एशियाई गेम्स और 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों के सफल आयोजन कर चुके हैं। एशिया में ओलंपिक खेलों की मेजबानी अभी तक चीन, जापान, दक्षिण कोरिया के ही हिस्से आई है। भारत इनसे कमतर राष्ट्र नहीं है। विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और 140 करोड़ से अधिक आबादी है, लिहाजा भारत एक व्यापक बाजार भी है और विपुल दर्शकों का देश भी है। हम खेलप्रिय देश भी हैं और करोड़ों लोग टीवी पर भी खेलों के विभिन्न मैच देखते रहे हैं। भारत में फिलहाल एकदिनी क्रिकेट का विश्व कप जारी है। दरअसल भारत का बुनियादी ढांचा किसी भी विकसित देश से कम नहीं है। हमारे देश में राजमार्गों और सड़कों का व्यापक और समुन्नत ढांचा है। बड़े शहर आपस में जुड़े हैं। सुंदर और व्यवस्थित होटल हैं। निर्बाध आवागमन के साधन हैं। खेल मंत्रालय के अधीन प्रशासन और प्रबंधन की अच्छी-खासी व्यवस्था है। भारतीय ओलंपिक समिति और राष्ट्रीय खेल संघों की स्वायत्तता है। हालांकि उनमें पेशेवर सुधारों की गुंजाइश है। विभिन्न खेल संघों का 'राजनीतिक चेहरा' बदलना है। हालांकि ये भी हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था के ही हिस्से हैं। सारांश यह है कि भारत को ओलंपिक खेलों की मेजबानी क्यों नहीं मिलनी चाहिए? हाल ही में चीन में सम्पन्न एशियाई खेलों में 28 स्वर्ण पदकों समेत कुल 107 पदक जीत कर भारत चौथे स्थान पर रहा, लिहाजा खेलों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता, मेहनत और जुनून स्पष्ट हैं। हमारे खिलाड़ियों ने विश्व कीर्तिमान भी स्थापित किए हैं। हॉकी में हम पुरानी ताकत बनते जा रहे हैं और एशियाई खेलों के 'चैम्पियन देश' हैं। अलबत्ता यह भी हकीकत है कि टोक्यो ओलंपिक में भारत पदकों की तालिका में 48वें स्थान पर रहा। वह भी कुछ बेहतर प्रदर्शन था, क्योंकि चार लंबे दशकों के बाद हमारा खिलाड़ी एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीत सका था। बहरहाल खेल के अतिरिक्त भारत ने जी-20 देशों की अध्यक्षता करते हुए, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साबित कर दिया कि वह ऐसी पेचीदा, सुरक्षात्मक, समयबद्ध और सफल मेजबानी करने में भी सक्षम है। दुनिया के लगभग सभी बड़े देशों के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नई दिल्ली में आए थे। इस संदर्भ में मुंबई में आयोजित अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की बैठक महत्वपूर्ण है, जिसके मंच पर प्रधानमंत्री मोदी ने 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने की इच्छा व्यक्त की और पेशकश भी की। उन्होंने इस मेजबानी को 140 करोड़ भारतीयों की भावना और महत्वाकांक्षा से भी जोड़ा। हालांकि ओलंपिक खेल अधिकतर महानगरों और बड़े शहरों में ही आयोजित किए जाते रहे हैं, जिनका सीधा असर अल्पविकसित शहरों के पुनरोद्धार और कुल मिलाकर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। फिर भी ओलंपिक खेलों की मेजबानी हमारे लिए सपना है, चुनौती है और मील पत्थर भी है, क्योंकि इसमें कई पूर्वाग्रह भी जुड़े हैं। भारत के लिए मानवाधिकार और सहिष्णुता संबंधी धारणाएं भी हैं। हमारी कुछ परंपरागत बंदिशें हैं, जो अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के अनुकूल नहीं हैं। क्या उन बंदिशों को हटाया जा सकता है? ओलंपिक खेलों का ही नहीं, वैश्विक सभ्यताओं, संस्कृतियों और नस्लों का आयोजन भी है, लिहाजा हमें अधिक सहिष्णु और मिलनसार भी बनना है, क्योंकि दुनिया हमें किसी सूक्ष्मदर्शी आंख से देख और आंक भी रही होगी। पर्यावरण, स्वच्छ वायु, स्थिरता और टिकाऊपन आदि भी ओलंपिक खेलों की नई शब्दावली है। बहरहाल इस संदर्भ में भारत की मौजूदा स्थिति बेहतर हुई है, लेकिन अब भी कई सवाल हैं। राजधानी में ही प्रदूषण के हालात किसी 'गैस चैंबर' सरीखे होते जा रहे हैं। बहरहाल एक ओलंपिक की मेजबानी करना अनेक बाधाओं वाली मेरॉथन दौड़ के समान है। यदि हमारी सरकार ने संकल्प ले लिया है और वह इस बार बोली भी लगा सकती है, तो गुजरात के सबसे बड़े स्टेडियम, सबसे सम्पन्न बाजार और वैश्विक हीरा उद्योग जैसे व्यवसाय के आधार पर अपने दावे को पुष्ट करे कि भारत ओलंपिक खेल की मेजबानी करने में पूरी तरह सक्षम है।

भारत इनसे कमतर राष्ट्र नहीं है। विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और 140 करोड़ से अधिक आबादी है, लिहाजा भारत एक व्यापक बाजार भी है और विपुल दर्शकों का देश भी है। हम खेलप्रिय देश भी हैं और करोड़ों लोग टीवी पर भी खेलों के विभिन्न मैच देखते रहे हैं। भारत में फिलहाल एकदिनी क्रिकेट का विश्व कप जारी है। दरअसल भारत का बुनियादी ढांचा किसी भी विकसित देश से कम नहीं है। हमारे देश में राजमार्गों और सड़कों का व्यापक और समुन्नत ढांचा है। बड़े शहर आपस में जुड़े हैं। सुंदर और व्यवस्थित होटल हैं। निर्बाध आवागमन के साधन हैं। खेल मंत्रालय के अधीन प्रशासन और प्रबंधन की अच्छी-खासी व्यवस्था है। भारतीय ओलंपिक समिति और राष्ट्रीय खेल संघों की स्वायत्तता है। हालांकि उनमें पेशेवर सुधारों की गुंजाइश है। विभिन्न खेल संघों का 'राजनीतिक चेहरा' बदलना है। हालांकि ये भी हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था के ही हिस्से हैं। सारांश यह है कि भारत को ओलंपिक खेलों की मेजबानी क्यों नहीं मिलनी चाहिए? हाल ही में चीन में सम्पन्न एशियाई खेलों में 28 स्वर्ण पदकों समेत कुल 107 पदक जीत कर भारत चौथे स्थान पर रहा, लिहाजा खेलों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता, मेहनत और जुनून स्पष्ट हैं। हमारे खिलाड़ियों ने विश्व कीर्तिमान भी स्थापित किए हैं। हॉकी में हम पुरानी ताकत बनते जा रहे हैं और एशियाई खेलों के 'चैम्पियन देश' हैं। अलबत्ता यह भी हकीकत है कि टोक्यो ओलंपिक में भारत पदकों की तालिका में 48वें स्थान पर रहा। वह भी कुछ बेहतर प्रदर्शन था, क्योंकि चार लंबे दशकों के बाद हमारा खिलाड़ी एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीत सका था।

कुछ अलग

सियासी दुर्ग में सरकार के फैसले

हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने 'मंडे मीटिंग' के एहसास को सरकार की कार्यप्रणाली का ऐसा दस्तावेज बना दिया है कि इसका असर आम नागरिक की अपेक्षाओं, जरूरतों और अनुभवों तक होता है। इसी कड़ी में लगने जा रही 'इंतकाल अदालतें', अपनी तरह का प्रशासनिक सुधार और लक्ष्य आधारित ऐसा कार्य है, जिसमें जवाबदेही व पारदर्शिता तय हो रही है। आपदा के दबावों से बाहर सुक्खू सरकार ने अब पुनः ठान लिया है कि प्रदेश में इसकी छवि 'कामवाली सरकार' बने। इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल में सरकारें अंततः राजनीतिक सत्ता से कहीं अधिक मुख्यमंत्रियों की अभिलाषा में जानी जाती हैं और यही कदम वर्तमान मुख्यमंत्री को 'प्रशासनिक दृढ़ता' का दर्जा दे रहा है। वाईएस परमार को हालांकि हिमाचल निर्माता माना गया, लेकिन पंजाब पुनर्गठन से सशक्त हुए प्रदेश में ऊपरी व निचले हिमाचल की खाई को पाटने में वह सियासत को निर्दोष साबित नहीं कर पाए। इसके बाद भी हिमाचल के मुख्यमंत्री का पद अपने दायित्व के प्रयोग में केवल वहां तक सफल रहा, जहां तक सरकार रही, लेकिन इसके प्रभाव में सभी की अपनी-अपनी पार्टियां कमजोर हो गईं। शांता कुमार एक कडक़ प्रशासक व विजनरी मुख्यमंत्री की हैसियत में पूरे देश के मानक बदलते रहे, लेकिन सियासत के सत्तू नहीं पी सके, नतीजतन दो बार उन्हें अपना अधूरा सफर छोडऩा पड़ा और तीसरी बार उनके दावे के खिलाफ पार्टी ने अपना तरीका-सलीका व चेहरा बदल लिया। भाजपा के दो बार मुख्यमंत्रित्व काल के पूरे वर्ष गुजारने के बावजूद प्रेम कुमार धूमल, भीतरी सियासत को न साध सके और न ही संतुलित कर पाए। यकीनन वह भी बतौर मुख्यमंत्री जनता के काफी नजदीक और अपने फैसलों के मसीहा बने, लेकिन राजनीति के दुर्ग में अपनी ही पार्टी के कारण परेशान हुए। इसी पार्टी ने जयराम ठाकुर को मुख्यमंत्री की हैसियत में वर्चस्व और प्रश्रय दिया, लेकिन एक बार फिर भाजपा अपने ही ओहदेदार को राज्य की राजनीति में पारंगत नहीं कर सकी। यहां वीरभद्र सिंह के राजनीतिक चरित्र को भी दो अलग-अलग पहचान में देखा जाएगा। वह विकास पुरुष व प्रशासनिक अवतार की तरह एकछत्र साम्राज्य स्थापित करने की चेतना में पार्टी की हर सरहद को तराशते रहे, लेकिन राजनीतिक तौर पर उनके व्यक्तित्व के टकराव महंगे पड़े। बावजूद इसके कि वह पहले चरण में शिमला केंद्रित सियासत के तहत मुख्यमंत्री की सशक्त पारी खेल पाए, अंततः उन्हें भी अपनी राजनीति को प्रशासनिक दृष्टि देते हुए शीतकालीन प्रवास, विधानसभा का शीतकालीन सत्र, शीतकालीन राजधानी व शिमला से निचले हिमाचल में कार्यालयों का स्थानांतरण करना पड़ा।

स्थानीय जरूरतों और बाजार की मांग के अनुरूप इनोवेशन और रिसर्च को बढ़ावा मिले

हमारे कालेज बनें रिसर्च सेंटर

डा. वरिंदर भाटिया

उद्योग और अनुसंधान संगठनों के संभावित सहयोगियों की पहचान करके परिसरों में अनुसंधान को बढ़ावा देने, परियोजना प्रस्तावों में मदद करने और समय सीमा के पालन की निगरानी करने के लिए भी गाइड लाइन नियामक संस्थान पहले जारी कर चुका है। इसके अलावा रिसर्च को लेकर कई स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं। उच्च शिक्षा किसी भी व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के विकास की धुरी होती है। उच्च शिक्षा के बिना कोई भी राष्ट्र, समाज या व्यक्ति प्रगति नहीं कर सकता है।

ताजा खबरों के अनुसार केंद्र सरकार चाहती है कि एक साल के भीतर सभी विश्वविद्यालयों, कॉलेज और उच्च शिक्षण संस्थाओं में रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल का गठन हो, जिससे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में उच्च शिक्षण संस्थान और उद्योग मिलकर काम कर सकें और स्थानीय जरूरतों और बाजार की मांग के अनुरूप इनोवेशन और रिसर्च को बढ़ावा मिले। तथ्यों को खंगालें तो अभी तक 244 विश्वविद्यालय और 298 महाविद्यालयों सहित 542 उच्च शिक्षण संस्थानों ने अपने परिसरों में आर एंड डी सेल का गठन किया है। इसके अलावा उद्योग लिंकेज को जोडक़र आर एंड डे सेल का गठन करने वाली संस्थाओं की संख्या 1100 के आसपास है। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के योगदान में समयबद्ध तरीके से सभी विश्वविद्यालयों, उच्च शिक्षण संस्थानों में यह सेल स्थापित किया जाना है। देश में पंजीकृत विश्वविद्यालयों/विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों की कुल संख्या 1113, कॉलेजों की संख्या 43796 और स्वचलित संस्थानों की संख्या 11296 है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भारत की स्थिति सिर्फ ठीक-ठाक है। इस क्षेत्र को अगर पहुंच, समानता और गुणवत्ता के स्तर पर जांचें, तो हम तीनों ही स्तर पर अपनी युवा पीढ़ी को न्याय देने में अक्षम रहे हैं। हमारे देश में उच्च शिक्षा संस्थानों की कमी नहीं है, परंतु उनमें सभी प्रकार की गुणवत्ता का अभाव है। प्राध्यापकों की कमी के साथ-साथ पुस्तकों और अन्य सुविधाओं की बहुत कमी है। अनेक संस्थानों में संकाय प्राध्यापकों के लिहाज से लगभग आधे खाली हैं। विशेष तौर पर दक्षिण भारत के संस्थानों में बहुत ज्यादा कैपीटेशन शुल्क लिया जाता है। इसके साथ ही यहां उच्च शिक्षा एक तरह से राजनीतिज्ञों के लिए व्यवसाय का साधन बन गया है, क्योंकि इन्हीं की मदद से ये संस्थान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से ऋण की सुविधा प्राप्त करते हैं। ऐसा लगता है कि ये संस्थान डिग्री प्रदान करने की फैक्टरी मात्र हैं। उच्च शिक्षा संस्थानों में से अधिकतर का पाठ्यक्रम बहुत पुराना तो है ही, वह विद्यार्थियों के लिए सृजनात्मक भी नहीं है। एक अनुमान के अनुसार हमारे कुल स्नातकों में से केवल 5 प्रतिशत को ही रोजगार मिल पाता है। हमारे संस्थानों में रिसर्च यानी कि अनुसंधान की सुविधाएं न के बराबर हैं। यही कारण है कि विश्व के उत्कृष्ट 200 संस्थानों में भारत का एक भी संस्थान शामिल नहीं है, जबकि चीन के 10 संस्थान इस सूची में शामिल हैं। हालांकि यह अंतरराष्ट्रीय सूचीक्रम कोई एकमात्र मानदंड नहीं है, फिर भी यह भारतीय उच्च शिक्षा के स्तर की झलक तो दे ही देता है। यकीनी तौर पर विद्यालय से निकले प्रत्येक विद्यार्थी को विश्वविद्यालय में प्रवेश का अधिकार मिलना चाहिए। कुछ सुझाव हैं- हर तीन वर्ष बाद विश्वविद्यालय का एक ऑडिट करवाया जाए। साथ ही संस्थान राशि का ब्योरा विधायिका को सौंपा जाए, प्राध्यापकों का चुनाव और तरक्की उनके काम के पुनरीक्षण के आधार पर किया जाए। पुनरीक्षण के इस कार्य को संकाय के ही प्राध्यापक बाहरी विद्वत समीक्षा के आधार पर करें। नियुक्ति के हर तीन वर्ष बाद इन प्राध्यापकों का गुणांकन किया जाए। वरिष्ठता के आधार पर कोई तरक्की के साथ काबीलियत भी देख ली जाए। गुणांकन के बाद ही वेतन वृद्धि की जाए। वेतन-व्यवस्था लचीली हो, जिससे असाधारण प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया जा सके। दूरस्थ शिक्षा की आधुनिक तकनीक का पूरा लाभ उठाया जाना चाहिए। विशेषकर उच्च श्रेणी के पाठ्यक्रमों में उपलब्ध इंटरनेशनल मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेस सिस्टम का उपयोग किया जा सकता है। हमारे विद्यार्थियों के स्तर को बढ़ाने के साथ ही यह प्राध्यापकों की कमी को भी पूरा कर सकेगा। देश के उच्च शिक्षा संस्थानों को भी अनुसंधान के साथ स्थानीय उद्योगों और व्यवसायों से जोड़ा जाना चाहिए। इससे देश के विश्वविद्यालयों में भी ऊंचे स्थान पर आने की होड़ शुरू कर दी जाए। विदेशों में प्राध्यापकों और अच्छे विद्यार्थियों को अपने-अपने संस्थानों में बुलाने की होड़-सी लगी रहती है। वहां किसी प्राध्यापक के चले जाने के साथ ही उसके साथ जुड़ी समस्त शोध योजनाएं विद्यार्थी और लैब तक स्थानांतरित हो जाते हैं। इसलिए सभी संस्थान शोध, अनुसंधान एवं अन्वेषण के लिए सभी सुविधाएं देना चाहते हैं। यदि भारत में भी हम ऐसा कर सकें, तो अच्छा होगा। विदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों में बाहरी एजेंसियों से शोध के लिए धनराशि ली जाती है। भारत में ऐसा किया जा सकता है, बशर्ते यूजीसी एवं सीएसआईआर जैसे अनुदान संस्थानों को प्रशासकीय नियंत्रण से मुक्ति मिल सके। सुनते हैं कि बड़ी संख्या में कॉलेजों ने अनुसंधान और विकास सेल स्थापित करने की विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सलाह को अभी तक नजरअंदाज कर दिया है। उद्योग और अनुसंधान संगठनों के संभावित सहयोगियों की पहचान करके परिसरों में अनुसंधान को बढ़ावा देने, परियोजना प्रस्तावों में मदद करने और समयसीमा के पालन की निगरानी करने के लिए भी गाइड लाइन नियामक संस्थान पहले जारी कर चुका है। इसके अलावा रिसर्च को लेकर कई स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं। उच्च शिक्षा किसी भी व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के विकास की धुरी होती है। उच्च शिक्षा के बिना कोई भी राष्ट्र, समाज या व्यक्ति प्रगति नहीं कर सकता है। उच्च शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा व्यक्ति, समाज या देश का मूल्यांकन किया जा सकता है। उच्च शिक्षा नागरिकों में आत्मविश्वास, आत्मगौरव, आत्मसंतोष जैसे भावों को भरने के साथ-साथ समाज सेवा जैसे सद्गुणों को विकसित करने की अलौकिक शक्ति है। भारतीय उच्च शिक्षा परिदृश्य में अनुसंधान क्षमता निर्माण चर्चा का एक महत्वपूर्ण बिंदु बन गया है। अब समय आ गया है कि अनुसंधान के लिए अधिक आलोचनात्मक, संबंधपरक और चिंतनशील दृष्टिकोण अपनाने के लिए पुनर्विचार किया जाए और तत्परता से कार्य किया जाए। यह तभी संभव हो पाएगा जब हमारी उच्च शिक्षा स्तरीय और गुणात्मक होगी। इस काम को हमारे कॉलेज रिसर्च को उत्साहित करके भली-भांति अंजाम दे सकते हैं।

रसायन मुक्त खेती की उपयोगिता

मानव स्वास्थ्य का प्रश्न भी बहुत हद तक कृषि उत्पादों के जहर मुक्त होने पर निर्भर है। 140 करोड़ लोगों को खद्यान्न उपलब्ध करवाने की जिम्मेदारी तो है ही। इन सारी चुनौतियों को कुछ-कुछ निपटाने की क्षमता हो, ऐसी कृषि पद्धति की तलाश लंबे समय से रही है। हरित क्रांति के पहले, अन्न के संकट से देश दो-चार था। हरित क्रांति आई तो अपने साथ रासायनिक खाद और फसल की बीमारियों से लडऩे वाले जहर लेकर आई। इन रासायनिक छिडक़ावों के बाद जहरीले तत्वों का कुछ प्रतिशत अनाजों, फलों, सब्जियों में बचा रह जाता है। रासायनिक खाद मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को धीरे-धीरे घटाते जाते हैं और रासायनिक खाद की मात्रा की मांग बढ़ती जाती है। इससे कृषि की लागत बढ़ जाती है। हालांकि बाजार की व्यवस्थाएं भी इससे मिल कर खेती को लगातार कम लाभदायक बनाने में अपनी भूमिका निभाती हैं। किन्तु मिट्टी की घटती उत्पादकता का क्या करें? इससे निपटना उपरोक्त सभी चुनौतियों के सन्दर्भ में सबसे महत्वपूर्ण हो जाता है।

हमारे देश में कृषि क्षेत्र के सामने कई चुनौतियां प्रस्तुत हैं। एक ओर किसान के लिए कृषि को लाभदायक बनाने की चुनौती है तो दूसरी ओर मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बचाने-बढ़ाने की जरूरत है। मानव स्वास्थ्य का प्रश्न भी बहुत हद तक कृषि उत्पादों के जहर मुक्त होने पर निर्भर है। 140 करोड़ लोगों को खद्यान्न उपलब्ध करवाने की जिम्मेदारी तो है ही। इन सारी चुनौतियों को कुछ-कुछ निपटाने की क्षमता हो, ऐसी कृषि पद्धति की तलाश लंबे समय से रही है। हरित क्रांति के पहले, अन्न के संकट से देश दो-चार था। हरित क्रांति आई तो अपने साथ रासायनिक खाद और फसल की बीमारियों से लडऩे वाले जहर लेकर आई। इन रासायनिक छिडक़ावों के बाद जहरीले तत्वों का कुछ प्रतिशत अनाजों, फलों, सब्जियों में बचा रह जाता है। रासायनिक खाद मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को धीरे-धीरे घटाते जाते हैं और रासायनिक खाद की मात्रा की मांग बढ़ती जाती है। इससे कृषि की लागत बढ़ जाती है। हालांकि बाजार की व्यवस्थाएं भी इससे मिल कर खेती को लगातार कम लाभदायक बनाने में अपनी भूमिका निभाती हैं। किन्तु मिट्टी की घटती उत्पादकता का क्या करें? इससे निपटना उपरोक्त सभी चुनौतियों के सन्दर्भ में सबसे महत्वपूर्ण हो जाता है। खेती को टिकाऊ बनाने के लिए इसका महत्व सबसे ज्यादा है। इन सब बातों को देखते हुए देश भर में अपने-अपने स्तर पर चिंतन और प्रयोग शुरू हुए। किसान, जो रासायनिक कृषि का आदी हो गया था, उसे विश्वास में लेना और यह सिद्ध करना कि गैर रासायनिक कृषि में उपज में कोई कमी नहीं आने वाली है, यह भी अपने आप में एक वाजिब चुनौती थी। इन हालात में जैविक कृषि, ऋषि खेती, जीरो बजट खेती (जिसे बाद में प्राकृतिक खेती भी कहा जाने लगा) और लो एक्सटर्नल इनपुट सस्टेनेबल खेती आदि कई प्रयोग हुए। असल में इन सभी प्रयोगों की सांझी समझ यह थी कि खेती में जहरीली रासायनिक खादों, रासायनिक कीटनाशकों और घास मारने वाली दवाइयों का प्रयोग न किया जाए और उपज में भी कोई कमी न आए। जैविक कृषि में गोबर की खाद व पत्तों की खाद को वैज्ञानिक तरीके से बनाने पर जोर दिया गया जिसमें गड्ढों में खाद बनाने और केंचुआ खाद बनाने पर जोर दिया गया। गोमूत्र से भी खाद बनाने की बात हुई। जीरो बजट खेती में गोमूत्र से जीवामृत, घन जीवामृत बनाने पर जोर दिया गया। देसी गाय के मूत्र और गोबर थोड़ा सा डाल कर घोल बना कर यह खाद बनाई जाती है। इसके अलावा कीटनाशक भी जैविक तत्वों से बनाने का विकास किया गया। ऋषि खेती या पूर्ण प्राकृतिक खेती जापानी वैज्ञानिक डा. फुकुओका की वन स्ट्रा रेवोलुशन पर आधारित विधि है, जिसमें जमीन को प्राकृतिक रूप से ही उपजाऊ बनाने की कला विकसित की गई, जिसमें रासायनिक तत्वों की बात तो दूर, जैविक खाद या गोमूत्र आदि कुछ भी नहीं डाला जाता। न ही जमीन की जुताई की जाती है। यह विधि तो ज्यादा प्रचलित नहीं हो पाई परन्तु जैविक और जीरो बजट खेती का प्रचार हुआ और उसके प्रयोगों के अच्छे परिणाम भी सामने आए। श्री विधि से धान और अन्य फसलों में भी भरपूर फसल प्राप्त करने के सफल प्रयोग हुए। देहरादून की संस्था पीपल साइंस इंस्टिट्यूट ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हिमाचल प्रदेश में भी उनके ही सहयोग से आरटीडीसी संस्था ने सफल प्रयोग किए, जिसके परिणामस्वरूप पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ भी सांझा प्रयास उनकी देखरेख में किए गए। इसी तरह जीरो बजट खेती के प्रयोग भी अपनी सफलता सिद्ध करने में सफल हुए। आत्मा परियोजना के अंतर्गत इस दिशा में अच्छा काम हुआ, जिसे एक सफल शुरुआत कहा जा सकता है। ये जो भी दो-तीन तरह की गैर रासायनिक कृषि पद्धतियां हैं, इनके आपसी टकराव बे-मायनी हैं। इनमें थोड़ा थोड़ा अंतर जरूर है किन्तु असल लक्ष्य भी एक है और आपस में बहुत समानताएं भी हैं। इनके एकांगी प्रयोग से अच्छा हो कि इन पद्धतियों के मिले जुले रूप को सुविधा के अनुसार प्रयोग कर लिया जाए और इसे एक ही बड़ी योजना का हिस्सा माना जाए। इसे हम जहर मुक्त टिकाऊ खेती कह सकते हैं। अब चिंता है इसके व्यापक फैलाव की। सब किसान इससे लाभान्वित हों, फसल की लागत कम हो, तो किसान का लाभांश भी बढ़े। जहर मुक्त अन्न, फल, सब्जी मिले तो जन-स्वास्थ्य भी सुधरे। दवाई की जरूरत कम हो तो आम जन आर्थिक दबाव मुक्त हो। रासायनिक खेती का एक और बड़ा नुकसान यह भी है कि जमीन की कार्बन प्रचूषण शक्ति कम होती जाती है। कार्बन उत्सर्जन बढ़ जाता है। जहर मुक्त खेती से जमीन की कार्बन प्रचूषण की शक्ति लगातार बढ़ती जाती है जिससे खेती की जमीन कार्बन सिंक का काम भी करने लगती है। यह जलवायु परिवर्तन के इस दौर में एक बड़ी उपलब्धि होगी। हिमालयी प्रदेशों को इसमें विशेष रुचि लेने की जरूरत इसलिए भी है क्योंकि जलवायु परिवर्तन के चलते और गलत विकास तकनीकों के कारण हम ही प्राकृतिक आपदाओं के शिकार हो रहे हैं। जहर मुक्त कृषि जलवायु नियंत्रण में सकारात्मक योगदान देने वाली साबित होगी। इसके साथ ही जुड़ी हुई दूसरी बात है फसल चयन। जिस तरह से कुछ पुराने अन्न कोदरा, कंगनी, सांवां, बाजरा आदि की गुणवत्ता और पौष्टिकता को पहचाना गया है यह सराहनीय है और इसे जहर मुक्त खेती का जरूरी हिस्सा होना चाहिए, क्योंकि ये अन्न कई बीमारियों के इलाज में लाभदायक हैं। इनमें गेहूं और चावल के मुकाबले बहुत अधिक पौष्टिक तत्व हैं। सरकार कुछ प्रयास कर भी रही है, किन्तु बहुत कुछ करना बाकी है। प्रायोगिक तौर पर तो जहर मुक्त खेती पर कार्य हो रहा है। कुछ सरकार कर रही है, कुछ संस्थाएं भी कर रही हैं किन्तु इसे मुख्यधारा में लाना अभी बाकी है, जिसके बिना असली लाभ दृष्टिगोचर नहीं हो सकता। जहर मुक्त खेती को मुख्यधारा में लाने का कार्य सरकार के सीधे खुले सहयोग के बिना नहीं हो सकता।

दृष्टिकोण

पहचान के लिए सादर अपील

इसके उसके बचे खुचे पाठकों, टोले को सूचित किया जाता है कि एक अज्ञात साहित्यकार सा जिसकी आयु लगभग पचास के आसपास है, कद पांच फुट आठ इंच, वजन तीस किलो के आसपास, पेट पीठ से मिला हुआ। उसके पेट को देखकर लग रहा है कि उसने बड़े दिनों से कुछ नहीं खाया था। उसके फटे झोले में तीन चार लाल, हरे, पीले, नीले रंग की डायरियां मिली हैं जिसमें पता नहीं उसने क्या क्या लिखा हुआ है? वही जाने! पर इन डायरियों के किसी भी पन्ने पर अपना नाम-पता नहीं लिखा हुआ है। मरे साहित्यकार ने कबाड़ी का सूती कुरता पाजामा पहना हुआ है जिससे कुछ कुछ लगता है कि वह जैसे गांधीवादी विचारधारा का साहित्यकार हो। उसके पांव में प्रेमचंद के फटे जूते हैं, बाल समय से पूर्व सफेद हुए लगते हैं। अनुमान तो यह भी है कि संभवतः वह कहीं सफेद बालों के साथ ही न पैदा हुआ हो, को शहर के अनाथ अस्पताल में पता नहीं किस श्रद्धालु ने दाखिल करवा दिया था। मरने के बाद भी उसकी आंखों में इतना तेज है जितना बड़े बड़े लाइव देशभक्तों में भी मिलना दुर्लभ है। आज उसे अस्पताल ने मरा घोषित कर दिया है। अस्पताल के पास अटेंडों के साथ मरने वालों की कमी नहीं तो लावारिस को मरने से कौन रोकता? इस संबंध में एक डीडीआर संख्या अमुक, दिनांक अमुक, महीना अमुक, बार अमुक, अमुक तिथि, अमुक थाने दर्ज करवाई गई है। जहां तक थाने को पता है, उसे दिवंगत साहित्यकार के कानूनी वारिसों की कोई जानकारी नहीं है। वैसे बड़े कम ऐसे साहित्यकार होते हैं जिनके कानूनी वारिस होते हैं। मृतक साहित्यकार की जेब में मोबाइल तो मिला है, पर उसमें सिम नहीं है। हां, उसके झोले से पांच सात प्रकाशकों के पते जरूर मिले हैं। इस बारे में जब थाने ने उन प्रकाशकों से संपर्क किया तो उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वे इस साहित्यकार को नहीं जानते। वे इस ही क्या इस तरह के किसी भी साहित्कार को नहीं जानते। उनके पास इस जैसे पचासियों साहित्यकार अपनी किताबें छापने को भेजते रहते हैं, उनके प्रकाशन हाउस के आगे पीछे घूमते रहते हैं। होगा कोई जिसने उनसे अपनी बेकार की किताब छापने को संपर्क किया हो। किताब प्रकाशन का पूरा खर्च उठाने वाले परमादरणीय साहित्यकारों के अतिरिक्त हम गंभीर किताबों तक को गंभीरता से नहीं लेते। पैसे देकर अपनी किताब छापने वाले जुझारू साहित्यकार चाहे लेखन के नाम पर कचरा ही क्यों न लिखे, हम अपने प्रूफ रीडरों से उसे चंदन बनवा सहर्ष छापते हैं। अतः हम केवल ऐसे ही आदरणीय, परमादरणीय, कालजयी साहित्यकारों की किताबों को छापते हैं, और उन्हीं साहित्यकारों का रिकॉर्ड हर थाने को उपलब्ध करवा सकते हैं जो अपनी किताब अपनी जेब से पूरा पैसे लगाने के बाद उसे बेचने का, सरकारी खरीद में भी लगवाने का माद्दा रखते हों। आज का प्रकाशक केवल प्रकाशक है।

देश दुनीया से

दंड देने के लिए हिंसा-बर्बरता ही सहारा...तो इस्राइल और हमास में क्या अंतर है?

इस्राइल और अरबों के बीच संघर्ष के बीज इसके जन्म के समय ही बो दिए गए थे। नवंबर, 1947 के संयुक्त राष्ट्र महासभा संकल्प 181 के अनुसार मई 1948 में इसके निर्माण के बाद विभाजन प्रस्ताव के मुताबिक इस्राइल को 54.5 प्रतिशत क्षेत्र और अरबों को 44 प्रतिशत क्षेत्र दिया गया। इस्राइल को एक राज्य के रूप में मान्यता देकर संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता दी गई, लेकिन फलस्तीनियों के लिए कोई राज्य नहीं बनाया गया। इसके बजाय सात लाख फलस्तीनी शरणार्थी बन गए। अरबों ने इस विभाजन को अस्वीकार कर दिया और इस्राइल को मिस्र, सीरिया, इराक और लेबनान की सेनाओं के संयुक्त हमले का सामना करना पड़ा। इसमें कुछ मदद सऊदी अरब ने भी की। हालांकि, संयुक्त अरब की सेनाएं इस्राइल को नहीं हरा सकीं। फरवरी, 1949 में संयुक्त राष्ट्र के हस्तक्षेप के बाद इस्राइल ने अपने पड़ोसियों- मिस्र, लेबनान, ट्रांसजॉर्डन और सीरिया के साथ अलग-अलग युद्धविराम समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मिस्र ने गाजा पट्टी पर, तो जॉर्डन ने पश्चिमी तट पर अपना कब्जा बरकरार रखा, लेकिन नुकसान में केवल फलस्तीनी ही रहे। विभाजन प्रस्ताव के तहत उन्हें दिया गया क्षेत्र अब इस्राइल के पास चला गया। यह घाव पर नमक छिड़कने जैसा था। फलस्तीनी पश्चिमी तट और गाजा पट्टी के क्षेत्र में ज्यादातर संयुक्त राष्ट्र के शरणार्थी शिविरों में रहने के लिए मजबूर हो गए, जो उनके ऐतिहासिक क्षेत्र का बमुश्किल 22 फीसदी था, जिसके बारे में फलस्तीनियों का दावा है कि यह सैकड़ों वर्षों से उनका है। इस एहसास से कि अरब सेनाएं उसका मुकाबला नहीं कर सकतीं और अमेरिका व उसके सहयोगी उसके पक्ष में खड़े रहेंगे, इस्राइल अपने पड़ोस में और अधिक क्षेत्र हड़पने के लिए प्रोत्साहित हुआ। दुर्भाग्य से फिर सर्वाधिक नुकसान फलस्तीनियों को हुआ। गाजा में स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। 365 वर्ग किलोमीटर के इस क्षेत्र में 21.7 लाख लोग रहते हैं और 13.8 लाख लोग शरणार्थी के रूप में पंजीकृत हैं। सामान्य दिनों में भी कोई बिना इस्राइली परमिट गाजा से पश्चिमी तट नहीं जा सकता और इस्राइली परमिट पाना बहुत मुश्किल है। हमास द्वारा मौजूदा हमले के बाद इस्राइल ने गाजा की पूरी तरह से नाकाबंदी करके बिजली, पानी, गैस और खाद्य आपूर्ति बंद कर दी है और लोगों से वहां से चले जाने के लिए कहा है। वे जाएं तो जाएं कहां और कैसे? संयुक्त राष्ट्र महासभा के सचिव एंटोनियो गुटेरस ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताकर इसकी आलोचना की है। हमास के हिंसक हमलों की निंदा करने वाले यूरोपीय संघ को भी लगता है कि गाजा की पूर्ण नाकाबंदी मानवाधिकारों का उल्लंघन हो सकती है। बेंजामिन नेतन्याहू के प्रधानमंत्री बनने के बाद शांति प्रक्रिया और धीमी पड़ गई। वह अराफात से मिलने तक को राजी नहीं थे। ओस्लो समझौते के तहत जिस स्व-शासन का वादा किया गया था, उसके चिह्न पांच वर्षों में ही हवा हो गए। ओस्लो समझौते की विफलता ने हमास जैसे कट्टरपंथी फलस्तीनियों को मजबूत किया। जाहिर है, ओस्लो समझौते को लागू न करने, फलस्तीनी प्राधिकरण के अधिकार को कमजोर करने और दैनिक आधार पर आम फलस्तीनियों के साथ कठोर व्यवहार ने एक ऐसा माहौल तैयार किया, जिसने शांति के लिए कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी। वर्ष 2007 के बाद जब से हमास ने गाजा पर शासन शुरू किया है, इस्राइल के साथ उसके कई टकराव हुए हैं। इस बार हमास ने इस्राइल की प्रसिद्ध अजेय रक्षा प्रणाली को भेदते हुए समन्वित जमीनी, हवाई और समुद्री हमलों से इस्राइलियों को चकमा दे दिया; उनके रॉकेटों ने लगभग 1,500 इस्राइलियों को मार डाला; उन्होंने महिलाओं और बच्चों सहित लगभग 150 इस्राइलियों को बंधक बना लिया है।

इस्राइल को एक राज्य के रूप में मान्यता देकर संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता दी गई, लेकिन फलस्तीनियों के लिए कोई राज्य नहीं बनाया गया। इसके बजाय सात लाख फलस्तीनी शरणार्थी बन गए। अरबों ने इस विभाजन को अस्वीकार कर दिया और इस्राइल को मिस्र, सीरिया, इराक और लेबनान की सेनाओं के संयुक्त हमले का सामना करना पड़ा। इसमें कुछ मदद सऊदी अरब ने भी की। हालांकि, संयुक्त अरब की सेनाएं इस्राइल को नहीं हरा सकीं। फरवरी, 1949 में संयुक्त राष्ट्र के हस्तक्षेप के बाद इस्राइल ने अपने पड़ोसियों- मिस्र, लेबनान, ट्रांसजॉर्डन और सीरिया के साथ अलग-अलग युद्धविराम समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मिस्र ने गाजा पट्टी पर, तो जॉर्डन ने पश्चिमी तट पर अपना कब्जा बरकरार रखा, लेकिन नुकसान में केवल फलस्तीनी ही रहे। विभाजन प्रस्ताव के तहत उन्हें दिया गया क्षेत्र अब इस्राइल के पास चला गया। यह घाव पर नमक छिड़कने जैसा था।

हमास के हमलों के बीच ब्रिटिश पीएम सुनक जाएंगे इजराइल, कहा– हम दोस्त के रूप में बचाव करेंगे

लंदन ।
इजराइल-हमास के संघर्ष के कारण तनाव बढ़ता जा रहा है। दोनों ओर से करीब पांच हजार लोग मारे जा चुके हैं। ऐसे में जानकारी सामने आ रही है कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक इस सप्ताह में इजराइल की यात्रा करने वाले हैं। हालांकि, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

विदेश मंत्री कर चुकी हैं यात्रा

डाउनिंग स्ट्रीट के एक प्रवक्ता ने इस रिपोर्ट की पुष्टि करने से इनकार कर दिया। साथ ही कहा कि सुनक की यात्रा की पुष्टि सामान्य तरीके से की जाएगी। पिछले हफ्ते विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली इजराइल की यात्रा पर कई थीं। उन्होंने हमास के हमलों के बाद इजराइली लोगों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए यात्रा की थी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन आज इजराइल के दौरे पर जा रहे हैं। सुनक ने कहा, 'कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के अनुरूप किया जाना चाहिए। हालांकि, यह भी है कि वो एक ऐसे समूह से लड़ रहे हैं, जो नागरिकों को पीछे रखता है।' उन्होंने कहा कि वह एक दोस्त के रूप में इजराइल के नागरिकों को बचाने के लिए हर संभव सावधानी बरतने का आह्वान करना जारी रखेंगे।

इससे पहले सुनक ने सऊदी अरब और कतर के नेताओं के साथ बात की। इस दौरान उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संघर्ष को रोकना कितना जरूरी है।

यहां इतने लोगों की हो चुकी मौत

इजराइल और हमास के बीच पिछले 12 दिनों से युद्ध जारी है, जिसमें करीब 5,000 लोगों की मौत हो गई है। गाजा में तीन हजार से अधिक, जबकि इजराइल में 1400 लोगों की जान जा चुकी है। इस बीच गाजा के अस्पताल में विस्फोट हो गया, जिसमें सैकड़ों लोगों की जान चली गई। इजराइल के प्रधानमंत्री का कहना है कि इस हमले का जिम्मेदार हमास है। उन्होंने कहा कि यह हमास आंतकियों ने ही गाजा के अस्पताल में रॉकेट से हमला किया था। वहीं, फलस्तीन और हमास का आरोप है कि इजराइली सेना ने अस्पताल में रॉकेट हमला किया है।

न्यूज ब्रीफ

स्कूल में शिक्षक की हत्या से दहशत में फ्रांस, तीन साल पहले भी काटा था एक टीचर का सिर

पेरिस । फ्रांस में 20 साल के आतंकी मोहम्मद मोगुश्कोव के स्कूल में घुसकर शिक्षक डॉमिनिक बर्नार्ड की चाकू से हत्या करने के बाद पूरा देश दहशत में है। यह हमला एक और स्कूली शिक्षक सैम्युअल पैटी की सिर काट कर की गई हत्या के तीन साल पूरे होने से महज तीन दिन पहले हुआ। पैटी की याद में स्कूलों व अन्य जगहों पर आयोजन होने जा रहे थे। अधिकारी इसे इस्लामी आतंकी हमला बता रहे हैं। तीन और लोग भी घायल हुए हैं, आतंकी को पकड़ लिया गया है। नया हमला छोटे बच्चों के स्कूल में हुआ। बच्चों के अनुसार आतंकी मोहम्मद ने अल्लाह हू अकबर का नारा लगा कर बर्नार्ड की हत्या की। कई अभिभावकों ने घटना को सोशल मीडिया पर देखा। वीडियो तेजी से वायरल हुए। 15 साल के छात्र मारिस लजारा के अनुसार, उन्हें ऐसा लगा कि युद्ध चल रहा है। इसे इजराइल पर सात अक्तूबर के हमास के हमले से भी जोड़ा जा रहा है। फ्रांस में बड़ी संख्या में यहूदी रहते हैं और बीते कुछ वर्षों में यहां बड़ी संख्या में मुस्लिम शरणार्थियों को आश्रय दिया गया है। हमास के हमले के बाद से ही फ्रांस अलर्ट पर है। सात अक्तूबर के बाद यहूदियों से नफरत के 200 मामले दर्ज हुए और 100 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कई शहरों की सड़कों पर पुलिसकर्मी व सैनिक मशीनगनें लिए गश्त कर रहे हैं। बम रखे जाने की सूचनाएं मिलने के बाद कुछ जगहों को खाली करवाया गया है। वहीं, राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने संदेश दिया कि आतंकी स्कूलों में हमले कर रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि स्कूल नहीं रहे तो नई पीढ़ी में न मूल्य होंगे, न चीजों के बारे में आलोचनात्मक ढंग से सोचने की क्षमता।

भारतवंशियों से 1082 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी, तीन संस्थाओं ने 350 से ज्यादा निवेशकों को पहुंचाया नुकसान

वाशिंगटन । अमेरकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग ने भारतीय अमेरिकी समुदाय को निशाना बनाकर चल रही धोखाधड़ी को अस्थायी रूप से रोकने का आदेश दिया है। आदेश में आयोग ने संपत्ति जब्ती और अन्य आपातकालीन राहत देने की भी बात कही है। इस धोखाधड़ी में अप्रैल, 2021 से लगभग 13 करोड़ डॉलर (लगभग 1,082 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। नानबन वेंचर्स एलएलसी के तीन संस्थापक गोपाल कृष्णन, मणिवन्नन शनमुगम और शक्तिवेल पलानी गौंडर हैं। इन सभी को सामूहिक रूप से संस्थापक के रूप में जाना जाता है। इन पर धोखाधड़ी का आरोप है। इसके अलावा धोखाधड़ी में शामिल तीन अन्य संस्थाओं पर भी इनका नियंत्रण है। टेक्सास के पूर्वी जिले के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय में खुली एसईसी शिकायत में आरोप लगाया गया कि प्रतिवादियों ने कथित उद्यम पूंजी कोष में निवेश के लिए 350 से अधिक निवेशकों से 8.9 करोड़ डॉलर से अधिक जुटाए।

पहले मिलाया हाथ, फिर किया अभिवादन; अपने रूसी समकक्ष पुतिन से ऐसे मिले शी जिनपिंग

बीजिंग । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन चीन पहुंचे, जहां चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उनका स्वागत किया। बीजिंग में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के लिए जिनपिंग 130 देशों के प्रतिनिधियों की मेजबानी कर रहे हैं। मेहमानों की सूची में सबसे पहला नाम रूसी राष्ट्रपति पुतिन का है, जो यूक्रेन और मॉस्को हमले के बाद अपना पहला विदेश दौरा कर रहे हैं। रूस के विदेश मंत्रालय ने एक वीडियो शेयर करते हुए बताया कि दोनों नेताओं ने एक कार्यक्रम में मुलाकात की। वीडियो में दोनों नेता हाथ मिलाते और एक-दूसरे को अभिवादन करते हुए दिखें। उन्होंने इस सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले अन्य नेताओं के साथ ग्रुप फोटो में भी शामिल हुए। दोनों नेताओं ने भू-राजनीतिक संघर्षों पर चर्चा की। स्थानीय मीडिया के अनुसार शी ने इस चर्चा में कहा, आज दुनिया शांतिपूर्ण नहीं है।

अब युद्ध का टर्निंग प्वाइंट बनेगा अल अहली अस्पताल ! क्या फलस्तीन के पक्ष में खड़े होने लगे

यरुशलम ।
इजराइल और हमास के बीच में चल रहे युद्ध के दौरान गाजा के अल अहली अस्पताल पर हुआ हमला अब इस युद्ध का बड़ा टर्निंग प्वाइंट साबित हो सकता है। दरअसल इस हमले के बाद जिस तरीके की विश्व व्यापी सरगर्मियां और बयान बाजियां आनी शुरू हुई है उससे विशेषज्ञों को कुछ इस तरह का अंदाजा हो रहा है। दरअसल, इस हमले के बाद ही अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडेन और अरब देशों के नेताओं के बीच होने वाला महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन न सिर्फ रद्द किया गया है बल्कि मुस्लिम देशों की ओर से इस पर कड़ी प्रतिक्रिया भी आनी शुरू हो गई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अस्पताल पर हुए हमले से अब फलस्तीन मुस्लिम देशों को अपने पक्ष में खड़े रहने अपील कर पक्ष में खड़ा करने लगा है। गाजा पट्टी के अल अहली अरब अस्पताल में हुए विस्फोट और उसमें तकरीबन 500 लोगों की जान जाने के बाद माहौल गर्म हो गया है। इस अस्पताल पर हुए हमले के बाद फलस्तीन ने जहां इजराइल पर अस्पताल में बेकसूर लोगों को मौत का जिम्मेदार ठहराया है। वहीं इजराइल ने हमास के आतंकियों की ओर से मिसगाइडेड मिसाइल चलाकर अपने ही अस्पताल में निर्दोष लोगों को मारने का आरोप लगाया है।

रक्षा मामलों के कमांडर अनिल चतुर्वेदी कहते हैं कि गाजा पट्टी के अस्पताल पर हुए हमले से फलस्तीन के पास सभी मुस्लिम देशों को अपने पक्ष में खड़ा करने का बड़ा मौका मिल गया है। वह कहते हैं कि फलस्तीन मुस्लिम देशों से अपने पक्ष में खड़े रहने की अपील लगातार कर रहा है, लेकिन विश्व व्यापी परिदृश्य में बहुत से मुस्लिम देश खुलकर इजराइल का विरोध नहीं कर पा रहे थे। ये देश इजराइल को मिल रही अमेरिकी और अन्य यूरोपीय देशों की मदद का भी विरोध नहीं कर पा रहे थे।

कमांडर चतुर्वेदी कहते हैं लेकिन अस्पताल पर हुए विस्फोट और वहां गई जाने अब इस युद्ध का बड़ा टर्निंग पॉइंट हो सकती हैं। क्योंकि फलस्तीन ने इसी अस्पताल पर हुए हमले को आधार बनाकर उन सभी मुस्लिम देशों से अपने साथ खुलकर खड़े होने और इजराइल समेत अमेरिका और अन्य यूरोपीय देशों की मदद का विरोध करने की मार्मिक अपील की है। रक्षा मामलों से जुड़े विशेषज्ञ बताते हैं कि यह अपील अब फलस्तीन की काम भी करने लगी है। भारतीय विदेश सेवा से जुड़े रहे पूर्व

राजनयिक आलोक सिन्हा कहते हैं कि जिस तरीके से बुधवार को अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडन के साथ अरब देशों की होने वाली शिखर बैठक को रद्द किया गया है वह बहुत हद तक सब बातों को स्पष्ट कर देता है। उनका कहना है कि जिस तरह से जॉर्डन के विदेश मंत्री अयमान सफादी ने घोषणा की कि बुधवार को अम्मान में जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी और फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास की अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन के साथ होने वाली शिखर बैठक रद्द करने की घोषणा की गई है वह मुस्लिम देशों को अब एकजुटता और फिलिस्तीन के पक्ष में खड़े होने के लिए माहौल भी बना रही है। रक्षा मामलों के जानकारों का कहना है कि अब अस्पताल पर हुए हमले को लेकर जिस तरह फलस्तीन और इजराइल एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं उस सच्चाई का भले ही देर में पता चले लेकिन फलस्तीन को अस्पताल पर हुए हमले और वहां हुई मौतों के आधार पर एक बड़ा मानवीय आधार तो मिल ही गया है। जानकारी के मुताबिक और मुस्लिम देशों के प्रतिनिधि अगले कुछ दिनों में फलस्तीन के अस्पताल पर हुए हमले के संबंध में अब के एक बड़े देश में मुलाकात कर इस पूरी स्थिति पर अपना स्टैंड क्लियर करने वाले हैं। विदेशी मामलों के जानकारों का कहना है कि बीते 12 दिनों से चल रहे हैं इस युद्ध में कई मुस्लिम देश खुलकर फिलिस्तीन का समर्थन नहीं कर पा रहे थे। लेकिन इस हमले के बाद सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, मिस्र, जॉर्डन और तुर्की ने भी इजराइल पर गाजा शहर में अल-अहली अरब अस्पताल पर बमबारी करने का आरोप लगाया है। जानकारों का कहना है इन आरोपों के साथ अब फिलिस्तीन का भी पक्ष विश्वव्यापी परिपेक्ष में न सिर्फ बड़ा होता जा रहा है बल्कि उसको मुस्लिम देशों का खुलकर समर्थन मिलने का अनुमान भी लगाया जा रहा है।

विदेशी मामलों के जानकार आलोक सिन्हा कहते हैं कि अस्पताल पर हुई बमबारी और वहां हुई मौत के बाद इजरायल ने भी अपने हमले से इनकार किया है। वह कहते हैं कि इस इंकार और इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से किए गए ट्वीट के बाद उसको डिलीट किए जाने से भी विश्व व्यापी सरगर्मियां बढ़ गई है। रक्षा मामलों के जानकारो का मानना है कि जिस तरीके से इजरायल गाजा पट्टी में हमास के आतंकी और उनके ठिकानों को निशाना बना रहा है उसमें अस्पताल पर हुई बमबारी और गई जानो के बाद यह कहना कि यह हमला इजराइल नहीं किया था मुस्लिम देशों को नहीं पच रहा है। हालांकि रक्षा मामलों के विशेषज्ञ भी मानते हैं कि जिस तरीके के हमले हमास कर रहा है उसमें उनकी कई मिसाइल न सिर्फ मिसगाइडेड होकर उनके ही अपने लोगों पर बरस गई बल्कि कई लोगों के हताहत होने की भी जानकारियां सामने आ चुकी हैं। इसीलिए इजराइल इसको अपना एक बड़ा बचाव पक्ष मानकर अस्पताल पर हुए हमले में हमास को ही दोषी ठहरा रहा है।

मुझे, मेरी पत्नी और बच्चों को दी गई मारने की धमकी, अमेरिकी मेयर ने बयां किया पद संभालने के बाद का वाकया

न्यू जर्सी ।
अमेरिका में न्यू जर्सी के होबोकेन शहर के भारतीय मूल के सिख मेयर ने धमकियों से भरे चिट्ठियों की एक श्रृंखला जारी करते हुए बताया कि उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई। मेयर रवि भल्ला को पिछले साल एक चिट्ठी मिली, जिसमें उन्हें पद छोड़ने की धमकी दी गई थी। हालांकि, इसके बाद उनके परिवार को जान से मारने की धमकी देने के साथ उनके सिख होने पर उन्हें निशाना बनाया गया।

जान से मारने की धमकी दी गई

रवि भल्ला को पहली बार साल 2017 में होबोकेन का मेयर बनाया गया था। मेयर बनने के बाद उन्होंने कहा था कि एक सिख पृष्ठभूमि से होकर अमेरिका के शहर का नेतृत्व करने पर उन्हें गर्व है। इसके बाद साल 2021 में वह एक बार फिर मेयर बने। उन्होंने बताया कि उन्हें पहली बार एक साल पहले चिट्ठी मिली थी, जिसमें उन्हें पद छोड़ने की धमकी दी गई थी। वहीं दूसरी चिट्ठी में उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई।

उन्होंने आगे कहा, मेरे परिवार को लगातार मेल के जरिए चिट्ठी भेजा गया। तीसरी चिट्ठी में कहा गया कि यह आखिरी चेतावनी है। अगर तुमने तुरंत पद नहीं छोड़ा तो हम तुम्हें, तुम्हारी पत्नी और बच्चों को मार देंगे। एक अन्य चिट्ठी में लिखा था, अब मारने का समय आ चुका है।

एक सिख नेता के तौर पर अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा, एक अमेरिकी सिख के तौर पर मुझे अमेरिकी होने पर गर्व है। मैं चाहता हूं कि सभी लोगों को एक समान व्यवहार किया जाना चाहिए।

मेयर ने आगे बताया कि उनके परिवार, पड़ोसी और अन्य रिश्तेदारों के पास धमकी से भरी सामग्री वाले पैकेज भेजे गए। उन्होंने कहा कि धमकी देने वाले व्यक्ति को पकड़ लिया गया है और उसके खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया, लेकिन इस घटना का मुख्य आरोपी अभी भी फरार है।

इजराइल-हमास युद्ध पर अभिनेत्री गिगी हदीद ने रखी अपनी राय, इजराइल सरकार ने दिया करारा जवाब

यरूशलम ।
इजराइली सरकार ने मॉडल-अभिनेत्री गिगी हदीद द्वारा इजराइल-हमास के बीच जारी युद्ध को लेकर किए गए पोस्ट की आलोचना की है। हदीद ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इजराइल-हमास युद्ध पर चर्च करते हुए इसे अनुचित त्रासदी बताया है। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि वह किसी भी यहुदी व्यक्ति को नुकसान पहुंचाने का समर्थन नहीं करती है। अभिनेत्री के इस पोस्ट पर इजराइल सरकार ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

गिगी हदीद ने रखी अपनी राय

मॉडल अभिनेत्री गिगी हदीद ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा कि उनका मानना है कि फलस्तीन समर्थक होना यहूदी विरोधी होने के बराबर नहीं होता है। उन्होंने कहा, इस संघर्ष में फलस्तीनियों के प्रति मेरी गहरी सहानुभूति है। यह एक जिम्मेदारी है, जिसे मैं प्रतिदिन निभाती हूं। मैं अपने यहूदी दोस्तों के सामने भी इसे स्पष्ट करने की जिम्मेदारी महसूस करती हूं। मेरे पास फलस्तीन के लोगों के लिए आशा और सपने हैं, इनमें से किसी में भी यहुदियों को नुकसान पहुंचाना नहीं है। उन्होंने अपने पोस्ट में आगे लिखा, निर्दोष लोगों को आतंकित करना मुक्त फलस्तीन आंदोलन का हिस्सा नहीं है। 28 वर्षीय अभिनेत्री जो खुद एक फलस्तीन मूल की

है, अपनी बहन बेला हदीद के साथ लंबे समय तक मुक्त फलस्तीन आंदोलन का हिस्सा रही है।

इजराइल सरकार ने दिया जवाब

गिगी हदीद के इस पोस्ट पर इजराइल सरकार ने कहा कि उनकी चुप्पी यह बता रही है कि इस संघर्ष में उनका रुख क्या है। इजराइली सरकार ने कहा, उन्होंने अपना समर्थन फलस्तीन के लोगों को दिया है। हमास द्वारा इजराइली नागरिकों के नरसंहार में कुछ भी बहादुरी भरा नहीं है। हमास की निंदा करना फलस्तीन विरोधी नहीं है। इन आतंकियों के खिलाफ लड़ाई में इजराइल का समर्थन करना सही बात है।इजराइल-हमास के बीज जारी युद्ध में अबतक 1400 इजराइली नागरिकों की मौत हो चुकी है।

जयशंकर का चार दिवसीय वियतनाम दौरा संपन्न, दोनों देशों के बीच इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर हुई चर्चा

हनोई ।
विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने वियतनामी समकक्ष बुई थान सोन के निमंत्रण पर 15-18 अक्तूबर 2023 तक वियतनाम की आधिकारिक यात्रा की। इस दौरान उन्होंने ने वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह से भी मुलाकात की और वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के विदेश संबंध आयोग के प्रमुख ले होई त्रुंग के साथ भी चर्चा की। दोनों मंत्रियों ने आर्थिक, व्यापार, वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग पर 18वीं भारत-वियतनाम संयुक्त आयोग की बैठक की सह-अध्यक्षता की और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग सहित भारत-वियतनाम व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान में कहा, दोनों मंत्रियों ने व्यापार, व्यापार आदान-प्रदान, ऊर्जा, वित्तीय, खनिज, सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल, कृषि, संपर्क, रक्षा और सुरक्षा, उन्नत प्रौद्योगिकियों, शिक्षा एवं प्रशिक्षण, विकास सहयोग, न्याय, पर्यटन, थिंक टैंक, सांस्कृतिक और लोगों के आपसी संबंधों में आर्थिक सहयोग बढ़ाने के तरीकों को रेखांकित करते हुए संयुक्त आयोग की बैठक के कार्यवृत्त (बैठक की चर्चा पर तात्कालिक लिखित विवरण) पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। बयान में कहा गया, यात्रा के दौरान दोनों मंत्रियों ने हनोई में ऐतिहासिक ट्रानक्वोक पगोडा का दौरा किया, जहां 64 साल पहले भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति द्वारा वियतनामी राष्ट्रपति को भेंट किया गया एक बोधि वृक्ष लगाया गया था, जो दोनों देशों के बीच बौद्ध धर्म की साझा विरासत का प्रतीक है। विदेश मंत्री ने एक हजार साल पुराने फाट टिच पगोडा का भी दौरा किया जो भारत और अन्य देशों के साथ बौद्ध आदान-प्रदान के केंद्रों में से एक था। विदेश मंत्री ने बैक निन्ह शहर में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की एक प्रतिमा का उद्घाटन किया। मंत्रालय ने कहा, हो ची

मिन्ह शहर में विदेश मंत्री ने पोलित ब्यूरो के सदस्य और हो ची मिन्ह शहर की पार्टी समिति के सचिव गुयेन वान नेन से मुलाकात की। उन्होंने शहर के साथ व्यापार और सांस्कृतिक संबंधों की गतिशीलता के साथ-साथ भारत के साथ सहयोग बढ़ाने के अवसरों की सराहना की। विदेश मंत्री ने ताओ दान पार्क में हो ची मिन्ह शहर में महात्मा गांधी की प्रतिमा का भी उद्घाटन किया।

विदेश मंत्री ने साइगॉन बंदरगाह पर भारतीय नौकायन प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शिनी का भी दौरा किया और युवा चालक दल तथा वियतनामी सैन्यकर्मियों तथा वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत की। विदेश मंत्री ने हो ची मिन्ह शहर में भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय प्रवासियों के साथ भी बातचीत की और भारत-वियतनाम संबंधों को आगे बढ़ाने में उनके योगदान की सराहना की।

इजराइल में बाइडेन बोले– हमास आईएसआईएस से भी बदतर

अस्पताल पर हमला इजराइल का काम नहीं; हमास पर नई पाबंदियां लगाई

तेल अवीव ।
इजराइल-हमास जंग के 12वें दिन अमेरिका के राष्ट्रपति इजराइल पहुंचे। उन्होंने जंग के मुद्दे पर नेतन्याहू से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा- मैं खुद यहां आकर ये दिखाना चाहता था कि हम इजराइल के साथ हैं। हमास ने बेरहमी से इजराइल के लोगों का कत्ल किया है। वो आईएसआईएस से भी बदतर हैं। उन्होंने कहा- इजराइल को अपनी रक्षा करने का पूरा हक है। इसमें अमेरिका हर तरह से उनका साथ देगा। हम अपना वादा निभा रहे हैं। अमेरिका ने हमास पर नई पाबंदियों का ऐलान भी किया है। इनका मकसद उस पर आर्थिक दबाव बढ़ाना है। पाबंदियों के दायरे में हमास मेंबर्स और इसके फाइनेंसर आएंगे। बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन का अनुमान है कि हमास ने गैरकानूनी तौर पर करोड़ों डॉलर का इन्वेस्टमेंट कर रखा है। वहीं, नेतन्याहू ने इजराइल पहुंचने के लिए बाइडेन को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा- हमास ने एक दिन में 1400 से ज्यादा इजराइलियों की हत्या की। अभी इजराइल के लिए यही अच्छी बात है कि उनका सबसे सच्चा दोस्त अमेरिका उनके साथ खड़ा है। इससे पहले इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने तेल अवीव के बेनगुरिअन एयरपोर्ट पर बाइडेन को रिसीव किया। बाइडेन ने नेतन्याहू को देखते ही गले लगाया। इस दौरान इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग भी वहां मौजूद रहे।

बाइडेन बोले- अस्पताल पर अटैक किसी और का काम - बाइडेन

ने इजराइल के साथ एकजुटता का मैसेज उस वक्त दिया है, जब इजराइल पर गाजा के एक अस्पताल पर हमले करने का आरोप लगा है। इसमें 500 लोगों की मौत हो गई। प्रेस ने बाइडेन से अस्पताल पर हमले के बारे में भी सवाल किए। गाजा अस्पताल पर हमले के बाद अमेरिका की सिक्योरिटी सर्विस ने कहा था कि वो इसकी जांच करेगी। हालांकि, बाइडेन ने इस मामले को लेकर इजराइल के ही बयानों को दोहरा दिया। उन्होंने कहा- जितनी मुझे जानकारी है, ये काम इजराइल नहीं किसी और का है। हालांकि, कई लोग हैं जो इसे लेकर कंफर्म नहीं हैं। दरअसल, इजराइल ने कहा है कि ये अटैक इस्लामिक जिहाद ने किया है। वहीं, जब बाइडेन का एयरफोर्स वन विमान जैसे ही एयरपोर्ट पर उतरा तभी इजराइल बॉर्डर के किसुफिम इलाके में अटैक के सायरन बजे। ये इलाका तेल अवीव से काफी दूर है।

इजराइल में बाइडेन के लिए राजनीतिक चुनौती - अलजजीरा के इजराइली फौज हमास के खिलाफ जमीनी कार्रवाई की तैयारी पूरी कर चुकी है और उसे सरकार से हरी झंडी का इंतजार है। इजराइल चाहता है कि अमेरिका हमास के खिलाफ ऑपरेशन में उसकी राजनीतिक और आर्थिक तौर पर मदद करे। इजराइल ने अमेरिका से 10 बिलियन डॉलर की मिलिट्री सहायता मांगी है। इसके लिए नेतन्याहू बाइडेन को मनाने की पूरी कोशिश करेंगे। गाजा में जमीनी कार्रवाई का समर्थन। 7 अक्टूबर को हुए हमास के हमले के बाद इजराइल लगातार गाजा पर बम बरसा रहा है। इसमें 3 हजार से ज्यादा नागरिकों की मौत हुई है। हमास के 6 मिलिट्री कमांडर भी मारे गए हैं। चीन, मिस्र के अलावा कई मुस्लिम देशों का कहना है कि अब इजराइल सेल्फ डिफेंस से परे जाकर गाजा पर कार्रवाई कर रहा है। उसे अब रुक जाना चाहिए। इस बीच इजराइल अमेरिका से चाहता है कि वह गाजा पर कार्रवाई के बाद उसका साथ दे और दूसरे पश्चिमी देशों को भी उनका साथ देने के लिए मनाए।

आआपा ने पंजाब में तैनात किए हलका इंचार्ज

चंडीगढ़ (हिंस)। आम आदमी पार्टी ने पंजाब में संगठन का विस्तार करते हुए 14 विधानसभा हलका प्रभारियों की नियुक्तियां की है। राष्ट्रीय महासचिव संगठन संदीप पाठक की बुधवार को जारी सूची के अनुसार सुजानपुर में अमित सिंह मंटो, पठानकोट में विभूति शर्मा, गुरदासपुर में रमन बहल, दीनानगर में शमशेर सिंह, कादियां में जगरूप सिंह सेखवां, फतेहगढ़ चूड़ियां में बलबीर सिंह पन्नू, डेरा बाबा नानक में गुरदीप सिंह रंधावा, राजासांसी में बलदेवी सिंह, भुलथ में हरसिमरन सिंह, सुलतानपुर लोधी सज्जन सिंह चीमा, जालंधर नॉर्थ में दिनेश ढल्ल, चब्बेवाल में हरमिंदर सिंह संधू, बंगा में कुलजीत सिंह, अबोहर में अरूण नारंग को हलका इंचार्ज नियुक्त किया गया है।

दिल्ली में हुई कांग्रेस सीईसी की बैठक, राजस्थान की निर्विवाद सीटों पर उम्मीदवारों के नाम लगभग तय

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बुधवार सुबह दिल्ली में हुई बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान में उम्मीदवारों को लेकर सिटिंग-गेटिंग का फार्मूला दिया है। इन सबके बीच कुछ ऐसे निर्विवाद नाम हैं, जिन पर फैसला लगभग तय हो गया है, जबकि कुछ नामों पर मंथन का दौर जारी है। अब तक कांग्रेस पार्टी में लगातार यह दावे किए जा रहे थे कि पार्टी इस बार राजस्थान में बड़ी संख्या में वर्तमान मंत्रियों और विधायकों के टिकट काटेगी, लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सिटिंग-गेटिंग का फार्मूला मजबूती के साथ रख दिया है। ऐसे में अब तक जहां कहा जा रहा था कि राजस्थान में करीब 50 फीसदी टिकट वर्तमान विधायकों के काटे जा सकते हैं, वह फार्मूला अब सिटिंग-गेटिंग यानी ज्यादातर वर्तमान विधायकों को फिर से टिकट देने में तब्दील हो सकता है। मुख्यमंत्री अशोक

गहलोत वर्तमान विधायकों के टिकट नहीं काटने के पक्ष में हैं, जिन्हें डोटासरा और रंधावा का भी समर्थन है। अगर यही फार्मूला चलता है तो सचिन पायलट कैंप के ज्यादातर विधायकों को टिकट मिल जाएगा। संभावना है कि ऐसे में पायलट भी इसमें ज्यादा विरोध नहीं करेंगे। हालांकि, जिन 80 सीटों पर कांग्रेस या कांग्रेस के समर्थित निर्दलीय विधायक नहीं है वहां पर 50 फीसदी से ज्यादा टिकट बदले जाने की पूरी संभावना है। इससे पूर्व मंगलवार देर रात तक चली स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में करीब 60 नामों पर सिंगल कैंडिडेट लगभग तय हो चुका है। शेष 140 सीटों पर कांग्रेस इलेक्शन कमेटी में मंथन चल रहा है। पार्टी शुरुआत में पहली सूची में अगर गैर विवादित सीटों पर प्रत्याशी उतारती है तो ऐसे में इन सीटों पर सिंगल नाम तय माना जा रहा है। केंद्रीय चुनाव समिति की राजस्थान को लेकर हो रही बैठक में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद डोटासरा, प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, गौरव गोगोई, केसी वेणुगोपाल, अजय माकन, सलमान खुर्शीद, अमृता धवन, काजी निजामुद्दीन और केएल पूनिया मौजूद हैं।

गोलगप्पों से दिया मतदान का संदेश

बीकानेर (हिंस)। लिम्का बुक रिकॉर्ड होल्डर धर्मेंद्र अग्रवाल ने बुधवार को गोलगप्पों की विशेष सजावट से मतदान का संदेश दिया। अग्रवाल समाज चेतना समिति प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अग्रवाल ने मतदान तिथि और मतदान करने की अपील आकृति गोल गप्पों से बनाई। साथ ही वहां मौजूद लोगों ने सी विजिल ऐप और जागरुकता से जुड़ी तख्तियां और बैनर हाथ में लेकर आमजन को मतदान का आह्वान किया। इस अवसर पर अग्रवाल ने बताया कि प्रत्येक मतदाता को मतदान करना चाहिए। इसके प्रति जागरुकता के सतत प्रयास हो रहे हैं। इसी श्रंखला में लगभग 1500 छोटे-बड़े गोलगप्पों के माध्यम से यह संदेश दिया गया है। उन्होंने बताया कि बीकानेर आगामी दिनों में उनके पास आने वाले ग्राहकों को भी मतदान अवश्य करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। अग्रवाल ने गत विधानसभा चुनाव में भी मतदान का संदेश दिया था। उन्होंने इसे समाजिक सरोकार बताते हुए कहा कि जागरूकता की इस मुहिम से प्रत्येक व्यक्ति को जुड़ना होगा। तभी शत प्रतिशत मतदान का संकल्प पूर्ण हो सकेगा।

लारेंस बिश्नोई व गोल्डी बराड़ गैंग का गुर्गा गिरफ्तार, चार पिस्तौल बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने खरड़ से लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ गैंग के गुर्गे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से चार पिस्तौल और 12 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बुधवार को बताया कि ठोस सूचना के आधार पर एजीटीएफ की पुलिस ने लांडरा में चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेजिज के गेट के पास से हिसार के मांगली निवासी सचिन उर्फ बच्ची को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 4 पिस्तौल और 12 जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी गिरोह के सदस्यों को लॉजिस्टिक्स सहायता और छुपने के ठिकाने मुहैया करवाता था। उन्होंने बताया कि प्राथमिक जांच में यह भी सामने आया है कि सचिन और गिरोह के अन्य मैंबर अपने विदेशी हैंडलरों के इशारे पर सनसनीखेज अपराधों को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे। एआईजी एजीटीएफ संदीप गोयल ने बताया कि सचिन बच्ची का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है और वह पंजाब पुलिस को वांछित था। उन्होंने कहा कि आगे की जांच जारी है और इस मॉडयूल से सम्बन्धित अन्य बरामदगियां और गिरफ्तारियां होने की उम्मीद है।

पंजाब : मुख्यमंत्री ने 35 हजार युवाओं को दिलाई नशे के विरुद्ध शपथ

अमृतसर (हिंस)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मंगलवार को हरिमंदिर साहिब में पंजाब को पूरी तरह नशा मुक्त बनाने के लिए राज्यभर के हजारों नौजवानों को शपथ दिलायी। मंगलवार को पंजाब को पूरी तरह नशा मुक्त बनाने के लिए हरिमंदिर साहिब में एक विशेष अरदास का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ पीली पगढ़ी, पटके और चुननियों के साथ सजे हजारों नौजवानों ने भाग लिया। इस मौके पर सभी ने अरदास की कि पंजाब को नशा मुक्त बनाने और इस कुरीति को जड़ से मिटाने के पवित्र मिशन की कामयाबी मिले। उन्होंने राज्य में नौजवानों की ताकत को रचनात्मक दिशा में लाने के मंतव्य से शुरू किए इस मिशन की सफलता के लिए अरदास की। दरबार साहिब में अरदास की रस्म ग्रंथी सिंह बलजीत सिंह ने निभाई। इस

मौके पर मुख्यमंत्री मान ने कहा कि सदियों से श्री हरिमंदिर साहिब प्रत्येक नेक कार्य के लिए मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। अरदास का एकमात्र मंतव्य राज्य से नशे के श्राप का अंत करने के लिए शुरू किए इस मिशन की सफलता के लिए परमात्मा का आशीर्वाद लेना है। मान ने कहा कि इस मुहिम में बड़ी संख्या नौजवानों की मौजूदगी इस बात का प्रमाण है कि पंजाब की नौजवान पीढ़ी इस नेक कार्य के लिए राज्य सरकार का सहयोग करने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे के खिलाफ यह अपनी तरह की पहली लोक लहर है। उन्होंने कहा कि *होप पहल कदमी* के अंतर्गत शुरू किए इस नशा विरोधी मिशन में अरदास करो, हलड़ लो और खेड्डो की तीन स्तरीय रणनीति बनाई गई है। इस मुहिम के पहले पड़ाव में हजारों नौजवान आज पंजाब को नशा मुक्त बनाने की अरदास में शामिल हुए। उन्होंने बताया कि इस अरदास में हजारों लोग ऑनलाइन भी जुड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार नशे के खिलाफ मुहिम जमीनी स्तर पर शुरू की गई है। वह दिन दूर नहीं, जब लोगों के सक्रिय सहयोग और तालमेल से इस खतरे का बिल्कुल सफाया कर दिया जाएगा। मान ने कहा कि नशा तस्करों को जेलों में डाल कर नशे की सप्लाई लाइन को तोड़ा जा रहा है। साथ ही नशा पीड़ितों के इलाज और उनके पुनर्वास पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

15 दिनों के अंदर खरीदी जाएगी किसानों की पराली : रणजीत चौटाला

झज्जर (हिंस)। राज्य सरकार किसानों से पराली की खरीद अगले 15 दिनों के अंदर शुरू करेगी। पराली खरीद के लिए प्रदेश में अलग-अलग चार केंद्र बनाए गए हैं। यह जानकारी राज्य के बिजली मंत्री रणजीत चौटाला ने बुधवार को बहादुरगढ़ में दी। साथ ही उन्होंने किसानों से पराली न जलाने की अपील की है। मंत्री रणजीत चौटाला मंगलवार को उद्योगपतियों की समस्याएं सुनने के लिए बहादुरगढ़ पहुंचे। प्रदूषण नियंत्रण के उद्देश्य से पराली प्रबंधन के बारे में पूछने पर उन्होंने किसानों से पराली नहीं जलाने का अनुरोध किया। बताया कि 15 दिन के भीतर किसानों से पराली की खरीद शुरू कर दी जाएगी। इस पराली का उपयोग बजली उत्पादन में किया जाएगा। हालांकि मंत्री यह स्पष्ट नहीं कर पाए कि पराली खरीद केंद्र किस-किस जगह बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि किसानों को पराली जलाने से बचना चाहिए। इससे न केवल वायु प्रदूषण फैलता है बल्कि जमीन की उपजाऊ शक्ति भी कम होती है। बिजली संयंत्रों में पराली का प्रयोग किया जाएगा। किसान पराली जलाने के बजाय सरकार को बेचें। इससे आर्थिक लाभ होगा और प्रदूषण भी नहीं बढ़ेगा। मंत्री रणजीत ने बताया कि कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) ने इसकी दरें भी तय कर दी हैं। उसी आधार पर पराली की खरीद की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जितने भी बिजली संयंत्र हैं उन सभी में पराली का प्रयोग होगा। बिजली का उत्पादन किया जाएगा।

राजपूत महाकुंभ में 2024 में भाजपा का विरोध करने का एलान

कैथल (हिंस)। बुधवार को सेक्टर 19 के मैदान में आयोजित क्षत्रिय महाकुंभ में स्वाभिमान यात्रा के दौरान आयोजित जनसभा में राजपूत समाज के लोगों ने 2024 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का विरोध करने का एलान किया है। राजपूत बाहुल्य किसी भी गांव में भाजपा नेता की एंट्री पर बैन भी लगाया गया है। जनसभा की अध्यक्षता कर्नल वीर देवेंद्र सिंह व शेर सिंह राणा ने की। कर्नल देवेंद्र सिंह राणा ने कहा कि राजपूत समाज के नेताओं ने एकजुट से निर्णय लिया है कि 2022 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का विरोध किया जाएगा। राजपूत बाहुल्य किसी भी गांव में भाजपा के नेताओं को घुसने नहीं दिया जाएगा। भाजपा की प्रदेश सरकार ने राजपूत समाज से धोखा किया है। अगर राजपूत समाज सरकार बन सकता है तो उसे हरा भी सकता है। कार्यक्रम की समाप्ति के बाद शहर में स्वाभिमान यात्रा निकाली गई जो शहर के विभिन्न हिस्सों से होकर गुजरी। हुडा मैदान में देशभर से आए नेताओं ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। सुप्रीम कोर्ट की वकील संगीता राणा व नरेंद्र ददलाना ने कहा कि इतिहास के पन्नों से अगर राजपूत समाज का इतिहास निकाल दिया जाए तो बाकी केवल दो पन्ने ही रह जाएंगे। जगदीप राणा कलायत वह हाईकोर्ट की वकील अलीशा चौहान ने कहा कि जो विधानसभा में समाज की आवाज नहीं उठा सकते राजपूत को ऐसे एमएलए नहीं चाहिए। रतनगढ़ के सरपंच जय भगवान ने कहा कि जिस सरकार ने राजपूत पर लाठी चार्ज कराया उसका बहिष्कार जारी रखेंगे। भाकियू के यूपी अध्यक्ष पूर्ण सिंह ने कहा कि एक समाज राजपूत समाज के इतिहास को चुराने का काम कर रहा है। राजपूत समाज के लोग निहत्थों पर वार नहीं करते। एक सांसद और एक विधायक के कहने पर समाज पर लाठी चलाई गई। यदि सरकार ने महापुरुषों का सम्मान नहीं किया तो देश में एक भी वोट भाजपा को नहीं दिया जाएगा।

दो दिन में मंडियों से धान न उठने पर कांग्रेस करेगी प्रदर्शन : राजा वडिंग

पटियाला/चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीपीसीसी) के प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने सरकार को चेतावनी दी है कि दो दिन में मंडियों से धान नहीं उठाया गया तो कांग्रेस मंडियों पर प्रदर्शन करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजा वडिंग ने बुधवार को पटियाला ग्रामीण के रोहती बस्ता और नाभा अनाज मंडी सहित कई ग्राम मंडियों का दौरा किया। उन्होंने धान खरीद के अनसुलझे मुद्दे और चावल मिल मालिकों की चल रही हड़ताल के चलते किसानों को होने वाली कठिनाइयों को लेकर किसानों से चर्चा की। इस दौरान किसानों ने लंबी हड़ताल के चलते धान की फसल खराब होने पर राजा वडिंग से अपना

दर्द सुनाया। पीपीसीसी प्रमुख वडिंग ने कहा कि पंजाब के किसानों ने पहले ही काफी कठिनाइयों का सामना किया है, जिसमें हाल ही में आई बाढ़ भी शामिल है, जिसने इस क्षेत्र को प्रभावित किया है। तीन लंबे महीनों के बाद भी, वे प्रतिकूल परिस्थितियों से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि खराब मौसम और चावल मिल मालिकों की हड़ताल से किसानों की उपज मंडियों में सड़ रही है। राजा वडिंग ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार के दावों के विपरीत जमीनी हकीकत बिल्कुल अलग है। कागज पर कथित प्रगति इसके अनुरूप नहीं है। मंडियों में सड़ रही धान की फसल की कड़वी सच्चाई। उन्होंने कहा कि चावल मिल मालिकों की हड़ताल के चलते राज्यभर में लगभग 66 प्रतिशत धान का स्टॉक जमा नहीं हो पाया है। 15 अक्तूबर तक महज 7.83 लाख टन धान का उठाव हुआ है। ऐसी ही स्थिति रही तो एक सप्ताह में धान भंडारण के लिए मंडियों में जगह की कमी पड़ जाएगी। यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए कि राजा वडिंग ने जोर देकर कहा कि मौजूदा स्थिति ने खरीद का इंतजार कर रहे किसानों और हड़ताल खत्म होने की उम्मीद कर रहे बिचौलियों तक को संकट में डाल दिया है। सरकार के साथ पूरा राज्य इस दुष्चक्र में फंस गया है। इस स्थिति के कारण भविष्य में पंजाब दिवाली और लोहड़ी नहीं मना पाएगा।

जयपुर : अब नहीं होगी करंट से किसी की मौत

जयपुर (हिंस)। भारत ने हर क्षेत्र में प्रगति की है, लेकिन कुछ मामले अभी भी ऐसे हैं, जहां के हालात नहीं सुधरते। मसलन बिजली के मामले में पिछले कुछ वर्षों में काफी बदलाव आया है। लेकिन व्यवस्था के स्तर पर इसकी हालत अब काफी खराब है। क्या आपको पता है हर साल बिजली के करंट से हजारों लोग मारे जाते हैं। भारत में बिजली का झटका मौत का एक प्रमुख कारण रहा है और हर साल यह संख्या बढ़ती जा रही है। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार 2011 से 2020 तक, बिजली के झटके के कारण लगभग 1.1 लाख लोगों की जान चली गई है। इसका मतलब है कि हर साल लगभग 11,000 मौतें होती हैं या हर दिन 30 मौतें होती हैं। ये तो वे आंकड़े हैं जो एनसीआरबी में रजिस्टर्ड हैं, लेकिन बिजली के करंट से होने वाली मौतों के हजारों ऐसे मामले काफी हैं जो कि कहीं दर्ज नहीं हैं। इसके अलावा शॉर्ट सर्किट से आगजनी से करोड़ों रुपए के नुकसान से बचा सकता है। इसे रोकने के लिए जयपुर के एक व्यक्ति ने ऐसी डिवाइस बनाई है, जो इन हादसों को रोकने में मददगार साबित हो सकती है। इस डिवाइस का नाम सेफआन

पावर प्यूरिफाई है। एमएनआईटी के इनोवेशन एंड इन्क्युबेशन सेंटर जयपुर के टैक्नीकल स्पोट से इस डिवाइस (उपकरण) को नौ साल बाद आईपीआरडी (बौद्धिक संपदा अधिकार विभाग) भारत सरकार की ओर से पेटेंट मिल चुका है। इसके अलावा एमएनआईटी कॉलेज, जयपुर से टेस्टिड व अप्रूव्ड यह डिवाइस सेफ्टी प्रोफेशन्ल्स एसोसिएशन आफ इंडिया ने भी सर्टिफाई किया है। वहीं, सेफआन पावर प्यूरिफाई को केंद्र सरकार की ओर से एसएसआई लाइसेंस मिल चुका है। साथ ही आईएसओ सर्टिफाई इस डिवाइस को सीई सर्टिफिकेट प्राप्त है। हर स्तर पर अपनी दक्षता में खरी उतरी इस डिवाइस के भारत में अच्छे परिणामों की बदौलत अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मांग बढ़ने लगी है। यही कारण है कि इस डिवाइस को ओमान, ईरान, दुबई, हॉलैंड व नीदरलैंड में पेटेंट कराकर सेल करने की तैयारी है। डिवाइस के गहन अध्ययन व टेक्निकल सपोट के लिए नीदरलैंड सरकार की संस्था-पम के सीनियर एक्सपर्ट पीटर आलि रुक जयपुर पहुंचे हैं। पीटर आलि रुक करीब 15 दिन तक सेफआन पावर प्यूरिफाई डिवाइस की निर्माता कंपनी पुंटो कॉर्पोरेशन प्रा.लि., जयपुर के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट पर कंपनी के इंजिनियर्स के साथ अपने अनुभव साझा करेंगे। पुंटो के डायरेक्टर धर्मराज बोथरा ने बताया कि इस डिवाइस का अपग्रेडेशन करने के साथ साइज व वजन को कम कर इसके लागत मूल्य को कम करके मध्यम वर्ग की पहुंच तक लाना मुख्य उद्देश्य है। बोथरा ने बताया कि सेफआन पावर प्यूरिफाई डिवाइस को घर या फैक्ट्री के अंदर मीटर के आगे लगाते हैं। इस डिवाइस को लगाने के बाद घर पूरी तरीके से सुरक्षित रहता है। घर में कहीं भी शॉर्ट-सर्किट नहीं होता। साथ ही यह डिवाइस वोल्टेज को भी बैलेंस कर देता है, जिससे घर में मौजूद सभी इलेक्ट्रिक सामान कम या ज्यादा वोल्टेज होने से खराब नहीं होते। बड़े शोरूम और फैक्ट्रियों में भी इस डिवाइस को लगाया जा सकता है। यह डिवाइस घर या फैक्ट्री के किलोवाट लोड के हिसाब से लगाई जाती है।

बेटियां बचेंगीं तो समाज व देश का विकास होगा : अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी सरिता मोर

सोनीपत (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी सरिता मोर ने बुधवार को हरी झंडी दिखाकर यशस्विनी बाईक रैली को सोनीपत से रवाना किया। इस मौके पर सरिता मोर ने कहा कि बेटियां बचेंगीं तो समाज व देश का विकास होगा। इसलिए कन्या भ्रूण हत्या ना करें। देश के लोगों में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं की अलख जगाने और इस अभियान को जनआंदोलन बनाने के लिए सीआरपीएफ महिला पुलिस बल द्वारा निकाली जा रही यशस्विनी बाईक रैली बुधवार सुबह अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी सरिता मोर ने बतौर मुख्यातिथि हरी झंडी दिखाकर सोनीपत से रवानगी दी। यह बाईक रैली सोनीपत के बाद केएमपी के रास्ते बहादुरगढ़ होते हुए गुरूग्राम पहुंचेगी। अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी

सरिता मोर ने कहा कि सीआरपीएफ महिला पुलिस बल द्वारा देश में बाईक रैली निकाली सराहनीय है। महिलाओं से हमारे युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी। कारण मैं इस मुकाम पर पहुंची हूं। आप भी अपनी बेटियों को शिक्षा, खेल व अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ने में साथ दें ताकि वे भी देश व प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। उप-महानिरीक्षक कोमल सिंह ने बताया कि लोगों को जागरूक करने के लिए सीआरपीएफ की महिला पुलिस बल द्वारा इस यशस्विनी बाईक रैली 03 अक्तूबर को श्रीनगर से ची थी।

कोई भी पात्र वंचित न रहें केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाओं से : मनीष ग्रोवर

हिसार (हिंस)। भाजपा जिला प्रभारी एवं पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने जिले के बरवाला, हांसी व उकलाना के पदाधिकारियों की वर्चुअल बैठक ली। इनमें मंडल अध्यक्ष, मंडल पालक, मंडल प्रभारी, शक्ति केंद्र प्रमुख व बूथ प्रमुख शामिल रहे। बुधवार को हुई इन बैठकों की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेन्द्र ने की। जिला प्रभारी मनीष ग्रोवर ने बैठक में पदाधिकारियों से सीधी बात करते हुए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली योजनाओं के लाभार्थियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने बूथ अध्यक्षों से बातचीत करते हुए कहा कि सभी बूथ प्रमुख अपने-अपने पन्ना प्रमुखों से समय-समय पर बातचीत करते रहें व ध्यान रखें कि कोई भी पात्र व्यक्ति केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं से वंचित न रहे। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं का विस्तार से जिक्र किया और कहा कि सरकार ने अंत्योदय की भावना को ध्यान में रखते हुए काम किया है। जिलाध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र ने बैठक में कहा कि सभी पदाधिकारी व कार्यकर्त अपनी जिम्मेवारी को समझते हुए कार्य करें। जिम्मेदारी से काम करने से संगठन मजबूत होता है। उन्होंने जिला प्रभारी को विश्वास दिलाया कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों व योजनाओं की जानकारी देने के लिए हर पदाधिकारी व कार्यकर्ता जनता के बीच जाएगा और जा भी रहा है। जिला मीडिया प्रमुख राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि बैठक में सभी मंडल अध्यक्षों, मंडल पालकों, मंडल प्रभारियों, शक्ति केंद्र प्रमुखों व बूथ प्रमुखों ने अपने-अपने क्षेत्र में केंद्र की नीतियों की जानकारी देने के लिए कड़ी मेहनत करने का भरोसा दिलाया। बैठक में राज्यसभा सांसद डॉ. डीपी वत्स, हांसी विधायक विनोद भ्याना, भाजपा वरिष्ठ नेता श्रीनिवास गोयल, पूर्व विधायक वेद नारंग एवं आशा खेदड़ ने भी अपने विचार रखें। बैठक में उपरोक्त के अलावा मुख्य रूप से जिला महामंत्री धर्मवीर रतेरिया व प्रवीण पोपली, प्रदेश सचिव सरोज सिहाग, सीमा गैबीपुर, रणधीर सिंह धीरू, जिला मीडिया प्रमुख राजेंद्र सपड़ा, सोशल मीडिया प्रमुख अनिल केरों, आईटी प्रमुख रविंद्र रॉकी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

पर्यावरण को संतुलित करने के लिए यज्ञ सबसे बड़ी जरूरत : प्रीति भारद्वाज दलाल

शिव-शक्ति महायज्ञ में भाग लेने मंगाली पहुंचीं राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की सदस्या

हिसार (हिंस)। सभी धर्म ग्रंथों में यज्ञ को सनातन के आधार स्तंभों में से एक माना गया है। अब कुछ वैज्ञानिक शोधों में भी इस बात को स्वीकार किया जा रहा है कि यज्ञ में पर्यावरण संरक्षण व धरती के ताप को संतुलित रखने की क्षमता है। यह बात राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की सदस्या प्रीति भारद्वाज दलाल ने मंगाली के दादी गौरी मंदिर में जन कल्याण हेतु गत 15 अक्तूबर से चल रहे शिव-शक्ति महायज्ञ में यजमान के रूप में शिरकत करने के दौरान कही। उन्होंने कहा कि वीरेंद्र चौधरी नवरात्रि के पावन अवसर पर यह विशाल महायज्ञ करवाने के लिए बहुत-बहुत बधाई के पात्र हैं। वीरेंद्र चौधरी ने न केवल नलवा विधानसभा क्षेत्र बल्कि पूरे प्रदेश में जन कल्याण का यह अनूठा उदाहरण पेश किया है। दिल्ली से विशेष रूप से महायज्ञ में भाग लेने के लिए मंगाली पहुंचने पर मंगाली की

पांचों पंचायतों व अन्य गणमान्यों ने प्रीति भारद्वाज का फूल मालाएं आदि पहना कर जोरदार स्वागत किया। श्रीमती प्रीति भारद्वाज ने अपने पति मनोनीत दलाल सहित बुधवार को सुबह यजमान के रूप में महायज्ञ में आहुति प्रदान की। आयोजन के मुख्य सेवक एवं नलवा से जजपा के पूर्व प्रत्याशी वीरेंद्र चौधरी ने बताया कि पूरे नवरात्रि चलने वाले इस महायज्ञ में प्रतिदिन सुबह हवन, दोपहर के समय श्रीमद्भागवत व शाम के समय दिव्य महा-आरती की जा रही है। मंगाली व आसपास क्षेत्र से भारी संख्या में यजमान व श्रद्धालु दादी गौरी मंदिर में पहुंच कर स्वयं व पूरे नलवा विधानसभा क्षेत्र की सुख, शांति व समृद्धि की कामना कर रहे हैं। यह समस्त आलौकिक आयोजन मां त्रिपुर सुंदरी के आशीर्वाद व जगतगुरु त्रिपुरा पीठाधीश्वर चक्रवर्ती यज्ञ सम्राट श्रीश्री 1008 श्री हरिओम जी महाराज के पावन सानिध्य में हो रहा है। इसके अलावा मंगाली मोहबत के सरपंच प्रतिनिधि बलवंत जोगी, मंगाली सुरतिया के सरपंच बलराज सिंह, मंगाली जाटान से सरपंच प्रतिनिधि सुभाष मांजू, मंगाली झारा के सरपंच जोगेंद्र सिंह, मंगाली आकलान के सरपंच राजेश शर्मा, सिंघरान के सरपंच संजय कुमार, हरिकोट के सरपंच प्रतिनिधि अमित कुमार, सेक्टर-15 से सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य देव शर्मा, जेपी गोयल तलवंडी रुक्का, राधेकृष्णा बड़ा मंदिर हिसार के महंत राहुल शर्मा सहित अन्य गणमान्यों का भी मार्गदर्शन व सहयोग निरंतर मिल रहा है।

नवरात्रि से बाजार में आएगी तेजी, कपड़ों-कंज्यूमर ड्यूरेबल व रियल एस्टेट में होगा भारी उछाल

नई दिल्ली ।
नवरात्र में कपड़ा, कंज्यूमर ड्यूरेबल और रियल एस्टेट क्षेत्र में बिक्री पिछले साल के मुकाबले अच्छी रहने की उम्मीद है।ऑनलाइन खरीदारी के साथशॉपिंग मॉल और बाजारों में भी लोगों की अच्छी-खासी भीड़ दिख रही है।हालांकि, कपड़ों की खरीदारी रक्षाबंधन और ओणम से ही शुरू हो गई है। कपड़ा क्षेत्र के खुदरा विक्रेताओं का कहना है कि महंगाई, उच्च ब्याज दर व नौकरियों पर संकट जैसे कईकारकों की वजह से लोग खर्च में कटौती कर रहे थे।इससे पिछले एक साल से कपड़ा क्षेत्र में सुस्ती का माहौल था।अब हालात स्थिर हुएहैं और लोगों ने इस त्योहारी सीजन में खर्च करने की योजना बनाईहै।यही वजह है कि कपड़ों की बिक्री के हालिया रुझान नवरात्र और त्योहारी सीजन में अच्छी खरीदारी का संकेत दे रहे हैं। क्लोथिंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएमएआई) के मुख्य संरक्षक राहुल मेहता ने कहा, परिधान निर्माताओं को पिछले साल की तुलना में इस नवरात्र और पूरे त्योहारी सीजन में कम-से-कम 10 फीसदी अधिक बिक्री की उम्मीद है। कंज्यूमर ड्यूरेबल: क्रिकेट विश्वकप का भी असर, एलईडी-एसी की मांग अधिक पैनासोनिक मार्केटिंग इंडिया के प्रबंध निदेशक फुमियासु फुजीमोरी ने बताया कि क्रिकेट विश्वकप जैसे महत्वपूर्ण आयोजन के कारणबिक्री के लिहाज से यह नवरात्र पिछले साल से कईमायनों में अनोखा है।एलईडी और एसी जैसे कंज्यूमर ड्यूरेबल उत्पादों की मांग में वृद्धि दिख रही है।ग्राहक ज्यादा आरामदायक और थिएटर जैसा अनुभव चाह रहे हैं, इसलिएप्रीमियम उत्पादों की बिक्री में भी काफी तेजी देखी जा रही है। ऐसे में हम दहाई अंकों में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। गोदरेज एप्लायंसेज के बिजनेस प्रमुख कमल नंदी ने बताया कि प्रीमियम सेगमेंट में 30 फीसदी से अधिक वृद्धि देखी जा रही है। विशेष त्योहारी ऑफर और विभिन्न किस्म की फाइनेंस स्कीम से आगे खरीदारी आसान होगी। हम उम्मीद कर रहे हैं कि नवरात्रि से लेकर दिवाली तक पूरे त्योहारी सीजन में कंज्यूमर ड्यूरेबल उत्पादों में 30-40 फीसदी तेजी दिखेगी। कुमार राजगोपालन, सीईओ रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया का कहना है कि परिधान व कंज्यूमर ड्यूरेबल उत्पादों से लेकर विभिन्न श्रेणियों में प्रीमियम उत्पादों पर हम 10-11 फीसदी की मजबूत वृद्धि का अनुमान लगा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

देश में बुनियादी ढांचे पर खर्च होगा 143 लाख करोड़, 2030 तक 4500 डॉलर प्रति व्यक्ति होगी भारतीयों की आय

नई दिल्ली । भारत वित्त वर्ष 2024 और 2030 के बीच बुनियादी ढांचे पर करीब 143 लाख करोड़ खर्च करेगा। यह रकम वित्त वर्ष 2017 से 2023 के बीच खर्च हुए 67 लाख करोड़ से दोगुने से भी अधिक है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने कहा कि 143 लाख करोड़ में से 36.6 लाख करोड़ रुपये हरित निवेश पर खर्च होंगे, जो 2017-2023 में हुए खर्च से पांच गुना ज्यादा होगा। वित्त वर्ष 2031 तक भारत की जीडीपी औसतन 6.7 फीसदी की दर से बढ़ेगी और यह सबसे तेजी से विस्तार करने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। वित्त वर्ष 2031 तक भारतीयों की प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 4,500 डॉलर पहुंच जाएगी, जो अभी 2,500 डॉलर है। यह वृद्धि बड़े पैमाने पर सर्वांगीण बुनियादी ढांचे के विकास पर आधारित होगी, जिसमें स्थिरता को एकीकृत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। रेटिंग एजेंसी ने कहा, सड़क और बिजली जैसे क्षेत्रों के प्रमुख योगदानकर्ता बने रहने की उम्मीद है। ई-वाहन, सौर, पवन और हाइड्रोजन जैसे अपेक्षाकृत नए क्षेत्र भी रफ्तार पकड़ेंगे। क्रिसिल ने कहा, इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की मांग में तेजी देखी जा रही है।2030 तक कुल वाहन बिक्री में ई-वाहनों का हिस्सा 30 फीसदी होगा। दोपहिया ईवी की बिक्री 2028 तक अन्य श्रेणी से अधिक होने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि सरकार हरित और नवीकरणीय ऊर्जा पर अधिक जोर दे रही है।सरकार के प्रयासों के दम पर हाइड्रोजन क्षेत्र में वित्त वर्ष 2024 और 2030 के बीच 1.50 लाख करोड़ रुपये का निवेश आ सकता है। उत्पादन की लागत को देखते हुए हरित हाइड्रोजन का उपयोग और इसके लिएप्रोत्साहन योजनाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। एजेंसी ने कहा, भारत का पहला सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड जारी करने से घरेलू बॉन्ड बाजार के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

31 अक्तूबर के बाद भी जारी रहेगी चीनी निर्यात पर लगी पाबंदी, डीजीएफटी ने कही ये बात

नई दिल्ली । विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने बुधवार को घोषणा की है कि चीनी की सभी किस्मों के निर्यात पर प्रतिबंध 31 अक्टूबर से अगले आदेश तक बढ़ा दिया गया है। पिछली बार भारत ने 2016 में विदेशी बिक्री को रोकने के लिए चीनी निर्यात पर 20 प्रतिशत कर लगाया था। अधिसूचना में कहा गया है, यह प्रतिबंध संबंधित सार्वजनिक नोटिस में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सीएक्सएल और टीआरक्यू कोटा के तहत यूरोपीय संघ और अमेरिका को निर्यात की जाने वाली चीनी पर लागू नहीं होगा। खाद्य विभाग ने कहा कि दुनिया के दूसरे सबसे बड़े चीनी निर्यातक भारत ने चीनी के अनियंत्रित निर्यात को रोकने और उचित मूल्य पर घरेलू खपत के लिए चीनी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पिछले साल 31 अक्टूबर, 2023 तक उक्त कमोडिटी को प्रतिबंधित श्रेणी में रखा था। भारत ने चीनी मिलों को चालू सीजन के दौरान 30 सितंबर तक केवल 6.1 मिलियन टन चीनी निर्यात करने की अनुमति दी, जबकि पिछले सीजन में उन्हें रिकॉर्ड 11.1 मिलियन टन चीनी बेचने की अनुमति दी गई थी।

कमजोर वैश्विक संकेतों से टूटा बाजार; सेंसेक्स 551 अंक फिसला, निफ्टी 19700 के नीचे

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुए। हफ्ते के तीसरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 551.07 (0.82 प्रतिशत) अंकों की गिरावट के साथ 65,877.02 के लेवल पर जबकि निफ्टी 140.41 (-0.71 प्रतिशत) अंक टूटकर 19,671.10 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में केवल चार शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 26 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

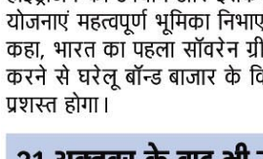

पोखरा एयरपोर्ट के कारण चीन नेपाल पर हावी

ड्रैगन के कर्ज का भयानक जाल भूराजनीतिक झगड़ा भी चिंता

काठमांडू ।
नेपाल का पोखरा एयरपोर्ट अपनी सुंदरता के कारण दुनियाभर में चर्चित है। हिमालय की गोद में नेपाल के प्राकृतिक सौंदर्य के बीच तैयार किए गए इस इंटरनेशनल एयरपोर्ट को लेकर चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार चीन ने नेपाल की आर्थिक मदद करने के बहाने उसे कर्ज के जाल में बुरी तरह फंसा लिया है। चीनी कंपनियों ने इस एयरपोर्ट में न केवल पैसे लगाए, बल्कि तेज गति से निर्माण, अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल की शुरुआत और पहली इंटरनेशनल फ्लाइट लैंड कराने के पीछे चीन की मंशा काफी चौंकाने वाली है। बुनियादी ढांचे पर चीन के विवादास्पद प्रभाव और भारत के साथ भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के मद्देनजर पोखरा एयरपोर्ट काफी अहम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चार दशकों से अधिक समय से, नेपाल पोखरा में एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाने के सपने देख रहा था। इसे वैश्विक पर्यटन स्थल के तौर पर भी विकसित करने की योजना थी। राजनीतिक अस्थिरता, नौकरशाही से जुड़ी चुनौतियों और वित्तीय कठिनाइयों के कारण पोखरा एयरपोर्ट आकार नहीं ले सका। इसी बीच चीन ने वैश्विक मंच पर अमेरिकी प्रभुत्व को चुनौती दी। नेपाल की मदद करने के बहाने चीन ने अमेरिकी चुनौती के सामने एक वैकल्पिक क्षेत्र बनाने की शुरुआत की। दरअसल, नेपाल, चीन के दक्षिण में स्थित है और भारत के साथ घनिष्ठ संबंध रखता है। ऐसे में भू-राजनीतिक मोर्चे पर पोखरा एयरपोर्ट काफी अहम हो जाता है। पोखरा हवाई अड्डे का निर्माण चीन की महत्वाकांक्षाओं का एक हिस्सा था। चीन के साथ दुनिया के कई हिस्सों में

बुनियादी ढांचा विकसित करने के नाम पर राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत कई देशों में निवेश किए हैं। उन्होंने नेपाल में भी बीआरआई के तहत निवेश का प्रस्ताव रखा, लेकिन भारत के पड़ोसी ने चीन का प्रस्ताव ठुकरा दिया। नेपाल के इनकार के बाद पोखरा हवाई अड्डा चीन और भारत के बीच कूटनीतिक रस्साकशी का कारण भी बना। दरअसल, नेपाल सहित दर्जनों देश बेल्ट एंड रोड पहल की 10वीं वर्षगांठ के जश्न के लिए बीजिंग में जमा हुए हैं। चीन के निवेश, एयरपोर्ट बनाने में अत्यधिक लागत और खराब गुणवत्ता वाले निर्माण के कारण पोखरा जांच के दायरे में है। रिपोर्ट का दावा है कि पोखरा हवाईअड्डे के लिए उधार लेने वाला नेपाल, इतने पैसे ले चुका है कि चीनी कंपनियों को असंगत रूप से लाभ हुआ। सरकारी स्वामित्व वाले समूह सिनोमैच के निर्माण प्रभाग- चाइना सीएएमसी इंजीनियरिंग ने पोखरा हवाईअड्डा परियोजना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नेपाल ने चीन से निर्माण सामग्री और मशीनरी का आयात किया। हवाई अड्डा बनाने में चीन की कंपनियां शामिल रही हैं। सुरक्षा और औद्योगिक प्रौद्योगिकी का भी भरपूर इस्तेमाल हुआ है। परियोजना की गुणवत्ता के बारे में चीन कई दावे कर चुका है। एक जांच के हवाले से दावा किया है कि हजारों दस्तावेजों की गहन जांच से चीन की सीएएमसी इंजीनियरिंग को बड़ा मुनाफा मिलने का संकेत मिलता है। मुनाफे को बढ़ाने और अपने हितों की रक्षा के लिए चीन ने लगातार शर्तें तय कीं। इसके साथ ही, इसने व्यवस्थित रूप से नेपाली निगरानी को खत्म कर दिया। परिणामस्वरूप, ऋण चुकाने के लिए यात्रियों की अपेक्षित आमद के बिना, नेपाल चीनी कर्ज में उलझता चला गया। निर्माण शुरू होने से पहले, नेपाल के वित्त मंत्री ने आधिकारिक बोली प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही 2011 में सीएएमसी के प्रस्ताव का समर्थन किया था। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद चीनी ऋण समझौते के तहत 305 मिलियन अमेरिकी डॉलर की बोली लगाई गई। शुरुआत में जितने अमाउंट की बोली लगाई वह राशि हवाई अड्डे के लिए नेपाल के लागत अनुमान से लगभग दोगुनी थी। नेपाली राजनेताओं ने इसकी कड़ी आलोचना की। प्रक्रिया में धांधली होने और कीमत बढ़ाने का आरोप लगा। आक्रोश के बाद, सीएएमसी ने अपनी बोली घटाकर 216 मिलियन अमेरिकी डॉलर कर दी। लागत लगभग 30 प्रतिशत कम हो गई। 2016 में चीन और नेपाल ने परियोजना के लिए 20 साल के समझौते को औपचारिक रूप दिया। एक चौथाई धनराशि ब्याज मुक्त ऋण के रूप में प्रदान की गई। नेपाल ने शेष राशि चीन के निर्यात-आयात बैंक से 2 प्रतिशत ब्याज दर पर उधार लेने का इरादा किया। इसका पुनर्भुगतान 2026 में शुरू होने वाला है। जैसे-जैसे पोखरा एयरपोर्ट का निर्माण आगे बढ़ा, भयावह मुद्दे सामने आए। नेपाल का नागरिक उड्डयन प्राधिकरण चीनी ठेकेदार की देखरेख के लिए जिम्मेदार था, लेकिन अनुभवी कर्मियों की कमी के साथ-साथ सलाहकारों के लिए धन का पर्याप्त आवंटन न होने के कारण एयरपोर्ट की परियोजना खटाई में पड़ने का खतरा पैदा हो गया। शुरुआत में 2.8 मिलियन अमरीकी डॉलर के भुगतान का फैसला हुआ। बाद में अंतरराष्ट्रीय निर्माण मानकों के साथ सीएएमसी के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए सलाहकारों को नियुक्त करने का बजट घटाकर मात्र 10,000 अमरीकी डालर कर दिया गया। पैसा कहीं और ट्रांसफर कर दिया गया। निरीक्षण की इस कमी के कारण सीएएमसी को सलाहकारों के आने से पहले ही काम शुरू करने और ऐसे निर्माण कार्य करने की छूट मिल गई, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा नहीं करते थे। रनवे की नींव के लिए मिट्टी के घनत्व परीक्षण जैसे प्रमुख घटकों की अनदेखी की गई।

राहुल गांधी ने अदाणी समूह पर लगाया कोयले के आयात में घोटाले का आरोप, कहा- 12 हजार करोड़ का हुआ गबन

नई दिल्ली ।
कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक बार फिर अदाणी समूह पर बड़ा हमला किया है। राहुल गांधी ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अदाणी और कोयले की रहस्यमयी कीमतों में वृद्धि पर एक मीडिया रिपोर्ट दिखाई। राहुल ने कहा, अदाणी जी जो चाहते हैं उन्हें मिल जाता है। सब जानते हैं कि अदाणी समूह ने भ्रष्टाचार किया है।

राहुल गांधी ने अदाणी समूह पर बड़ा आरोप लगाया। अदाणी ने 32000 हजार करोड़ का घोटाला किया। अदाणी समूह को सरकार का संरक्षण मिल रहा है। महंगी बिजली के पीछे अदाणी समूह का हाथ है। सवाल उठने पर भी जांच नहीं की जा रही है। ऐसी क्या बात है कि जांच नहीं हो रही है। राहुल गांधी ने कहा कि अदाणी समूह ने कोयले के आयात में गड़बड़ी की और 12000 करोड़ रुपये का गबन किया है।

शरद पवार अदाणी को नहीं बचा रहे, पीएम बचा रहे इसलिए उनसे सवाल

प्रेस वार्ता के दौरान राहुल गांधी से सवाल किया गया कि वे शरद पवार से यह सवाल क्यों नहीं पूछते हैं, क्योंकि आईएनडीआईए गठबंधन के विरोध के बाद भी उन्होंने अदाणी से मुलाकात की थी। इस सवाल का जवाब देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने अब तक शरद पवार से कोई सवाल नहीं किया है क्योंकि शरद पवार प्रधानमंत्री नहीं हैं। बता दें कि विदेशी अखबार की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि अदाणी की कंपनी ने कम कीमत में कोयले की खरीद की और उसका दाम बढ़ाकर बताया। राहुल राहुल गांधी ने आगे कहा, शरद पवार अदाणी को नहीं बचा रहे हैं। उन्हें पीएम मोदी बचा रहे हैं। इसलिए मैं शरद पवार से नहीं बल्कि प्रधानमंत्री मोदी से सवाल कर रहा हूं। अगर शरद पवार प्रधानमंत्री बन जाएंगे और अदाणी को बचाने की कोशिश करेंगे तो मैं उनसे भी ये सवाल करूंगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं।

लाभार्थी को जोड़े बिना बैंक खाते में भेज सकेंगे पांच लाख रुपये तक, जल्द शुरू होगी सुविधा

नई दिल्ली ।
आने वाले समय में आप लाभार्थी को जोड़े बिना 5 लाख रुपये तक एक बैंक खाते से दूसरे खाते में भेज सकेंगे। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) जल्द यह सुविधा ला रहा है।इसके लिएउसने आईएमपीएस को सरल बनाया है। एनपीसीआई ने कहा, पैसे भेजने के लिए लाभार्थी के मोबाइल नंबर व उसके बैंक का दर्ज नाम का उपयोग कर सकते हैं। एनपीसीआई ने हाल में कहा कि मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग जैसे बैंकिंग चैनलों पर आईएमपीएस उपयोगकर्ता अब केवल लाभार्थी का मोबाइल नंबर और बैंक का नाम दर्ज कर लेनदेन कर सकेंगे। इसमें वास्तविक समय पर लाभार्थी के नाम का सत्यापन होगा। हालांकि, बैंकों ने अभी तक इस नई सुविधा को शुरू नहीं किया है।

थोक-खुदरा लेनदेन के साथ कॉरपोरेट तक विस्तार - एनपीसीआई ने कहा, इस नई व्यवस्था को थोक और खुदरा लेनदेन के साथ कॉरपोरेट तक भी बढ़ाया जा सकता है। अब ऊपरी सीमा एक बैंक से दूसरे बैंक में उनकी नीतियों के आधार पर अलग-अलग होगी। नई सुविधा में प्रेषक को बैंक के रिकॉर्ड में नाम को दोबारा जांचने में मदद मिलेगी। यह सुनिश्चित होगा कि भुगतान सही लाभार्थी को किया गया है। प्रेषक पैसा भेजने से पहले लाभार्थी का नाम देख सकेगा। आईएमपीएस के तहत दो प्रकार से भुगतान की मंजूरी है। पहले तरीके में आपको पैसे भेजने के लिए बैंक खाता संख्या, बैंक का नाम और बैंक के आईएफएससी कोड का उपयोग करना होता है। दूसरे तरीके में एक बैंक खाते से दूसरे खाते में पैसे भेजते समय लाभार्थी की पहचान करने के लिए मोबाइल नंबर और मोबाइल मनी आइडेंटिफायर (एमएमआईडी) का उपयोग करना होता है। एमएमआईडी एक सात अंकों का नंबर है, जो बैंक अपने ग्राहक को जारी करता है।

NPCI
भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम
NATIONAL PAYMENTS CORPORATION OF INDIA

फिनोलेक्स केस में एनसीएलएटी पर सख्त सुप्रीम कोर्ट, न्यायिक व तकनीकी सदस्य को अवमानना नोटिस

नई दिल्ली ।
उच्चतम न्यायालय ने एक असामान्य कदम के तहत बुधवार को राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के न्यायिक सदस्य राकेश कुमार और तकनीकी सदस्य आलोक श्रीवास्तव को नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने उनसे पूछा कि फिनोलेक्स केबल्स विवाद मामले में शीर्ष अदालत के आदेश की अवहेलना के लिए उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों नहीं शुरू की जानी चाहिए। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने एनसीएलएटी पीठ की ओर से एक निर्णय पारित किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई। शीर्ष अदालत ने फिनोलेक्स केबल्स की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) से संबंधित एनसीएलएटी पीठ के 13 अक्टूबर के फैसले को इसके गुण-दोष पर विचार किए बिना निरस्त कर दिया। इसने कहा कि मामले की सुनवाई एनसीएलएटी प्रमुख न्यायमूर्ति अशोक भूषण करेंगे। न्यायालय ने कहा, ''एनसीएलएटी अब सड़न की स्थिति में आ गया है। यह मामला उस सड़न का उदाहरण है। हमारा प्रथम दृष्टया मानना है कि

एनसीएलएटी के सदस्य सही तथ्यों का खुलासा करने में विफल रहे हैं। पीठ ने कहा, ''हमारा विचार है कि यह सुनिश्चित करने के लिए आदेश पारित करना आवश्यक है कि इस अदालत की गरिमा बहाल हो। पक्षों को इस अदालत के आदेशों को टालने के लिए कुटिल तरीकों का सहारा लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती। यह आदेश फिनोलेक्स केबल्स की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) और कंपनी के प्रबंधन नियंत्रण को लेकर प्रकाश छाबड़िया और दीपक छाबड़िया के बीच कानूनी लड़ाई से संबंधित है। उच्चतम न्यायालय द्वारा एनसीएलएटी सदस्यों के खिलाफ अवमानना नोटिस जारी करना दुर्लभ मामला है। न्यायालय ने गत शुक्रवार को एनसीएलएटी अध्यक्ष को इस आरोप पर जांच करने और सोमवार तक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था कि उसकी एक पीठ ने शीर्ष अदालत के निर्देशों का पालन किए बिना आदेश दिया। शीर्ष अदालत की प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली तीन सदस्यीय पीठ ने उस दिन एनसीएलएटी को इसके फैसले पर आगे बढ़ने और जांचकर्ता की रिपोर्ट मिलने के बाद ही बैठक के नतीजे घोषित करने का निर्देश दिया था।

सरकार हुडको में अपनी सात प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी

1100 करोड़ रुपये हासिल होने की है उम्मीद, ये है भाव

नई दिल्ली ।
सरकार हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (हुडको) में बिक्री पेशकश (ओएफएस) के जरिये अपनी सात प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी। यह बिक्री 18 से 19 अक्तूबर के बीच की जाएगी। एक नियामकीय फाइलिंग में यह जानकारी दी गई है। इस पेशकश के लिए न्यूनतम मूल्य 79 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है, जो 17 अक्तूबर को बीएसई पर कंपनी के शेयरों के बंद हुए भाव 89 रुपये के मुकाबले 12 प्रतिशत कम है। सरकार को इस बिक्री से लगभग 1,100 करोड़ रुपये हासिल होने की उम्मीद है, कंपनी के कुल 14 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। ओएफएस के पहले दिन बिक्री के लिए कुल 7 करोड़ शेयरों की पेशकश की जाएगी, जो हुडको की कुल हिस्सेदारी का 3.5 प्रतिशत है। एक्सचेंज फाइलिंग में कहा गया है कि बेस ऑफर के बाद अगले दिन ओवर सब्सक्रिप्शन विकल्प मिलेगा, इस ग्रीनशू विकल्प में भी 7 करोड़ शेयर यानी 3.5 प्रतिशत शेयर बिक्री के लिए रखे जाएंगे। इस पेशकश का पहला दिन खुदरा निवेशकों के लिए

खुला रहेगा और इसके बाद दसरे दिन गैर-खुदरा निवेशकों को बोली लगाने की अनुमति होगी। एक्सचेंज फाइलिंग में स्पष्ट किया गया है कि इस ऑफर के लिए कोई रिटेल डिस्काउंट नहीं होगा। एलारा सिक्योरिटीज (इंडिया), आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स एंड सिक्योरिटीज और एसबीआईकैप सिक्योरिटीज को इस पेशकश के ब्रोकर की भूमिका निभाएं।

सरकार ने सात देशों को 10 लाख टन से अधिक गैर-बासमती चावल के निर्यात की मंजूरी दी, अधिसूचना जारी

नई दिल्ली । सरकार ने नेपाल, कैमरून और मलेशिया सहित सात देशों को 10,34,800 टन गैर-बासमती चावल के निर्यात की मंजूरी दे दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की जारी अधिसूचना के अनुसार, यह निर्यात राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लि. (एनसीईएल) के जरिये किया जा सकता है। हालांकि, भारत ने घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के लिए 20 जुलाई से गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया हुआ है, लेकिन कुछ देशों की खाद्य सुरक्षा जरूरत के मद्देनजर सरकार उनके लिए गैर-बासमती चावल के निर्यात की अनुमति देती है। सरकार ने नेपाल, कैमरून, कोटे डी आइवर, गिनी, मलेशिया, फिलिपीन और सेशेल्स को गैर-बासमती चावल के निर्यात की अनुमति दी है। अधिसूचना के अनुसार, नेपाल को 95,000 टन, कैमरून को 1,90,000 टन, कोटे डी आइवर को 1,42,000 टन, गिनी को 1,42,000 टन, मलेशिया को 1,70,000 टन, फिलिपीन को 2,95,000 टन और सेशेल्स को 800 टन गैर-बासमती चावल का निर्यात किया जाएगा।

हंसल मेहता की फिल्म द बकिंघम मर्डर्स का पोस्टर हुआ जारी

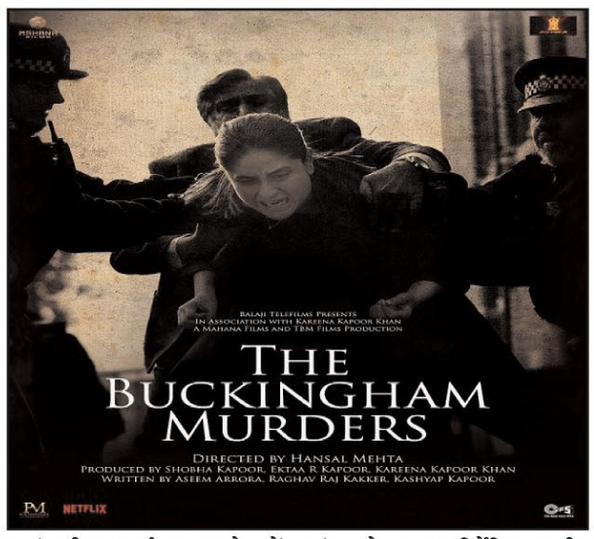

मुंबई (ईएमएस)। हंसल मेहता के निर्देशन में बनी करीना कपूर स्टारर फिल्म द बकिंघम मर्डर्स का हाल ही में पोस्टर जारी हुआ है। बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल 2023 में इसने गहरी छाप छोड़ी है और जहां इसे ऑडियंस से भी अच्छा प्रतिसाद मिला है। फिल्म को ग्लोबल लेवल पर मिली इस शानदार उपलब्धि ने दर्शकों के मन में फिल्म को लेकर और ज्यादा जानने की चाह पैदा कर दी है। ऐसे में निमार्ताओं ने बिना किसी देरी के फिल्म का पहला ऑफिशियल पोस्टर लॉच किया है, जिसमें इसकी लीड एक्ट्रेस करीना कपूर खान एकदम अनोखे रूप में दिखाई दे रही हैं। फिल्म द बकिंघम मर्डर्स के पहले ऑफिशियल पोस्टर ने फिल्म देखने की चाहत को वाकई बढ़ा दी है। इस पोस्टर पर करीना कपूर खान को दो कॉप पकड़े हुए नजर आ रहें है। अभिनेत्री को एक जासूस और एक मां की भूमिका निभाते हुए देखना निश्चित रूप से एक बहुत अलग तरह का अनुभव होगा, जहां करीना वाकई दमदार इमेज में लग रही हैं। ऐसा लगता है की यह फिल्म इंटरनेशनल लेवल की कहानी लाने वाली है जो देखने में आकर्षक लग रही है। इसमें करीना कपूर खान, ऐश टंडन, रणवीर बराड़ और कीथ एलन जैसे शानदार कलाकार हैं। हंसल मेहता द्वारा निर्देशित, असीम अरोड़ा, कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ द्वारा लिखित इस फिल्म को शोभा कपूर, एकता आर कपूर और करीना कपूर खान के साथ बालाजी टेलीफिल्म्स और टीबीएम फिल्म्स ने निर्मित किया है।

माहिरा हुई डिप्रेशन का शिकार, दवाई बंद करते ही बिगड़ी तबीयत

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस माहिरा खान इन दिनों डिप्रेशन का शिकार हो रही हैं। इसकी वजह दवाई बंद करना बताया जा रहा है। फिल्म रईस से फैंस के दिलों में राज करने वाली माहिरा खान इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। गौरतलब है कि एक्ट्रेस ने कुछ समय पहले ही अपने ब्वॉयफ्रैंड सलीम करीम के साथ शादी की है। अपनी शादी की हर तस्वीर एक्ट्रेस ने खुद सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ शेयर की। शादी की तस्वीरों में वह काफी खुश भी नजर आ रही हैं। लेकिन बाद में वह डिप्रेशन का शिकार हो गई थी। इस बात का खुलासा उन्होंने खुद एक इंटरव्यू के दौरान किया था। साल 2016 में उरी अटैक के चलते भारत और पाकिस्तान में काफी भयानक जंग छिड़ गई थी। जिसके बाद पाकिस्तानी एक्टर्स को भारत में बैन कर दिया गया था। उस समय माहिरा ने शाहरुख के साथ अपनी डेब्यू फिल्म रईस की शूटिंग पूरी ही की थी। इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा था कि मैंने फिल्म रईस पूरी कर ली थी और सब कुछ ठीक चल रहा था फिर अचानक उरी हमला हुआ। फिर सबकुछ गड़बड़ हो गया। चीजें बहुत बिगड़ गई लेकिन मैं डरी नहीं थी पर मुझे धमकी दी गई थी लगातार ट्वीट मुझे कॉल आते थे और बहुत डरावने भी होते थे। माहिरा ने कहा कि मैं सिर्फ इतना ही चाहती थी कि मैं फिल्म का प्रचार करने भारत नहीं जा सकती लेकिन फिल्म पाकिस्तान में रिलीज हो जाए क्योंकि मेरे देश में लोग शाहरुख की फिल्म देखने जाते क्योंकि वह उन्हें पसंद करते हैं। फिल्म रईस के बाद साल 2017 में एक्ट्रेस की रणबीर कपूर के साथ स्मोकिंग फोटो भी लिक हो गई थी इसके कारण वह बुरी तरह ट्रोल भी हुई। ट्रोल होने के चलते वह डिप्रेशन में चली गई। एक्ट्रेस ने कहा कि उस वजह से मुझे एंग्जायटी और डिप्रेशन हो गया। वह मेरे लिए एक कठिन समय था मुझे लगा कि मुझ पर हमला किया गया है। माहिरा ने बताया कि एक समय ऐसा था जब मैं बिल्कुल टूट गई थी और मुझे इतनी बुरी एंग्जाइटी हुई कि पैनिक अटैक आ गया और मैं बेहोश हो गई। इसके बाद वापिस दवाई लेने लगी तो अच्छा लगने लगा।

इमरान हाशमी ने टाइगर 3 में अपने किरदार का किया खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। आदित्य चोपड़ा ने इमरान हाशमी को लेकर बनाई फिल्म टाइगर 3 में एक बड़े रहस्य का उजागर किया है। फिल्म के ब्लॉकबस्टर ट्रेलर को देखने के बाद यह कहा जा सकता है कि इमरान हाशमी ने इसमें अपने किरदार का खुलासा भी कर दिया है। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की नवीनतम पेशकश टाइगर 3 का सबसे बड़ा राज है, जो सलमान खान उर्फ सुपर एजेंट टाइगर उर्फ अविनाश सिंह राठौड़ का कट्टर दुश्मन है। निर्दयी व्यक्ति एक चतुर किरदार है, जिसे इमरान सेरेब्रल के रूप में आया है, उनका दिमाग उनका सबसे बड़ा हथियार है और वह विभिन्न देशों के अधिकारियों पर जबरदस्त पॉवर भी रखता है। इमरान ने टाइगर 3 में अपने किरदार के नाम का भी खुलासा किया! वह कहते हैं कि आतिश को बनाने में मुझे अद्भुत समय लगा। एक ऐसा आदमी जो गुस्से से भरा हुआ है और टाइगर को खत्म करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। मैं एक बहुत ही अलग खलनायक की भूमिका निभा रहा हूं जो हिंदी सिनेमा में दुर्लभ है। इमरान ने कहा कि वह दिमागी है, उसका दिमाग उसका सबसे बड़ा हथियार है और वह अपनी कुटिल योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए देशों के अधिकारियों पर जबरदस्त पॉवर भी रखता है। इमरान कहते हैं कि वह अकेले ही टाइगर, उसके परिवार को नष्ट करना चाहता है और ऐसा करके वह भारत के सबसे बड़े सुपर एजेंट को कमजोर करना चाहता है। वह जानते हैं कि टाइगर हमेशा भारत के लिए खड़े होने वाले आखिरी व्यक्ति होंगे और वह चाहते हैं कि उन्हें किसी भी कीमत पर हटाया जाए। जब टाइगर 3 का ट्रेलर ऑनलाइन जारी हुआ, तब से अभिनेता के खलनायक किरदार की सर्वसम्मति से सराहना की जा रही है। इमरान का कहना है कि उन्हें वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की इस पेशकश का एंटी-हीरो बनना अच्छा लगा।

तेजस का दिल जीतने वाला पहला गाना है जान दा

बालीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत स्टारर तेजस का पहला गाना जान दा है। यह गाना देश भक्ति का अनुभव और राष्ट्रभक्ति को भावना के जश्न को मनाने का एक सही तरीका है। जान दा गाना तेजस के एल्बम का पहला गाना है। यह गाना सच में देश और अपनो के प्रति प्रेम का एक अनोखा अनुभव पेश करता है! गाने में कंगना को तेजस गिल के किरदार में चमकते हुए हम देख सकते हैं, इस खूबसूरत गाने में हमारे देश के प्रति समर्पण को भावना साफ देखी जा सकती है। यह दिल छू लेने वाला गाना देश भक्ति की भावना को मजबूत करता है। अरजीत सिंह और शाश्वत सचदेव की दिल छू लेने वाली आवाजों में खूबसूरती से गाया गया, जान दा गीत को बेहद देशभक्तिपूर्ण और प्रेरणादायक तरीके से कुमार द्वारा लिखा गया है। शाश्वत सचदेव ने असल में फिल्म के लिए एक सही रचना बनाई है जो राष्ट्रीय गौरव और देशभक्ति की भावनाओं को पूरी तरह से प्रस्तुत करती है। साथ ही अपनो से जुड़े प्रेम को भी दिखाती है!

एरोन टेलर जेम्स बॉन्ड की भूमिका के लिए पसंदीदा

-जल्द ही अगले बॉन्ड के रूप में घोषित होंगे एरोन

लॉस एंजेलिस (ईएमएस)। एमआई6 जासूस जेम्स बॉन्ड की भूमिका के लिए अभिनेता एरॉन टेलर-जॉनसन सबसे पसंदीदा हैं। एरोन ने हिंसक कॉमिक बुक फ्लिक किक ऐस में एक्शन भूमिकाएं निभाने से पहले रोमांटिक-कॉम फिल्म एंगस, थोंग्स एंड परफेक्ट स्नोगिंग से मुख्यधारा में प्रवेश किया और बाद में मार्वल फिल्म एवेंजर्सः एज ऑफ अल्ट्रॉन में क्विकसिल्वर की भूमिका निभाई। इस साल वह मार्वल फिल्म क्रावेन द हंटर में साहसी सर्गेई क्राविनॉफ की भूमिका निभाने वाले थे, लेकिन फिल्म की रिलीज अगस्त 2024 तक के लिए टाल दी गई है। रिपोर्टों में सुझाव दिया गया है कि एरोन को जल्द ही अगले बॉन्ड के रूप में घोषित किया जाएगा,जबकि ओपेनहाइमर और बैटमैन बिगिन्स के निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन को श्रृंखला की अगली फिल्म का निर्देशन करने के लिए कहा जा रहा है। एक अंदरूनी सूत्र ने मेलऑनलाइन को बतायाः एरोन टेलर-जॉनसन वर्तमान में प्रतिष्ठित भूमिका में कदम रखने के लिए सबसे पसंदीदा हैं, वह (बॉन्ड मुख्य निमार्ता) बारबरा ब्रोकोली के लिए पहली पसंद। रिपोर्ट्स के मुताबिक क्रिस्टोफर के निर्देशक बनने की संभावना को संबोधित करते हुए, सूत्र ने कहाः ह्लवह फ्रेंचाइजी के साथ कुछ अलग करने में बेहद रुचि रखते हैं। यदि वह निमार्ताओं के साथ अपनी बात बना सकते हैं, तो वह इसके लिए तैयार हैं। लेकिन सूत्र ने यह भी संकेत दिया कि क्रिस्टोफर के निर्देशक होने से एरोन की भूमिका में शामिल होने की संभावना प्रभावित हो सकती है। क्या नोलन के बोर्ड पर आने से एरोन टेलर-जॉनसन की कास्टिंग प्रभावित होगी या नहीं, यह फिलहाल अस्पष्ट है क्योंकि वह इस बारे में बहुत खास हैं कि वह किसके साथ काम करते हैं।

प्रियंका की नन्हीं मालती भी दर्शकों को हाथ हिलाकर हैलो कहने लगी

मुंबई (ईएमएस)। दमदार एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी बच्ची को भी साथ लेकर आ रही हैं, लेकिन अब नन्हीं मालती भी अपने प्रशंसकों को हलो-हाय करना सीख रही है। बता दें कि प्रियंका सेरोगेसी के जरिए एक प्यारी सी बेटी की मां बनीं है, जिसका नाम उन्होंने मालती मैरी चोपड़ा जोनस रखा। प्रियंका अक्सर अपनी लाडली की तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। वहीं मालती मैरी भी मां प्रियंका की तरह स्टार बन चुकी हैं। मालती की तस्वीरें और वीडियो मिनटों में ही वायरल हो जाते हैं। हाल ही मालती ने कुछ ऐसा कर दिया, जिसके कारण वह सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रही हैं। बेटी की हरकत देख खुद मॉम प्रियंका चोपड़ा भी हैरान रह गईं। दरअसल बेटी मालती को एक्ट्रेस ने अपनी गोद में लिया हुआ है। इस दौरान नन्ही मालती पूरी मौज-मस्ती के अंदाज में नजर आईं। दरअसल कॉन्सर्ट वेन्यू में जैसे ही मालती को गोद में लिए हुए एक्ट्रेस ने एंट्री ली वैसे ही उनकी नन्ही प्रिंसेस पैप्स की तरफ हाथ हिलाते हुए नजर आईं। मालती सबको बाय बोलते हुए निकलती हैं। मालती की ये हरकत देखकर उसकी मां प्रियंका चोपड़ा भी अपनी हंसी नहीं रोक पाई। फैंस ने भी तुरंत वीडियो पर कमेंट कर उन्हें खूबसूरत बताया। इस दौरान कई लोगों ने मां-बेटी पर जमकर प्यार बरसाया है। गौरतलब है कि हाल ही में मालती को पहली बार जोनास ब्रदर्स के कॉन्सर्ट में देखा गया था। इस दौरान प्रियंका की लाड़ली नॉइज कैंस्लेशन हेडफोन पहने हुए नजर आई थीं। मालती ने इस दौरान लगभग स्टेज पर डेब्यू भी किया।

लक्मे फैशन वीक 2023 के रैंप पर उतरीं कियारा

हाल ही में बी-टाउन की हसीना एक्ट्रेस कियारा आडवाणी लक्मे फैशन वीक 2023 के रैंप पर उतरीं और अपने कातिलाना लुक से सबके दिलों के कहर ढाती नजर आईं। कियारा की ये तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लैक्मे फैशन वीक के रैंप से सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि कियारा बला की खूबसूरत बनकर इवेंट में पहुंची और सब पर अपने हुस्न का जादू चलाती दिखीं। ऑफ शोल्डर ब्लैक-गोल्डन गाउन ड्रेस में कियारा कतई लाजवाब लग रही हैं। इसके साथ उन्होंने ब्लैक हील्स पेयर की हैं। मिनिमल मेकअप, आंखों में मोटा काजल और बालों की लंबी चोटी बनाए हुए एक्ट्रेस अपने लुक को कंप्लीट कर रही हैं और अपने कातिलाना अंदाज से फैंस के दिलों पर कहर ढा रही हैं। कैमरे के सामने एक्ट्रेस एक से बढ़कर एक दिलकश पोज दे रही हैं।

सिंघम अगेन को लेकर दर्शकों में एक्साइटमेंट

बालीवुड फिल्म निमार्ता रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की फिल्म सिंघम अगेन को लेकर दर्शकों में काफी एक्साइटमेंट है। रोहित शेट्टी ने बताया था कि दीपिका पादुकोण लेडी सिंघम के किरदार में नजर आएंगी। रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स में दीपिका पादुकोण पहली ऐसी एक्ट्रेस होगीं, जो पुलिस के किरदार में नजर आएंगी। अब नवरात्रि के पहले दिन मेकर्स ने एक्ट्रेस का फर्स्ट लुक रिवील कर दिया है। इसमें दीपिका, पुलिस की वर्दी पहने बेहद खतरनाक अंदाज में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस का यह लुक उनके फैंस को काफी पसंद आ रहा है। रोहित शेट्टी ने नवरात्रि के शुभ अवसर पर अपने कॉप यूनिवर्स की पहली महिला कॉप के फर्स्ट लुक को फैंस के साथ शेयर किया है। रोहित शेट्टी ने फिल्म से दीपिका पादुकोण का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी कर कॉप यूनिवर्स में उनका स्वागत किया है।

एम्ब्रोसियो को बेटे नूह के साथ साइकिलिंग करते किया स्पॉट

हाल ही में हालीवुड एक्ट्रेस एलेसेंड्रा एम्ब्रोसियो को बेटे नूह के साथ सांता मोनिका में साइकिलिंग करते हुए स्पॉट किया गया।सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि एलेसेंड्रा बेबी पिंक जंपसूट पहने साइकिलिंग करती नजर आ रही हैं। इस आउटफिट के साथ उन्होंने मैचिंग स्लीपर्स पहने हैं। चेहरे पर काला चश्मा और खुले बालों पर हैट लगाए एक्ट्रेस काफी गॉर्जियस लग रही हैं। वहीं उनके बेटे नूह भी व्हाइट टी के साथ ब्लू शॉर्ट्स पहने साइकिलिंग करते नजर आ रहे हैं। मां-बेटे की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। काम की बात करें तो एलेसेंड्रा एम्ब्रोसियो को आखिरी बार फिल्म डेडीज होम 2 में देखा गया था, जिसमें वह केरेन के रोल में नजर आईं थी।

सूडोकु नवताल- 6587

मध्यम

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6586 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

शब्दजाल - 7334

बं	म	म	म	न	च	ली	क	म	ल	म
म	वा	ब	लि	दा	न	म	मौ	स	ल	न
र्या	ह	म	र	ते	द	म	त	क	य	की
दा	ब	बं	र	दे	म	ब	द	ल	श	आं
म	इ	म	म	सं	व	क	श	र	मं	खें
हा	म	म	ई	म	र	क	स	ना	जि	ज
रा	बं	द	श	र्द	क	मं	र	द	ल	ब
म	र	ब	र	व	ज	सी	ग	न	प	न
क	म	ल	ज	इं	बा	री	ऐ	ल	प	र
क	शा	ल	म	बू	डि	स	म	ब	पां	जा
का	ल	बं	ध	न	क	या	म	ग	प	डे

शब्द जाल में 'म' नाम से शुरु होनेवाली 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.नाम उपर से नीचे, नीचे से उपर, दाएं से बाएं एवं तिरछे भी हैं.

मंजिल, मर्यादा, मदर इंडिया, मर्द, मशाल, मरते दम तक, मकसद, मनचली, मंगल पांडे, मन की आंखें.

शब्दजाल - 7333 का हल

प्र	उ	त्त	र	प्र	दे	श	ब	ना	क	प्र
ती	क	ती	ति	ल	क	व	जी	ग	कृ	गु
के	इ	रा	त	त	मि	ल	ना	डु	आ	ज
र	क	क	ज	ज	जा	पु	का	प्र	प	रा
ल	प्र	क	का	स्था	ग	प्र	अ	प्र	श	त
झ	झा	का	प्र	ल	न	ह	झ	दे	ना	ण
घ	र	ती	श	षी	म	प्र	प्र	से	क	क
ला	खं	क	ता	तै	ई	ध्य	ब	र्ना	फ	लो
श	ड	प्र	बि	हि	म	ई	ट	प्र	री	प
प	जा	द	र	हा	प	क	जी	उ	ड़ी	सा
प	प्र	क	क	प्र	र	है	या	रा	बा	प्र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6287

3		4	6	7		
	23	2	31		39	
	5	1			7	4
6	33		29	3	36	
	3		4			2
7	37		36	5	29	
	5	7	6		2	3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6286 का हल

3	6	2	4	1	7	5
1	25	3	31	5	37	7
2	1	7	6	3	5	4
7	37	6	40	2	24	3
6	3	5	7	4	1	2
5	33	4	37	6	29	1
4	5	1	3	7	2	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

पैरा एशियाड में उतरेगा भारत का अब तक का सबसे बड़ा दल; 303 खिलाड़ी, 143 प्रशिक्षकों को मिली मंजूरी

नई दिल्ली ।
हांगझोऊ पैरा एशियाई खेलों में भारत का अब तक का सबसे बड़ा 446 सदस्यीय दल शिरकत करने जा रहा है। 22 से 28 अक्तूबर को होने वाले इन खेलों के लिए 303 खिलाडियों और 143 प्रशिक्षकों, सपोर्ट स्टाफ और सहायकों को खेल मंत्रालय ने मंजूरी दी है। कुल 191 पुरुष और 112 महिला भारतीय खिलाड़ी इन खेलों में भाग लेने जा रहे हैं। भारतीय दल में इस बार पिछले जकार्ता पैरा एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता शूटर मनीष नरवाल, तीरंदाज हरविंदर सिंह, पैरा एथलीट एकता भयान, नारायण ठाकुर, बैडमिंटन खिलाड़ी पारुल परमार, प्रमोद भगत, तरुण ढिल्लों, जेवलिन थ्रोअर नीरज यादव भी शिरकत करने जा रहे हैं।

सर्वाधिक 123 खिलाड़ी एथलेटिक्स में उतरेंगे – जकार्ता पैरा एशियाई खेलों में भारत ने 13 खेलों में 190 सदस्यीय खिलाडियों का दल उतारा था, लेकिन इस बार यह संख्या काफी ज्यादा है। यही नहीं भारत 13 के मुकाबले 17 खेलों में दावेदारी पेश करेगा। भारत ने जकार्ता में 15 स्वर्ण समेत 72 पदक जीते थे। इस बार इन पदकों की संख्या बढने की उम्मीद है। सबसे ज्यादा 123 खिलाड़ी एथलेटिक्स में उतरने जा रहे हैं।

टोक्यो पैरालंपिक के कई पदक विजेता शामिल – भारतीय दल में टोक्यो पैरालंपिक के पदक विजेता भी शामिल हैं। इनमें जेवलिन थ्रोअर सुमित अंतिल, डिस्कस थ्रोअर योगेश कथूनिया, हाई जंपर निषाद कुमार, प्रवीण कुमार, बैडमिंटन खिलाड़ी कृष्णा नागर, प्रमोद भगत, मनोज सरकार और आईएएस अधिकारी सुहास एलवाई, तीरंदाज हरविंदर सिंह, निशानेबाज मनीष नरवाल, सिंहराज अधाना, अवनि लेखरा, टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल भी शामिल हैं।

सब जूनियर हॉकी में अंडर-16 पुरुष टीम ने नीदरलैंड को 4-1 से हराया, लड़कियां हारी

नई दिल्ली । भारतीय लड़के और लड़कियों की सब जूनियर (अंडर-16) हॉकी टीमों को नीदरलैंड के पहले दौरे पर मिले-जुले नतीजे मिले। लड़कों ने नीदरलैंड की अंडर 16 टीम को 4-0 से हराया जबकि लड़कियों को डच टीम ने 4-1 से हरा दिया। लड़कों के लिए रोहित आई सिंह , केतन कुशवाहा, राहुल राजभर और कप्तान मनमीत सिंह राय ने गोल किए। कोच सरदार सिंह ने कहा ,' ऐसे ऐतिहासिक दौरे का यह शानदार अंत है। लड़कों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। विदेशी धरती पर ऐसा प्रदर्शन गर्व का विषय है। लड़कियों के लिए सिर्फ काजल जूनियर ही गोल कर सकी। भारत की पूर्व कप्तान और सब जूनियर टीम की कोच रानी रामपाल ने कहा , 'लड़कियों ने काफी जुझारूपन दिखाया। हमें कुछ पहलुओं पर काम करना होगा। इस दौरे से हमें अपनी ताकत और कमजोरियों का पता चला।

न्यूज ब्रीफ

रबाडा ने एकदिवसीय में 150 विकेट पूरे किये

धर्मशाला । दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा ने नीदरलैंड के खिलाफ विश्वकप मुकाबले में दो विकेट लेने के साथ ही एकदिवसीय प्रारुप में अपने 150 विकेट पूरे किये। रबाडा ने यह उपलब्धि केवल 95 पारियों में ही हासिल कर ली जबकि स्टेन ने 96 पारियां में ये विकेट लिए थे। इसी के साथ ही उन्होंने अपने ही देश के तेज गेंदबाज डेल स्टेन का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। रबाडा ने नीदरलैंड्स के खिलाफ 56 रन देकर 2 विकेट लिए थे। अब तक दक्षिण अफ्रीकी टीम की ओर से तीन खिलाड़ियों ऐलन डोनाल्ड, मोर्ने मार्केल और इमरान ताहिर ने 89 पारियां में ही सबसे तेजी से अपने 150 विकेट पूरे हैं। एकदिवसीय प्रारुप में सबसे तेज 150 विकेट लेने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज मिचेल स्टार्क का है। स्टार्क ने 77 पारियों में ही यह रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद पाकिस्तान के सकलेन मुश्ताक ने 78 पारियों और फिर अफगानिस्तान के राशिद खान ने 80 पारियों में इतने विकेट लिए थे।

आंकड़ों में वर्ल्ड कप 2023: नीदरलैंड से हार कर साउथ अफ्रीका ने टेबल टॉप करने का मौका गंवाया, रिजवान टॉप स्कोरर

पुणे । वनडे वर्ल्ड कप 2023 के 15 मैच खेले जा चुके हैं। नीदरलैंड ने साउथ अफ्रीका को हरा कर बड़ा उलटफेर किया। इसी के साथ डच अब पॉइंट्स टेबल में 9वें नंबर पर ही बना हुआ है, जबकि श्रीलंका 10वें नंबर पर है। साउथ अफ्रीका तीसरे नंबर पर बना हुआ है। साउथ अफ्रीका ने नीदरलैंड को हरा कर टेबल टॉप आने का मौका गंवा दिया। अब तक हुए टूर्नामेंट में पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान टॉप रन स्कोरर हैं। वह इस वर्ल्ड कप के 3 मैचों में सबसे ज्यादा 248 रन बना चुके हैं। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टॉप विकेट टेकर हैं, उनके नाम 3 मैचों में 8 विकेट हैं। वहीं श्रीलंका के कुसल मेंडिस सिक्सर किंग, उन्होंने 3 मैचों में 14 छक्के लगाए हैं। नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबले के बाद साउथ अफ्रिका के बैटर क्विंटन डी कॉक और कागिसो रबाडा फिर टॉप करने की रेस में वापसी कर चुके हैं।

एशियाई खेलों के रजत विजेता ओडिशा के भालाफेंक एथलीट जेना सम्मानित

भुवनेश्वर । ओडिशा के खेल और युवा कार्यमंत्री तुषारकांति बहेड़ा ने हांगझोऊ एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाले भालाफेंक खिलाड़ी किशोर कुमार जेना को सम्मानित किया। जेना ने एशियाई खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 87.54 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता और पेरिस ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण पदक जीता था। बहेड़ा ने कलिंगा खेल परिसर में जेना को सम्मानित किया। इस मौके पर हॉकी प्रवर्तन परिषद के अध्यक्ष दिलीप टिर्की, खेल निदेशक सिद्धार्थ दास, ओडिशा ओलंपिक संघ और खेल विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे। बहेड़ा ने कहा , ' जेना के कड़े परिश्रम और लगन ने पूरे प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने पिछले कुछ साल में एक खिलाड़ी के तौर पर काफी प्रगति की है। मुझे यकीन है कि वह पेरिस ओलंपिक में ओडिशा और भारत का नाम रोशन करेंगे।

एकदिवसीय विश्वकप में आज भारत और बांग्लादेश में होगा मुकाबला

पुणे ।
रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम गुरुवार को एकदिवसीय विश्व कप क्रिकेट मैच में बांग्लादेश के खिलाफ जीत के इरादे से मैदान में उतरेगी। अब तक अपने तीनो ही मैच जीतने से भारतीय टीम जहां अंक तालिका में शीर्ष पर है। वहीं उसका मनोबल भी बढ़ा हुआ है। भारतीय टीम ने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया , दूसरे में अफगानिस्तान और तीसरे में पाकिस्तान को हराया है। अब भारतीय टीम का लक्ष्य बांग्लादेश को हराकर टूर्नामेंट में लगातार चौथी जीत दर्ज करना रहेगा। हाल में जिस प्रकार इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका को नई टीमों से हार का सामना करना पड़ा है उसे देखते हुए भारतीय टीम बांग्लादेश को हल्के में लेने की भूल नहीं करेगी। वैसे भी बांग्लादेश ने पिछले चार एकदिवसीय में से तीन में भारत को हराया है। इसमें एशिया कप का एक मैच भी शामिल है।

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित अपना आक्रामक रुख बरकरार रखेंगे। वहीं शीर्ष क्रम के बल्लेबाज शुभमन गिल और विराट कोहली भी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। रोहित ने पिछले दो मैचों में 86 और 131 रनों की शानदार पारी अब तक भारत की ओर से सबसे अधिक रन बनाये हैं। उन्होनें पाक के खिलाफ 86 और अफगानिस्तान के खिलाफ 131 रनों की शतकीय पारी खेली।

भारत अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर है और उनका लक्ष्य इसके बनाये रखना होगा। रोहित के जोड़ीदार शुभमन भी विश्वकप में बड़ी पारी खेलकर अपने को साबित करना चाहेंगे। इस साल की शुरुआत से ही वह अच्छी लय में हैं। पाकिस्तान के खिलाफ विराट रन नहीं बना पाये पर पहले दो मैच में उन्होंने अर्धशतक लगाये थे। विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 85 और अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 55 रन बनाये।

वहीं मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद अर्धशतक लगाकर भारतीय बल्लेबाजी की गहरायी को बढ़ा दिया है। बल्लेबाजी पिच पर भारतीय टीम को रोकना बांग्लादेशी गेंदबाजों के लिए आसान नहीं होगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो इस मैदान पर भारतीय टीम सात में से अपने चार मैच ही जीत पाई है, ऐसे में टीम यहां अपनी ओर से कोई कसर नहीं रखेगी। गेंदबाजी की कमासन जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव के पास रहेगी। अब तक भारतीय गेंदबाजों के सामने इस विश्वकप में बल्लेबाजों के लिए रन बनाना बेहद कठिन रहा है।

वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश के गेंदबाजों के लिए रोहित को रोकना सबसे कठिन रहेगा। रोहित अब तक शानदार फार्म में हैं। बांग्लादेश के लिए राहत की बात ये है कि उनके कप्तान शाकिब अल हसन अपनी चोट से उबर गये है और खेलने के लिए तैयार हैं। विश्व कप के पहले मैच में जीत और उसके बाद मिली दो हार से बांग्लादेश का मनोबल गिरा है। अब वह लगातार तीसरे मैच में नहीं हारना चाहेगी। इसके उसके लिए सेमीफाइनल में की राह मुश्किल हो जाएगी। पहले तीन मैचों में विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास और मेहदी हसन मिराज अर्धशतक लगाये पर नजमुल हसन शंटो और तौहीद हृदय जैसे युवा बल्लेबाज असफल रहे। मध्यक्रम में मुशफिकुर रहीम ही अब तक बड़ी पारी खेल पाये हैं। गेंदबाजी की बात करें तो अनुभवी तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान को लय नहीं मिल पायी है। जो टीम के लिए परेशानी की बात है। ऐसे में बांग्लादेश के लिए भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना कठिन हो जाएगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, विराट कोहली, एस अय्यर, एच पंड्या, केएल राहुल (विकेटकीपर), जड़ेजा, शार्दुल ठाकुर, बुमरा, मोहम्मद सिराज, के यादव

बांग्लादेश : शाकिब अल हसन (कप्तान) , नजमुल हुसैन शांतो, तौहीद हृदोय, तंजीद हसन, मेहदी हसन मिराज, , महमूदुल्लाह, लिटन दास, मुश्फिकुर रहीम (विकेटकीपर), मुस्तफिजुर रहमान, शोरफुल इस्लाम, तस्कीन अहमद।

डच कप्तान एडवर्ड्स बोले, हम केवल आनंद लेने नहीं जीतने आये हैं

धर्मशाला ।
नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने अपनी टीम को विश्वकप क्रिकेट के लीग मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली जीत पर खुशी जतायी है। इस मैच में डच टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 38 रनों से हराकर विश्वकप में दूसरा उलटफेर किया है। इससे पहले अफगानिस्तान ने इंग्लैंड को हराकर सबको हैरान कर दिया था। नीदरलैंड ने दक्षिण अफ्रीका पर मिली जीत के साथ ही पहली बार विश्व कप में किसी टेस्ट खेलने वाले देश पर जीत दर्ज की है। नीदरलैंड ने इससे पहले गत वर्ष टी20 विश्व कप में भी अफ्रीकी टीम हराया था। इस मैच में 78 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले एडवर्ड्स ने कहा कि उनकी टीम केवल भाग लेने नहीं बल्कि अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने आई है। उन्होंने कहा, टूर्नामेंट में प्रवेश हासिल करने के बाद से तय था कि हम इस टूर्नामेंट में क्या करना चाहते हैं। हम यहां केवल खेल का आनंद लेने नहीं आए हैं। हम यहां जीतने के साथ ही अपने को अगले चरण में पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

रक्षा मंत्री ने एशियाई खेलों के सेना के पदकवीरें से की मुलाकात, कही यह बात

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले सेना के खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा- इस साल के एशियाड में हमने कुल 107 पदक जीते हैं। पिछली बार 2018 एशियाई खेलों में हमने 70 पदक जीते थे। अगर हम 70 पदकों से 107 पदकों तक की इस यात्रा को विकास के संदर्भ में देखें, तो हमने लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि देखी। भारत चंद्रमा तक भी पहुंच गया है। दुनिया की सबसे बड़ी संस्थाएं भारत के विकास को स्वीकार कर रही हैं। चाहे विश्व बैंक हो या आईएमएफ, भारत की विकास यात्रा की चर्चा हर जगह हो रही है।

पीसीबी ने आईसीसी से की अहमदाबाद में दर्शकों के व्यवहार की शिकायत, वीजा में देरी का मामला भी उठाया

दुबई ।
पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भारत के खिलाफ विश्वकप लीग मुकाबले के दौरान अहमदाबाद में भीड़ के व्यवहार और पत्रकारों को वीजा देने में देर करने की शिकायत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से की है। पीसीबी ने अपनी इस शिकायत में कहा कि दर्शकों का व्यवहार उसके प्रति ठीक नहीं था।

इसके साथ ही पत्रकारों को वीजा देने में भी देरी की गयी जबकि प्रशंसकों के लिए वीजा नीति नहीं थी जिससे वे इस मैच में नहीं पहुंच पाये।

पीसीबी ने 14 अक्टूबर को हुए भारत-पाक मैच के दौरान पाक टीम के साथ अहमदाबाद की भीड़ द्वारा किये व्यवहार की भी शिकायत दर्ज कराई है।

भारत और पाक के इस तनाव भरे मैच के लिए निकलते समय पाक टीम के कप्तान बाबर आजम पर टिप्पणी की थी। वहीं बल्लेबाज मोहम्मद रिज़वान का विकेट गिरने पर प्रशंसकों ने हंसी उड़ायी। वहीं पाक के मैच हारने के बाद टीम निदेशक मिकी आर्थर ने कहा, कि ये आईसीसी का मैच था जबकि ऐसा लग रहा था कि ये भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का मैच हो।

सिंधू और आकर्षी डेनमार्क ओपन के दूसरे दौर में, श्रीकांत बाहर

ओडेंसे ।
भारतीय खिलाड़ी पीवी सिंधू और आकर्षी कश्यप ने यहां डेनमार्क ओपन सुपर 705 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया लेकिन पुरुष वर्ग में किदांबी श्रीकांत पहले दौर में ही बाहर हो गए। ओलंपिक में दो पदक जीतने वालीं सिंधू को पहले दौर में स्कॉटलैंड की विश्व में 28वें नंबर की खिलाड़ी क्रिस्टी गिल्मर को 21-14, 18-21, 21-10 से हराने में संघर्ष करना पड़ा।

यह मैच 56 मिनट तक चला। एक अन्य मैच में विश्व में 38वीं रैंकिंग के खिलाड़ी आकर्षी ने जर्मनी की दुनिया की 26वें नंबर की ली यवोन को 20-21, 22-20, 21-12 से हराया।

श्रीकांत को पुरुष एकल के पहले दौर में चीन के विश्व में 22वें नंबर के खिलाड़ी वेंग होंग यांग से 21-19, 10-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी टूर्नामेंट से हट गई, जिससे उनके प्रतिद्वंद्वी मलयेशिया के ओंग यू सिन और टीओ ई यी दूसरे दौर में पहुंच गए।

आठ नए सदस्यों में चार महिलाएं भी शामिल

ऑस्कर पुरस्कार विजेता मलयेशियाई अभिनेत्री योह भी बनीं सदस्य

मुंबई ।
अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के मुंबई में संपन्न हुए सत्र में आठ नए सदस्यों को चुना गया। अब आईओसी में सदस्यों की कुल संख्या 107 हो गई है। चुने गए सदस्यों में चार महिलाएं भी हैं जिससे आईओसी में महिला प्रतिनिधित्व 41.1 प्रतिशत हो गया है। मलयेशियाई अभिनेत्री और निर्माता मिशेल योह को भी सदस्य बनाया गया है जो ओस्कर पुरस्कार विजेता हैं।

योह ने कहा कि मुझे याद है कि जब किसी ने मुझसे पूछा था कि तुम अभिनेत्री कैसे बन गईं तो मैंने हमेशा कहा है कि मैंने कभी भी अभिनेत्री बनने का सपना नहीं देखा, लेकिन बचपन से मैं ओलंपियन बनना चाहती थी। योह मलयेशिया की जूनियर स्क्वॉश चैंपियन भी हैं और इस साल उन्हें सर्वश्रेष्ठ मुख्य अभिनेत्री का ऑस्कर पुरस्कार भी मिला था।

मतदान के बाद आईओसी के सत्र ने इजराइल के पूर्व जुडोका येल अराद, हंगरी के बालाज

फर्जेस और पेरू के पूर्व वालीबाल खिलाड़ी सेसिलिया रोक्साना टैट विलाकोर्टा को स्वतंत्र आईओसी सदस्यों के रूप में चुना गया। जर्मनी के खेल उद्यमी माइकल ग्रोंज को भी स्वतंत्र सदस्य बनाया गया। दो उम्मीदवारों (एक महिला और एक पुरुष) को भी एक अंतरराष्ट्रीय महासंघ के अंदर उनके कार्यों के आधार पर चुना गया। वे स्वीडन के अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) की अध्यक्ष पेट्रा सोर्लिंग और कोरिया के अंतरराष्ट्रीय स्केटिंग संघ (आईएसयू) के प्रमुख जे-यूल किम हैं। ट्यूनीशिया के मेहरेज बौसयेने को राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष के रूप में आईओसी सदस्यता के लिए चुना गया।

रोहित शर्मा आईसीसी वनडे रैंकिंग में छठे नंबर पर पहुंचे: चार स्थान का फायदा हुआ; बैटिंग रैंकिंग में टॉप-10 में 3 भारतीय

मुंबई । टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा आईसीसी वनडे रैंकिंग में छठे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्हें चार स्थान का फायदा हुआ है। वहीं पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम टॉप पर बने हुए हैं। बुधवार को जारी लेटेस्ट वनडे बैटिंग रैंकिंग के टॉप-10 में भारत के तीन बल्लेबाज शामिल हैं। शुभमन गिल दूसरे, रोहित छठे और विराट कोहली वर्तमान रैंकिंग में नौवें नंबर पर हैं। वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड पहले स्थान पर बरकरार है। हेजलवुड के अभी 660 पॉइंट हैं। दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट और तीसरे पर भारतीय पेसर मोहम्मद सिराज हैं। रोहित इस वर्ल्ड कप में जबरदस्त फॉर्म में हैं। उन्होंने तीन मैचों में 217 बनाए हैं। इसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। पाकिस्तान के खिलाफ रोहित ने 86 रन की पारी खेली थी। अफगानिस्तान के खिलाफ शानदार 131 रन बनाए थे। बता दें कि रोहित वनडे वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके नाम वर्ल्ड कप में सात शतक हैं। उन्होंने सचिन के छह शतकों का रिकॉर्ड तोड़ा है।

म्यांमार में खाते खाना और सोते भारत में!

आपको यह पढ़कर शायद थोड़ा अजीब लगे, लेकिन बिल्कुल सच्च है। इस गांव के लोग बिना वीजा के म्यांमार में जा सकते हैं। दरअसल, इस गांव का आधा हिस्सा भारत में तो आधा हिस्सा म्यांमार में है। यहां के राजा के घर के बीच से गुजरता है बॉर्डर। इस ट्राइब्स के राजा का नाम अंग नगोवांग है, जिनके अधीन लोंगवा समेत कुल 75 गांव आते हैं। वहीं, इनके घर के बीच से होकर म्यांमार और भारत का बॉर्डर गुजरता है। ऐसे में इनका परिवार खाना तो म्यांमार के हिस्से में खाता है, लेकिन सोने के लिए भारतीय सीमा का उपयोग करता है। लोंगवा गांव के राजा की फैमिली भी काफी बड़ी है, जिसमें उनकी 60 बीवियां भी शामिल हैं। वहीं, राजा का बेटा म्यांमार आर्मी में है। भारत-म्यांमार सीमा पर होने के कारण यहां के लोगों को तकनीकी तौर दोनों ही देशों की नागरिकता मिली हुई है। ऐसे में इन्हें म्यांमार जाने के लिए न तो वीजा की जरूरत होती है और न ही भारतीय पासपोर्ट की। यहां के लोग दोनों ही देशों में स्वतंत्र रूप से घूम सकते हैं।

साफ हवा सुधारती है बच्चों के फेफड़ों की सेहत

साफ हवा में सांस लेना अमूमन सभी के लिए सेहतमंद माना जाता है, लेकिन बच्चे के लिए एक और भी फायदेमंद है। ताजा शोध के मुताबिक साफ हवा बच्चे के फेफड़े की बेहतर सेहत के लिए लाभदायक है। शोध के अनुसार बच्चे के आसपास साफ हवा मुहैया कराने की कोशिश बचपन में उसके फेफड़े की सेहत के लिए अच्छा तो है ही, यह भविष्य में भी उसके लिए फायदेमंद रहता है।

सेहत के लिए फायदेमंद है जलजीरा

गर्म और सुस्त दिन को ताजगी से भरने का आसान उपाय है, एक ग्लास ठंडा जलजीरा! ये रिफ्रेशिंग ड्रिंक आपके कभी न कभी जरूर पी होगी। जलजीरा में मिलाया गया काला नमक, जीरा, अदरक, नींबू, पुदीना, आमचूर पावडर और इसी तरह की अन्य सामग्री, इसे न सिर्फ टेस्ट में शानदार बनाती है बल्कि सेहत के लिए भी ये एक हेल्दी ड्रिंक बन जाती है। हम आपको जलजीरा के ऐसे 5 फायदे बताएंगे, जिसको जानने के बाद आप कभी-कभी नहीं, बल्कि हर रोज इस रिफ्रेशिंग ड्रिंक को पीना चाहेंगे।

पाचन क्रिया को तेज बनाए

जलजीरा में डाला गया काला नमक आंतों की गैस से लड़ता है और पाचन क्रिया को तेज बनाता है। जलजीरा, सीने में जलन से राहत दिलाता है और शरीर को रीहाईड्रेट करता है।

एनेमिया से बचाव

जीरे में आयरन उच्च मात्रा में होता है, इसीलिए वो एनीमिया से बचाव करता है। जलजीरा इम्यूनिटी पावर को भी बढ़ाता है और आपके शरीर को ठंडा रखता है। पेट की खराबी में राहत

जलजीरा में अदरक होता है, इसलिए ये मतली की समस्या को ठीक करता है। अगर आपको पेट में दर्द है, पीरियड्स के क्रैंप्स हो रहे हैं, उल्टी, गैस या अर्थराइटिस की समस्या है, तब भी जलजीरा आपको राहत पहुंचा सकता है।

विटामिन सी की कमी दूर करने में मददगार

जलजीरा में आमचूर पावडर डाला जाता है। आमचूर में उच्च मात्रा में विटामिन सी होता है जो कि आपकी इम्यूनिटी पावर को बढ़ाता है और बहुत सी बीमारियों से आपका बचाव करता है।

लो कैलोरी ड्रिंक

आप जब चाहें जलजीरा पी सकते हैं, वो भी बिना कैलोरी की चिंता किए! इसलिए अगर आप वेट लॉस कर रहे हैं तो सोडा ड्रिंक पीने से बेहतर है आप जलजीरा पिएं। ये आपके शरीर के सिस्टम को डिटॉक्सीफाई करता है और शरीर को हाईड्रेट रखता है। अब तक तो आप जलजीरा के फायदों को जानकर उसे पीने का मन बना ही चुके होंगे। अगर ऐसा ही है तो बाजार से जलजीरा का पैकेट लेने न निकल जाए बल्कि घर पर जलजीरा बनाएं, ताकि वो हेल्दी हो।

लंच करने के बाद न करें ये गलतियां

क्या आप एक भारी लंच करने के बाद तुरंत टहलने के लिए निकल जाते हैं? हो सकता है आप न जाते हों लेकिन आप जैसे बहुत से लोग ऐसा रोज करते हैं। यह एक बहुत ही हानिकारक आदत है जिसे तुरंत रोक देनी चाहिए।

एक्सपर्ट के मुताबिक हमारा पाचन तंत्र इतना मजबूत है कि आप लंच में चाहे जो कुछ भी उल्टा सीधा क्यूं ना खा लें, वह सब कुछ हजम कर लेगा।

हमारा पेट खाने को अच्छी तरह से हजम कर के सारे जरुरी पोषण हमें एनर्जी के तौर पर देता है। पर उसी समय हमारे पेट का सिस्टम थोड़ा संवेदनशील भी है और वह उस वक्त ठीक से कार्य नहीं कर पाता जब आप उसे तकलीफ देते हैं। इसलिए दोपहर में लंच करने के बाद 15-20 मिनट तक आराम करना जरुरी बताया गया है।

आइए जानते हैं कि लंच के बाद कई लोग क्या क्या गलतियां करते हैं , जिससे उनके हाजमें पर बुरा असर पड़ता है।

लंच के बाद क्या नहीं करना चाहिए

दांतों को ब्रश करना

लंच करने के बाद ब्रश बिल्कुल नहीं करना चाहिए। अगर आपने कोई सिट्रस वाला आहार खाया है तो दांतों को ब्रश करने से दांतों की परत तुरंत उतर जाएगी, जिसे हम इनेमल कहते हैं।

बहुत ज्यादा पानी पीना

अगर आप खाना खाने के बाद बहुत ज्यादा पानी पीते हैं तो इससे आपका पाचन तंत्र प्रभावित होता है। इससे पेट की कई बीमारियां भी हो सकती हैं।

धूम्रपान करना

लंच करने के बाद शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज होता है। पर जब उसके बाद आप धूम्रपान करते हैं उसका धूंआ आराम से आपके शरीर में घुस कर फेफड़ों और किडनियों को नुकसान पहुंचाता है।

वॉक पर जाना

लंच करने के सीधे बाद वॉक पर जाने से खाने का पोषण शरीर में अच्छी तहर से नहीं समा पाता।

ड्राइविंग

खाने को पचाने के लिए बहुत सारे खून की आवश्यकता पड़ती है, जिसमें दिमाग सहायता करता है। पर अगर आप खाने के बाद ड्राइविंग करने पर अपना पूरा ध्यान लगा देगें तो आपके भोजन को पचाने के लिये दिमाग वो काम नहीं कर पाएगा।

सोना

खाने के बाद सोने से कई पाचन संबन्धित बीमारियां हो सकती हैं। इससे आपको गैस की भी समस्या हो सकती है।

गर्दन दर्द से पाना हो छुटकारा तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

यदि आपकी गर्दन में दर्द हो तो इसको कभी हलके में नहीं लेना चाहिए क्योंकि इससे कई लक्षणों का पता चलता है। गर्दन में दर्द की समस्या से ना तो आप ठीक से उठ-बैठ सकते हैं और ना ही रोज मर्रा के काम कर सकते हैं। कई लोगों को सिर को दाएं-बाएं घुमाने पर अकडन और दर्द के साथ कडकड़ाहट की आवाज भी सुनाई देती है। गर्दन में लगातार दर्द रहने पर अति शीघ्र चिकित्सक को दिखाना चाहिए। चिकित्सकीय परीक्षणों के बाद ही यह तय हो पाता है कि दर्द किस कारण हो रहा है। अगर दर्द होने का कारण कोई गंभीर बीमारी न होकर सामान्य है तो उसे व्यायाम योगासनों एवं घरेलू उपचारों से भी ठीक किया जा सकता है।

आइस पैक लगाएं

गरदन की दर्द में आइस पैक काफी लाभ पहुंचाता है। आप चाहें तो बरफ के टुकड़े को कपड़े में बांध कर दर्द पर रख सकते हैं। इससे दर्द में काफी आराम मिलेगा।

अदरक का पेस्ट

यह एक दर्द निवारक दवा के रूप में काम करती है। अगर आप अदरक पावडर को पानी में मिला कर पिएं या फिर इसे घिस कर गरम पानी में मिला कर पेस्ट बना कर गरदन पर लगाएं तो राहत मिलेगी।

गर्म सिकाई

जब चोट की सिकाई होती है तो खून का दौरा उस जगह पर तेज हो जाता है जिससे चोट जल्दी ठीक हो जाती है।

मसाज

मसाज किसी भी दर्द को ठीक कर सकता है। मसाज से आप आराम से अच्छी नींद सो सकते हें। पर चोट को तेजी से नहीं मलना चाहिये नहीं तो वहां पर और ज्यादा दर्द पैदा हो सकता है।

सही मुद्रा बना कर रखें

शरीर की सही मुद्रा बना कर रखने से भी गरदन का दर्द ठीक करने में सहायता मिलती है। अपने शरीर को एक दीवार पर सटा कर खड़ा कीजिए अपनी पीठ और बुटक को दीवार से लगाइए और ठुड्डी को बिल्कुल सीधे रखिए। बस इसी मुद्रा में सारे दिन रहिए।

गरम पानी से स्नान

गरम पानी के शॉवर के नीचे कुछ देर खड़े रहें। जैसे की गरम पानी आपकी गरदन पर गिरेगा, कुछ ही देर में आपको असर दिखाई देगा।

हींग एवं कपूर

हींग एवं कपूर समान मात्रा में लेकर सरसों तेल में फेंटकर क्रीम की तरह बना लें। इस पेस्ट को गर्दन में लगाकर हल्के हाथों में मालिश करने पर दर्द आराम हो जाता है।

पसीने व उसकी बदबू से छुटकारा पाने के उपाय...

गर्मियां का मौसम आते ही पसीने की समस्या हो जाना आम बात है। मामूली स्वेटिंग तो फिर भी ठीक है, लेकिन कुछ लोगों को बहुत ज्यादा पसीना आता है। इससे वो बहुत ज्यादा ही परेशान रहते हैं। कुछ टाइम के बाद पसीने की बदबू सिर्फ बॉडी ही नहीं, बल्कि बालों से भी आने लगती है। इसके लिए न जाने कितने ही तरह के डियोड्रेंट, परफ्यूम इस्तेमाल करते हैं जो कुछ देर के लिए पसीने की बदबू को रोकते हैं, लेकिन समस्या जैसी की तैसी ही बनी रहती है। हम आपको कुछ आसान तरीके बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर पसीने की समस्या दूर की जा सकती है।

कैसे करें बचाव

पसीने को रोक पाना तो बहुत ही मुश्किल है। लेकिन कुछ आसान से टिप्स अपनाकर अधिक पसीना निकलने की समस्या को जरूर कम किया जा सकता है।

- एंटी-बैक्टीरियल साबुन का इस्तेमाल करें। जितनी बार नहाएं उतनी बार इसका प्रयोग करें। नहाने के पानी में यूडी कोलन की कुछ बूंदें डालना भी फायदेमंद होता है।
- पसीने की वजह से पैरों में फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। इससे बचने के लिए उंगलियों के बीच एंटी फंगल पाउडर छिडकने के बाद ही मोजे और जूते पहनें।
- इस मौसम में कुछ लोग मोजे पहनना छोड़ देते हैं। ऐसा करना ठीक नहीं, इससे पैरों में एलर्जी हो सकती है।
- तलवों से अधिक पसीना निकलता हो तो इससे बचने के लिए नहाने से पहले, पानी से भरे टब में दो चम्मच फिटकरी पाउडर डालकर उसमें दो मिनट तक पैरों को डुबोकर रखना चाहिए।
- इस मौसम में बगल से सबसे ज्यादा पसीने की प्रॉब्लम होती है। तो बाहर निकलने से पहले कुछ मिनटों तक शरीर के इस हिस्से पर बर्फ रखना फायदेमंद होता है। इससे ज्यादा पसीना नहीं निकलता।
- शर्ट के बगल वाले हिस्से को पसीने के निशान से बचाने के लिए स्वेट पैड्स का इस्तेमाल करना चाहिए।
- डियो, स्प्रे के बजाय रोलॉन या टेलकम पाउडर का इस्तेमाल ज्यादा अच्छा रहता है, लेकिन इसके ज्यादा प्रयोग करने से बचें क्योंकि ये स्किन को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- पसीने की अधिकता से सिर की त्वचा में दाने निकल आते हैं जिसे दूर करने के लिए माइल्ड शैंपू बहुत ही कारगर होता है।
- हमेशा खुश रहने की कोशिश करें, क्योंकि कई बार ज्यादा पसीना निकलने का कारण तनाव और गुस्सा भी होता है।
- अधिक पसीने की समस्या से बचने के लिए अमोनियम क्लोराइड से बने कुछ ऐसे लोशन और स्प्रे आते हैं, जो स्वेट ग्लैंड्स के पोर्स को ब्लॉक कर देते हैं।
- बगल से ज्यादा पसीना निकलने से परेशान हैं तो लेजर ट्रीटमेंट इसका बेहतर उपचार है जो इससे राहत दिलाता है।
- आइनोटोफोरिसिस ट्रीटमेंट एक ऐसी नई तकनीक है जिसमें टब में भरे पानी को एक यंत्र के जरिए चार्ज कर उसके पॉजिटिव और नेगेटिव आयन्स को एक्टिव किया जाता है। फिर इसमें कुछ समय के लिए हाथों और पैरों को डुबाया जाता है। इससे स्वेट ग्लैंड्स की एक्टिविटी धीमी हो जाती है।

जान सकेंगे शादी के बाद की जिंदगी कैसे जिएं?

वैडिंग कोचिंग से हल होंगी परेशानियां

शादी का नाम सुनकर जहां दिल में गुदगुदी होती है, वहीं नए रिश्ते की शुरुआत के बारे में सोच कर मन आशंकाओं के समुद्र में गोते खाता रहता है। युवितयों के मन में अनेक सवाल जैसे शादी के बाद ससुराल में जींस पहनने देंगे या नहीं, पहली बार कौन सी डिश पकवाएंगे, पति को जाने मेरी किस बात का बुरा लग जाए, मायके ज्यादा आने देंगे कि नहीं, सासू मां का स्वभाव कैसा होगा, नौकरी करने देंगे या नहीं... आदि जहां परेशान करते हैं, वहीं निजी समस्याओं का भी डर सताता है, परंतु इन बातों का समाधान कहीं से नहीं मिलता। कौन समझे मन की बातें घर में दादी-नानी, मां, दीदी और भाभी की नसीहतें सुन-सुन कर दिल कई बार डरता है। सहेलियां हमउम्र होने के कारण उसकी परेशानियों को सुनकर भी कोई राय नहीं दे पातीं। ऐसे में आजकल वैडिंग कोचिंग का प्रचलन बढ़ता जा रहा है, कोचिंग में जाकर शादी से पहले हम खुद को मानसिक तौर पर तैयार कर लेते हैं।

मिल जाते हैं सवालों के जवाब

विवाह से पहले ही रिश्तों और उनकी मर्यादाओं के साथ अन्य पहलुओं को भी समझ लिया जाए तो विवाह में बिखराव और अलगाव की नौबत नहीं आती। इसके लिए घर की किसी बुजुर्ग महिला की नसीहतों के अलावा दुल्हन के लिए वैडिंग कोचिंग बढ़िया रहती है, जहां उसे पति-पत्नी के संबंधों से ताल्लुक रखने वाले छोटे से छोटे सवालों के जवाब काउंसिलिंग में मिल जाते हैं। क्या है वैडिंग कोचिंग विदेशों की तर्ज पर अब महानगरों में भी वैडिंग स्ट्रेस कोचिंग सेंटर खुलने लगे हैं, जिससे विवाह के बाद ही नहीं, विवाह से पहले भी एक-दूसरे की पसंद-नापसंद, इच्छा-अनिच्छा आदि को समझने में आसानी हो। दोनों एक-दूसरे की जरूरतें समझने के साथ फैमिली प्लानिंग पर भी विचार कर सकें। सिर्फ 2-3 सिटिंग ही इसके लिए काफी हैं।

मानसिक तौर पर खुद को करें तैयार

मैरिज काउंसलर की मानें तो आज की पीढ़ी में पहले की तुलना में समर्पण, धैर्य और त्याग जैसी भावनाएं काफी कम होने लगी हैं, सो ऐसी कोचिंग उन्हें एक-दूसरे को समझने में मदद करती है। कामकाजी दुल्हनों को कई बार एकल परिवार के ही दायित्व निभाने में भी दिक्कत आती है। पति के साथ अहं का टकराव होने से भी वैवाहिक जीवन को संभाल पाना कठिन हो जाता है। सफल वैवाहिक रिश्ते के लिए युगल स्वयं को मानसिक स्तर पर पहले तैयार करें। विवाह से पहले घर बसाने के लिए व्यावहारिक बातों की शिक्षा परिवार के बुजुर्गों द्वारा जरूर दी जाती है, लेकिन उसमें भी अहम बातें छूट जाती हैं। प्री-मैरिटल काउंसिलिंग में विवाह योग्य लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे के विचारों से सामंजस्य बैठाना सिखाया जाता है।

रेसिपी

चटपटा दहीवाला ब्रेड

सामग्री

5 ब्रेड के स्लाईस , टुकड़ों के कटे हुए, 1/2 कप दही, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून जीरा,1/4 टी-स्पून हींग, 3से 4 3 से 4 कड़ीपत्ते, 1/2 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, 1/4 कप पतले स्लाईस्ड प्याज़,2 टेबल-स्पून तेल

सजाने के लिए

2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

दही, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक को 2 टेबल-स्पून पानी के साथ एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें। ब्रेड के टुकड़े डालकर ब्रेड के दही से कोट होने तक मिला लें। एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में तेल गरम करें और जीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, हींग, कड़ीपत्ते और अदरक डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। प्याज के स्लाईस डालकर हलका भुरा होने तक भुन लें। ब्रेड का मिश्रण डालकर, बीच-बीच में हिलाते हुए, धिमी आंच पर ब्रेड के सुनहरा होने तक भुन लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

मल्टीग्रेन रोटी

सामग्री

1/4 कप रागी का आटा, 1/4 कप बाजरा का आटा, 1/4 कप जोवार का आटा,2 टेबल-स्पून बेसन, 1/4 कप गेहूं का आटा, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर,1 टी-स्पून मिर्च पाउडर,1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च,1/4 कप बारीक कटा हुआ टमाटर,3 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, नमक , स्वाद अनुसार,1 1/4 टी-स्पून तेल , पकाने के लिए

परोसने के लिए

लो फॅट दही

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बर्तन में मिलाकर पर्याप्त पानी की सहायता से नरम आटा गूंधिए। आटे को 6 बराबर भागों में बांटिए और 1 भाग को 2 प्लास्टिक के बीच में रखकर व्यास के आकार की रोटी बेलिए। एक नॉन-स्टिक तवे को गरम करके, उस पर रोटी रखकर, 1/2 टी-स्पून तेल की मदद से, रोटी को दोनो तरफ से सुनहरा होने तक सेक लिजिए। बचे हुए भागों से 5 और रोटीयां बनाए। लो-फैट दही के साथ तुरंत परोसिए।

स्किन से जुड़ी प्रॉब्लम्स को दूर करती है, सुपारी

अक्सर देखा गया है कि सुपारी का इस्तेमाल ज्यादातर पूजा में किया जाता है। यह गर्ण तासीर की होती है। इसे जलाकर उसकी राख को दांतों को साफ किया जाता है और दांत चमकीले होते हैं। सुपारी बड़ी और छोटी होती है। आज हम आपको इसे इस्तेमाल करने पर होने वाले लाभ के बारे में बताएगें।

- अगर आपके मसूड़ों से खून है तो सुपारी लेकर उसका मोटा कूटकर काढ़ा बना लें। इस काढ़े से रोज कुल्ला करने पर मसूड़ों से खून आना बंद हो जाता है।
- अगर आपको बहुत ज्यादा यूरिन की समस्या हो रहा है तो ऐसे में सुपारी का पाउडर लेकर 1 या 2 ग्राम गाय के घी के साथ इस्तेमाल करें।
- हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में सुपारी में मौजूद टैनिन बहुत ही उपयोगी होती है।
- इसका अधिक प्रयोग रक्तभार को कम करता है तथा चक्कर आने लगता है।
- सुपारी का इस्तेमाल दांतों की सड़न को रोकने के लिए मंजन के रूप में किया जाता है क्योंकि इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं।
- अगर आपके दांतों में कीड़ा लगा है तो सुपारी को जलाकर उसका पाउडर बना लें और इससे रोजाना ब्रश करें।
- अगर आपको कही चोट लगने से घाव हो गया हो और खून बह रहा है तो ऐसे में इसका बारीक पाउडर लगाने से खून बहना बंद हो जाता है।
- जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है और उसका मुंह सूखे तो वह एक सुपारी का टुकड़ा मुंह में रख लें। ऐसी करने से मुंह बार-बार नही सूखेगा।
- दाद, खाज, खुजली और चकत्ते होने पर सुपारी को पानी के साथ घिसकर लेप करने से फायदा होता है। बहुत ज्यादा खुजली होने पर सुपारी की राख को तिल के तेल में मिलाकर लगाने से लाभ होता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**